@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 19 सितंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 316 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

उत्तराखंड में बर्फबारी

केदारनाथ में तापमान माइनस 2°C

●एमपी में भोपाल-सीहोर में बारिश, यूपी में आंधी चली

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के चमोली के हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई। वहीं, केदारनाथ और रुद्रनाथ में भी ओलों के साथ हल्की बर्फबारी हुई। इससे पहाड़ी इलाकों में तापमान गिरने के साथ ठंड बढ़ गई है। केदारनाथ में शुक्रवार सुबह तापमान माइनस 2°C रिकॉर्ड किया गया।

मध्य प्रदेश में भोपाल, सीहोर और देवास में तेज बारिश हुई। प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अपने आखिरी फेज पहुंच गया है। सितंबर के आखिरी हफ्ते से मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 21 सितंबर तक राज्य में बारिश और आंधी का दौर जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में

रुक-रुककर बारिश जारी है। कानपुर में करीब आधे घंटे तक 30kmph की रफ्तार से हवाएं चलीं। कई पेड़ गिर गए। बरेली में भी 50kmph की रफ्तार से चली हवाओं से कई पेड़ उखड़ गए।

बिहार में बाढ़ से 50 लाख प्रभावित

बिहार में मौसम विभाग ने 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम उमस भरा रहने की संभावना है। प्रदेश में बाढ़ से अब तक करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

महाराष्ट्र के लातूर में 6 हफ्ते बाद बारिश

मध्य महाराष्ट्र के लातूर जिले को राहत मिली है, जहां शुक्रवार को औसतन 17.5 द्ब्र बारिश दर्ज की गई। लातूर मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में से एक है। जिला प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, रेनापुर शहर में सबसे ज्यादा 39.3 mm बारिश हुई, इसके बाद लातूर तहसील में 37.7 mm बारिश दर्ज की गई। लंबे समय तक सूखे के बाद हुई इस बारिश से गर्मी और उमस से कुछ राहत मिली है। किसान लंबे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे थे।

●पेपर लीक मामला: सुप्रीम कोर्ट की कड़ी चेतावनी

'सुधार केवल कागजों पर न रहें', एनटीए मुख्यालय का दौरा कर सकते हैं जज

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए में सुधारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एनटीए के कार्यालय का दौरा कर सकता है, ताकि मौके पर जाकर यह देखा जा सके कि परीक्षा आयोजित करने वाला सिस्टम वास्तव में काम कर रहा है या नहीं। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन और यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें नीट का पेपर लीक होने के बाद एनटीए में व्यापक सुधार करने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि नंदन नीलेकणि की अगुवाई में गठित एक नए उच्चस्तरीय टास्क

फोर्स ने डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया है। उन्होंने अदालत से टास्क फोर्स की रिपोर्ट पेश करने के लिए सितंबर के अंत तक का समय देने का अनुरोध किया। इस पर कोर्ट ने कहा कि एनटीए में सुधार के लिए कमेटी की सिफारिशें सिर्फ रिपोर्ट तक सीमित न रहें, उन पर अमल होना भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई पावर्ड कमेटी के साथ समन्वय कर रहे संयुक्त सचिव को प्रगति पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।कोर्ट ने एनटीए को अपनी सुधारों की प्रगति की जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए अपनी वेबसाइट पर संस्था में सुधार के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी वाला हलफनामा डाले, ताकि छात्र और दूसरे पक्ष सुधारों की स्थिति देख सकें। कोर्ट ने एक बार फिर दोहराया कि एनटीए में पर्याप्त स्टाफ और एक्सपर्ट की जरूरत है। केवल डेपुटेशन पर कर्मचारियों से काम नहीं चलना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी।

नंदीग्राम के कांग्रेस प्रत्याशी गिरफ्तार

कुछ घंटे पहले ही ममता बनर्जी ने किया था समर्थन का एलान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव से पहले शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। कांग्रेस के उम्मीदवार मिलन प्रधान को एक पुराने कथित हत्या मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।

खास बात यह है कि गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले ही ममता बनर्जी ने नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन देने का एलान किया था। ममता बनर्जी ने कहा कि उनका गुट कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेगा और इस फैसले का उद्देश्य विपक्षी गठबंधन को मजबूत करना है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब नंदीग्राम में छह अक्तूबर को उपचुनाव होना है।

मिलन प्रधान की गिरफ्तारी किस मामले में हुई?

कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को पश्चिम बंगाल में एक पुराने कथित हत्या मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी की खबर ममता बनर्जी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ घंटे बाद सामने आई। ममता ने शुक्रवार को अपने कालीघाट स्थित आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नंदीग्राम में कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन देने की घोषणा की थी। इस तरह एक ही दिन में नंदीग्राम चुनाव को लेकर दो बड़े घटनाक्रम सामने आए। एक तरफ कांग्रेस को ममता के गुट का समर्थन मिला, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस प्रत्याशी की गिरफ्तारी हो गई।

ममता बनर्जी ने कांग्रेस को समर्थन क्यों दिया?

ममता बनर्जी के गुट ने पहले नंदीग्राम से संचिता प्रधान डे को अपना उम्मीदवार बनाया था। लेकिन उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। इसके बाद ममता बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने का फैसला किया। ममता ने कांग्रेस को 'सिस्टर पार्टी' बताते हुए कहा कि यह फैसला विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके गुट ने पहले ही नंदीग्राम में कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया था और बंगाल से विपक्षी एकजुटता का संदेश जाना चाहिए।

●मानहानि के दावे पर रामदेव पर बरसे बृजभूषण शरण सिंह

बोले- वे मिलावट करने वालों के सरगना

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या पहुंचे भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने योग गुरु रामदेव पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला 2022 का है। एक धार्मिक कार्यक्रम में लोगों को समझाते हुए मैंने कहा था कि गाय पालें, अपनी सब्जियां उगाएं, अपना दूध और घी बनाएं। वरना, रामदेव का घी खाकर आपके बच्चे सेहतमंद नहीं बनेंगे।

उन्होंने बताया कि अगले दिन बालकृष्ण ने मुझे फ़ोन किया। मैंने उनसे पूछा कि अगर 30 किलो गाय के दूध से एक किलो घी बनता है और दूध की कीमत 30 रुपये प्रति किलो है, तो लागत 900 रुपये आती है। तो जिस चीज को बनाने में 900 रुपये का खर्च आता है, उसे 500 रुपये में कैसे बेचा जा सकता है? मुझे इसका कोई जवाब नहीं मिला। बृजभूषण शरण सिंह ने आगे कहा

कि मानहानि के दावे की बात करें तो यह भी एक तरह से अच्छी पब्लिसिटी ही है।

आज मिलावटी घी, तेल और खाने-पीने की चीज़ें बिक रही हैं। मैं यह तो नहीं कहूंगा कि इसके लिए सिर्फ़ रामदेव जिम्मेदार हैं, लेकिन वे मिलावट करने वालों के सरगना जरूर हैं। देर-सवेर सरकार को मिलावट के खिलाफ अभियान चलाना ही पड़ेगा। क्योंकि, बीमारियां और कैंसर बढ़ रहे हैं। खाने-पीने की चीज़ों पर अब भरोसा नहीं किया जा सकता।

आयकर कानून की धारा 147ए पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम राहत

आकलन प्रक्रिया पर भी रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 147ए को असंवैधानिक घोषित किया गया था और अधिकार क्षेत्र वाले आकलन अधिकारियों द्वारा जारी किए गए द्वारा जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिसों को भी रद्द कर दिया था। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की बेंच ने केंद्र सरकार और अन्य इनकम टैक्स अधिकारियों की ओर से दायर एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया। इस एसएलपी में 10 सितंबर को हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मुख्य मामले का अंतिम निपटारा होने तक असेसमेंट की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जाएगी ।

'किसानों को अकेला नहीं छोड़ेगी सरकार'

●सूखा प्रभावित क्षेत्रों को मिलेगी पूरी मदद - एकनाथ शिंदे

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने माना कि विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में सूखे के कारण खड़ी फसलें जल गई हैं।

एजेंसी

सतारा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को गणेशोत्सव के मौके पर सतारा जिले में अपने पैतृक गांव 'दारे' का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में बारिश की स्थिति का जायजा लिया और बारिश न होने की वजह से फसल के भारी नुकसान का सामना कर रहे किसानों को भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सरकार किसान समुदाय को अकेला नहीं छोड़ेगी और सूखे जैसे हालात वाले इलाकों में पूरी मदद देगी। उनका यह बयान नेशनलिस्ट कांग्रेस

पार्टी (एनसीपी) के सीनियर नेता शरद पवार की उस मांग के बाद आया है जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से सूखा घोषित करने और तुरंत राहत मदद बांटने को कहा था। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने माना कि विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में सूखे के कारण खड़ी फसलें जल गई हैं। असल नुकसान के आधार पर मदद बांटने के लिए फसल के नुकसान का आकलन अभी चल रहा है।

उन्होंने संकट की समीक्षा के लिए उस्मानाबाद (धाराशिव) के प्रभारी मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद ओमराजे निंबालकर और जिला कलेक्टर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। जिले के प्रभारी मंत्री प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं और उन्होंने पुष्टि की कि वे जल्द ही सूखे से प्रभावित इलाकों का खुद दौरा करेंगे ताकि किसानों से सीधे बात कर सकें।

'मां की सौगंध, मैंने कभी पैसा नहीं लिया'

कलंक का जवाब सच और संघर्ष से...', हरीश रावत का भावुक वीडियो

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपने ऊपर लगे नौकरी के बदले पैसे लेने के आरोपों पर बेहद भावुक अंदाज में सफाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर मां की तस्वीर थामे हुए एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह मां की सौगंध खाते हुए खुद को बेगुनाह बता रहे हैं। रावत ने पोस्ट में लिखा, 'मां की सौगंध... सच के लिए आखिरी दम तक संघर्ष करूंगा। कलंक का जवाब, सच और संघर्ष से।' वीडियो में हरीश रावत कहते हैं, 'मां, मैं आपकी सौगंध खाता हूं, आपके दूध की सौगंध खाता हूं। मैंने कभी किसी को नौकरी देने के बदले एक पैसा लेना तो छोड़िए, मैंने उससे कभी चाय और पानी तक नहीं पिया। ' अपने वीडियो संदेश में हरीश रावत ने तीन माताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरी तीन माताएं हैं, जगत जननी, देवी भवानी (मां दुर्गा), जिसकी मैं नित्य प्रतिदिन पूजा करता हूं और वह धरती मां हैं, जिसने मुझे पैदा किया है उत्तराखंड।' उन्होंने कहा कि उम्र के इस पड़ाव में उन्हें बदनाम करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। रावत ने कहा, 'मां आज मुझे बदनाम करने का षड्यंत्र हो रहा है। उम्र के इस पड़ाव में मुझ पर कलंक लगाने का प्रयास हो रहा है, जिस तरीके से कुछ पोस्ट्स में, कुछ अखबारों के जरिए मुहिम चलाकर। मां मैं आपकी व आपके दूध की सौगंध खाता हूं, मैंने कभी किसी को नौकरी देने के बदले एक पैसा लेना तो छोड़िए, मैंने उससे कभी चाय और पानी तक नहीं पिया, जिसको दिया होगा, मैंने दिया होगा, मां। ' उन्होंने कहा कि पहले भी 2017 और 2022 में उनके खिलाफ झूठे आरोप गढ़े गए थे, जिनका कोई साक्ष्य नहीं है। मैं इस कलंक के साथ मरना नहीं चाहता मां। मैंने मां जगदंबा से प्रार्थना की है कि जब तक मैं इस कलंक को न धो दूं, तब तक मेरी जिंदगी की डोर व मेरी सांसों को आगे बढ़ाते रहना।

अमेरिकी प्रतिबंध कानून के भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर प्रभाव को लेकर अमेरिका से बात की : जायसवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026' के संभावित प्रभावों को लेकर अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर अपनी चिंताएं साझा की हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने स्पष्ट रूप से बताया है कि इस कानून का भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समग्र भारत-अमेरिका संबंधों पर असर पड़ सकता है।जायसवाल ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय की द्विसाप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस कानून से जुड़े सवाल के जवाब में कहा कि भारत पहले ही अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर यह बात रख चुका है कि प्रस्तावित कानून के क्या-क्या प्रभाव हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'हमने पहले ही अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर यह बात रखी है कि इस कानून के भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समग्र संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं।' दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल इस मामले में उनके पास इससे अधिक कुछ कहने के लिए नहीं है। अमेरिकी कांग्रेस ने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026' को मंजूरी दी है। यह कानून रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने समेत रूस और ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों का प्रावधान करता है।

पाकिस्तानी नौसेना के जहाजों का व्यवहार अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर है -विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को पश्चिमी अरब सागर में 15 सितंबर को भारतीय नौसेना के आईएनएस कोलकाता और पाकिस्तानी नौसेना के जहाज हुनैन के बीच हुई टक्कर को लेकर पड़ोसी देश के आरोपों को खारिज कर दिया और इसे हमेशा की तरह टालमटोल की नीति बताया। नई दिल्ली में द्वि-साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज हुनैन का व्यवहार 'अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर' था, जिसके कारण यह टक्कर हुई। हालांकि, आईएनएस कोलकाता को कोई नुकसान नहीं हुआ। जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'हमने हमारे द्वारा दर्ज कराए गए विरोध पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देखी है।

पंजाबियों को उड़ता पंजाब नहीं, उभरता पंजाब चाहिए : नितिन नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पठानकोट से शुरू की पहली नशा मुक्त पंजाब यात्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को पठानकोट से पहली 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

'भाजपा का नारा, नशा मिटाना सारा' के संकल्प के साथ शुरू हुई यह नशा मुक्त यात्रा 30 सितंबर को जालंधर में समाप्त होगी। इस अवसर पर नितिन नवीन ने नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लडऩे का आह्वान किया। केसरी दस्तार सजाकर मंच पर पहुंचे नितिन नवीन ने कहा कि पंजाबियों को उड़ता पंजाब नहीं, उभरता पंजाब चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने सत्ता के दम पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति

खराब करके पंजाब को नशे से बर्बाद किया, उनके खिलाफ निर्णायक लड़ाई लडऩे का समय आ गया है। नितिन नवीन ने कहा कि नशा पंजाब की पहचान या ताकत नहीं हो सकता। पंजाब की पहचान उसकी विरासत, विचार और नौजवान होनी चाहिए। पंजाब की पहचान गुरुओं की बाणी, किसानों के पसीने और खिलाडिय़ों के जज्बे से होती थी। पंजाब के लोग खुद नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

भारतीय जनता पार्टी की नशे के खिलाफ लड़ाई का मूल मंत्र साझा करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि नशा तस्करों पर वार करना, नशे के सप्लाई नेटवर्क को तोडऩा, ड्रग मनी जब्त करना, नशे के शिकार लोगों का पुनर्वास करना और समाज के सहयोग से नशे के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाना उनकी रणनीति का हिस्सा होगा। नितिन नवीन ने कहा कि देश में भाजपा जो संकल्प लेती है, उसे पूरा करती है। धारा 370 हटाने के संकल्प को पूरा करने के लिए लंबा संघर्ष किया गया तथा आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म किया गया।

वंदे मातरम् विवाद पर भड़के मनोज मुंतशिर, बोले-

'ऐसी हरकतों से बाज आएं प्रतिपक्ष के नेता'

मुंबई(एजेंसी)। गीतकार, स्क्रीनराइटर और कवि मनोज मुंतशिर शुक्ला ने युवा धर्म संसद के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित लाइव म्यूजिकल शो 'मेरा देश पहलेः नरेंद्र मोदी की अनकही कहानी' और देशभक्ति गीत 'वंदे मातरम' को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि आज उन्हें इस बात का भरोसा हुआ है कि देश के युवाओं में अगर धर्म और भारतीय संस्कृति को लेकर इसी तरह की आस्था और समझ बनी रही तो हजारों साल बाद भी भारत की संस्कृति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित इस लाइव म्यूजिकल शो को लेकर मनोज मुंतशिर ने कहा, ''प्रधानमंत्री के जीवन के कई पहलुओं में से मुझे सबसे ज्यादा 'सेवा' ने प्रभावित किया है।

आश्वासन के बाद किसानों का धरना प्रदर्शन खत्म, मुख्य सचिव स्तर की होगी वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पर एक सप्ताह से चल रहा किसान संघर्ष मोर्चा का धरना गुरुवार को आश्वासन के बाद खत्म हो गया। 5 अक्टूबर तक लखनऊ में मुख्य सचिव स्तर की वार्ता होगी। किसान 10 फीसदी आबादी भूखंड की मांग पर अड़े हैं और उन्होंने मांग पूरी नहीं होने पर 6 अक्टूबर से फिर धरना शुरू करने की चेतावनी दी है। किसान संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों और नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के सीईओ, जिलाधिकारी एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त के बीच करीब तीन घंटे बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसान नेता डॉ. रुपेश वर्मा ने बताया कि 21 सितंबर तक प्राधिकरण और किसान नेता 10 फीसदी आबादी भूखंड समेत अन्य मुद्दों पर जरुरी तैयारी पूरी करेंगे। इसके बाद 5 अक्टूबर तक लखनऊ में मुख्य सचिव और औद्योगिक विकास आयुक्त स्तर पर वार्ता होगी। उन्होंने कहा कि वार्ता सकारात्मक रहने पर मुख्यमंत्री स्तर पर अंतिम वार्ता कराने का प्रस्ताव है। किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर 6 अक्टूबर से फिर आंदोलन किया जाएगा।

सभी दवा दुकानों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मेडिकल स्टोर पर बिना पर्चे के दवाओं की बिक्री रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा जारी किया गया है। प्रस्ताव के तहत मेडिकल स्टोर पर होने वाली दवा बिक्री की निगरानी कैमरों के माध्यम से की जा सकेगी। खास तौर पर अनुसूची एच, एच1 और एक्स श्रेणी की दवाओं की बिक्री पर नजर रखी जाएगी। इन दवाओं को वैध चिकित्सकीय पर्चे के आधार पर ही बेचा जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मसौदे पर आम लोगों और संबंधित पक्षों से आपत्तियां व सुझाव मांगे हैं। प्रस्ताव लागू होने के बाद दवा दुकानों पर कैमरों के जरिए बिक्री प्रक्रिया की निगरानी बढ़ने की उम्मीद है।

अधिकारी की मेज पर कुत्ते छोड़ने वाले शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता पर मामला दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के विरोध में नगरपालिका के एक अधिकारी के कक्ष में जबरन घुसकर उनकी मेज पर बोरियों से निकालकर दो कुत्ते छोड़ने वाले शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता और अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह इस घटना के दौरान कुत्तों के साथ किए गए व्यवहार से आहत हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि नगर निकाय के अधिकारियों की निष्क्रियता को उजागर करने के लिहाज से वे सही थे, फिर भी ऐसे कृत्यों को दोहराया नहीं जाना चाहिए। निफाड थाने के अधिकारी ने बताया कि एक लोक सेवक के आधिकारिक कर्तव्य के निर्वहन में बाधा डालने के आरोप में विक्रम रंधावे और उनके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इन लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता के संबंध में भी मामला दर्ज किया है, क्योंकि प्रदर्शनकारी कुत्तों को बोरियों में लेकर आए थे।

अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात एएसआई की हत्या, आतंकी संगठन ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर(एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में बीती रात ड्यूटी पर तैनात असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) हरजीत सिंह की गोली मारकर हत्या की गई। हरजीत बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया। गंभीर रूप से घायल हरजीत को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की पहचान और घटना के पीछे की मंशा का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। यह वारदात रात करीब 2-30 बजे हुई, जब एएसआई सिंह दाना मंडी के पास बाइक पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी बाइक पर आए दो अज्ञात हमलावरों ने दाना मंडी के गेट नंबर दो के बाहर उनकी गर्दन में गोली मार दी। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल हरजीत को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से हमलावरों का पता लगाने में जुटी है। हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) नाम के आतंकी संगठन ने लेने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि अमृतसर में पहले भी पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया जा चुका है। कुछ महीने पहले मजीठा क्षेत्र में एएसआई जोग सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और 11 सितंबर को अजनाला इलाके में एएसआई जसवंत सिंह पर हमला हुआ था, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे। उन हमलों की जिम्मेदारी भी टीटीएच ने ही ली थी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एएसआई हरजीत सिंह की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा कि सिंह की बहादुरी और ड्यूटी के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा।

तमिलनाडु के सीएम विजय बनेंगे लाखों बच्चों के 'मामा', हर नवजात को देंगे एक ग्राम सोने की अंगूठी

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू करने जा रहे हैं। 'थाइमामन थांगा मोतीराम' यानी 'मामा की ओर से सोने की अंगूठी' नाम की इस योजना की औपचारिक शुरुआत 28 सितंबर को होगी। योजना के तहत 22 जून 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को अंगूठी दी जाएगी।

इस योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि बच्चे का जन्म तमिलनाडु के सरकारी अस्पताल में हुआ हो और लाभार्थी परिवार राज्य का स्थायी निवासी हो। सरकार के मुताबिक, योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देना और लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बढ़ाना है।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार राज्य में हर साल करीब 7.8 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें लगभग 4.2 लाख यानी करीब 53 प्रतिशत बच्चों का जन्म सरकारी अस्पतालों में होता है। पहले चरण के लिए करीब 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी जा चुकी हैं। प्रत्येक अंगूठी पर एक विशिष्ट क्रमांक दर्ज होगा।

यह योजना तमिल संस्कृति में प्रचलित उस परंपरा से प्रेरित है, जिसमें बच्चे के जन्म पर मामा या ननिहाल की ओर से उपहार दिया जाता है। मुख्यमंत्री विजय ने चुनाव के दौरान भी इस योजना का वादा किया था। योजना की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब राज्य में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि, इन उपचुनाव क्षेत्रों में योजना लागू करने के लिए निर्वाचन आयोग की अनुमति से जुड़े प्रावधान भी सामने आए हैं।

सुबोध/18 -09-2026(चेन्नई) तमिलनाडु के सीएम विजय बनेंगे लाखों बच्चों के 'मामा', हर नवजात को देंगे एक ग्राम सोने की अंगूठी

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू करने जा रहे हैं। 'थाइमामन थांगा मोतीराम' यानी 'मामा की ओर से सोने की अंगूठी' नाम की इस योजना की औपचारिक शुरुआत 28 सितंबर को होगी। योजना के तहत 22 जून 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को अंगूठी दी जाएगी।

इस योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि बच्चे का जन्म तमिलनाडु के सरकारी अस्पताल में हुआ हो और लाभार्थी परिवार राज्य का स्थायी निवासी हो। सरकार के मुताबिक, योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देना और लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बढ़ाना है।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार राज्य में हर साल करीब 7.8 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें लगभग 4.2 लाख यानी करीब 53 प्रतिशत बच्चों का जन्म सरकारी अस्पतालों में होता है। पहले चरण के लिए करीब 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी जा चुकी हैं। प्रत्येक अंगूठी पर एक विशिष्ट क्रमांक दर्ज होगा।

यह योजना तमिल संस्कृति में प्रचलित उस परंपरा से प्रेरित है, जिसमें बच्चे के जन्म पर

मामा या ननिहाल की ओर से उपहार दिया जाता है। मुख्यमंत्री विजय ने चुनाव के दौरान भी इस योजना का वादा किया था। योजना की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब राज्य में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि, इन उपचुनाव क्षेत्रों में योजना लागू करने के लिए निर्वाचन आयोग की अनुमति से जुड़े प्रावधान भी सामने आए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के वीजा नियमों में बदलाव, छात्र साथ नहीं ले जा सकते पार्टनर और बच्चे, भारतीयों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश के अस्थायी वीजा नियमों में बड़े और कड़े बदलावों का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर अब अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर पड़ेगा। नए नियमों के तहत अब अधिकांश विदेशी छात्र अपने पार्टनर या बच्चों को डिपेंडेंट वीजा पर अपने साथ ऑस्ट्रेलिया नहीं ला सकते है। इस फैसले से सबसे बड़ा झटका भारतीय छात्रों को लगने की आशंका है, क्योंकि अमेरिका के बाद ऑस्ट्रेलिया उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के बीच दूसरा सबसे पसंदीदा देश है। वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों में बिजनेस, आईटी, इंजीनियरिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों की पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या 1.38 लाख से अधिक है, जो वहां के कुल विदेशी छात्रों का करीब 16 प्रतिशत हिस्सा है। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्री टोनी बर्क द्वारा घोषित इन सख्त उपायों का मुख्य उद्देश्य देश में अस्थायी प्रवासन (माइग्रेशन) को नियंत्रित करना और वर्ष 2027-28 तक नेट ओवरसीज माइग्रेशन को घटाकर 225,000 के लक्ष्य तक लाना है। ऑस्ट्रेलिया सरकार का कदम अंतरराष्ट्रीय छात्रों, वर्किंग-हॉलिडे वीजा धारकों और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में अवैध रूप से जमे रहने वाले लोगों पर शिकंजा कसने के लिए उठाया गया है। हालांकि, इस नीति में कुछ विशेष अपवाद भी रखे गए हैं। नई व्यवस्था के तहत पैसिफिक और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के छात्रों को परिवार के लिए वीजा की सुविधा मिलती रहेगी, और पीएचडी (पीएचडी) जैसे उच्च शोध कार्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्र भी अपने परिवार को साथ रख सकते है।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशी को पुलिस ने पकड़ा

-महिलाओं के कपड़े पहनकर महीनों से होटल में रहे थे, नहीं हुआ किसी को शक

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि ये चारों पिछले तीन महीनों से एक होटल में रह रहे थे। वे पहचान छिपाने के लिए साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट पहनकर होटल से बाहर निकलते थे। मामला 13 सितंबर को सामने आया। जब रघुनाथपुर में पुलिस ने साड़ी पहने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। उसने अपना नाम तौहीद मंडल बताया।

पुलिस ने बताया कि तौहीद बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह कुछ अन्य लोगों के साथ भारत आया था। वे 1 सितंबर को नदिया जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र से कथित तौर पर भारत में दाखिल हुए थे। मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने पुरुलिया टाउन थाना क्षेत्र के एक होटल में छापा मारा। यहां से तीन अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान जाहिद इमन, सुमन शेख और शांत हुसैन के रूप में हुई है। इनके पते बांग्लादेश के राजबाड़ी और कुश्टिया जिलों के बताए गए हैं।

जांच में सामने आया कि चारों जिस होटल में रह रहे थे, वहां कमरा मनी सरकार नाम की महिला के आधार कार्ड से बुक किया गया था। मनी सरकार उत्तर 24 परगना की रहने वाली बताई गई है। होटल मालिक ने बताया कि कमरे के लिए सिर्फ एक व्यक्ति का आधार कार्ड लिया गया था। इसके बावजूद कमरे में चार लोग रह रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक होटल मालिक ने पुलिस को बताया कि उन्हें इन लोगों के बांग्लादेशी होने की जानकारी नहीं थी। वे कभी दो दिन होटल में रुकते थे और फिर चले जाते थे। होटल के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि उन्हें कभी शक नहीं हुआ। वे लोग साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट जैसे कपड़े पहनते थे। वे टोटो से बाहर जाते थे और फिर होटल लौट आते थे। होटल कर्मचारी ने बताया कि वह उन्हें अक्सर सीढ़ियों से ऊपर जाते देखती थी। उनके कपड़े और हावभाव महिलाओं जैसे लगते थे। इसलिए कभी शक नहीं हुआ। चारों संदिग्धों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वे सीमा पार करके पुरुलिया तक कैसे पहुंचे। पुलिस जांच कर रही है कि वे इतने लंबे समय तक होटल में कैसे रहे। इसके अलावा पुलिस उनके पुरुलिया आने की वजह और स्थानीय संपर्कों का पता लगा रही है। फिलहाल सभी संदिग्ध पुलिस की हिरासत में हैं।

राहुल गांधी बोले- अब तो पार्टियां ही चुराने लगी भाजपा

टीएमसी का नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज राजनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिन्ह को चुनाव आयोग द्वारा फ्रीज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी का प्रतीक बताया और इसे भारत के लोकतांत्रिक पतन का संकेत करार दिया। राहुल गांधी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह एक ऐसा पैटर्न है जो बार-बार दोहराया जा रहा है पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं और फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है। गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि जब पूरी की पूरी पार्टी ही चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना कोई हैरानी की बात नहीं है। उनके अनुसार, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी। ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के

प्रतीक बन गए हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, लेकिन इसके बजाय, वह उन ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के फैसले को ही पलट देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है, बल्कि यह हर राजनीतिक दल और हर मतदाता की लड़ाई है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहता है। दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों के लिए, पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फिलहाल फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसका अर्थ यह है कि जब तक आयोग इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं ले लेता, तब तक न तो ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट और न ही ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट किसी भी चुनाव के लिए टीएमसी के नाम और पार्टी के चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल कर पाएगा। यह विवाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में हार के बाद अप्रैल में टीएमसी के दो गुटों में बंटने से शुरू हुआ था। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुनने को लेकर यह विवाद बढ़ा और बाद में टीएमसी के 80 में से लगभग 58 विधायक ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में बागी गुट का हिस्सा बन गए। दलबदल विरोधी कानून के तहत यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े से अधिक थी। इस विभाजन के बाद, दोनों गुट टीएमसी के नाम और पार्टी के चुनाव चिन्ह पर अपना दावा कर रहे थे। फिलहाल, आयोग ने स्थिति को देखते हुए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फ्रीज कर दिया है।

स्वतंत्र भारद्वाज तिहाड़ जेल से रिहा, मोदी-योगी और राजनीति पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। जंतर-मंतर पर एक छात्र कार्यकर्ता के पिता के साथ मारपीट के मामले में जेल में बंद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को तिहाड़ जेल से तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया। दिल्ली की अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी है, और कोर्ट उनके अंतरिम जमानत के दौरान के आचरण का आकलन करेगा। अदालत ने उनके सोशल मीडिया पर मामले से जुड़े किसी भी प्रकार के पोस्ट या चर्चा करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया है। रिहाई के बाद उनका एक निजी इंटरव्यू तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनके लिए किसी भी राजनीतिक दल या नेता से बढ़कर केवल समाज सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि आज के समय में देश की मुख्य मांग आर्थिक आरक्षण को लागू करना और यूजीसी के नियमों को वापस लेना है। उन्होंने किसी भी पार्टी का पक्ष न लेकर कहा कि जो नेतृत्व आम जनता को मुसीबत में डाले, वह सही नहीं है, असली नेता वही है जो खुद लाठी खाए और गिरफ्तारी देने के लिए तैयार रहे।

स्मार्ट स्कूल से पहले बुनियादी सुविधाएं जरूरी: मायावती

यूपीआई शुल्क से आमजन की जेब पर बढ़ेगा बोझ

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 15 अक्टूबर से लागू होने वाली नई यूपीआई शुल्क व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के बाद अब इस पर शुल्क लगाने की व्यवस्था से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। मायावती ने उत्तर प्रदेश में 14,429 परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल बनाने के लिए मंजूर करीब 300 करोड़ रुपये की योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा से पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मायावती ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को पहले खूब बढ़ावा देने के बाद अब सरकार द्वारा उस लेनदेन पर शुल्क वसूलने की नई व्यवस्था लोगों की नजर में प्रथमदृष्टया मुनाफाखोरी के पूंजीवादी रवैये के तहत जनता से दोनों हाथों से टैक्स वसूली है, जिससे जनता में बेचैनी व आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की इस व्यवस्था को कर मानने को तैयार नहीं है, लेकिन 15 अक्टूबर से लागू होने वाली इस व्यवस्था को चाहे जो भी नाम दिया जाये, जेब तो अन्ततः आम जनता की ही कटेगी, उसका ही खर्च बढ़ेगा। मायावती ने आगे कहा कि देश की बहुसंख्यक जनता अपार गरीबी व जबरदस्त महंगाई आदि की मार से त्रस्त है और उनके बच्चे अशिक्षा, बेरोजगारी व अव्यवस्था आदि से पीड़ित हैं; ऐसे में सरकार की नीति व कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक कम व कल्याणकारी ज्यादा हो तो यह उचित होगा। जनता की तंगी, दुख-तकलीफ की अगर सरकार चिन्ता नहीं करेगी तो फिर कौन करेगा? इसके साथ ही, उन्होंने यूपी सरकार द्वारा करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश के लगभग 14,500 स्कूलों को स्मार्ट

स्कूल बनाने की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है, लेकिन बच्चों को कथित स्मार्ट पढ़ाई से पहले उन्हें बुनियादी शिक्षा आदि की जरूरतें अर्थात स्कूली बच्चों के सिर पर छत, उनके लिये बेंच, कुर्सी, किताब, शौचालय, मैदान, साफ-सफाई आदि की सही व्यवस्था पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यह सब प्रति स्कूल करीब दो लाख रुपये में क्या संभव हो पायेगा, इस पर भी सरकार को सहानुभूतिपूर्वक जरूर विचार करना चाहिए।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता केजीपी-12 ने चार शावकों को दिया जन्म

-प्रोजेक्ट चीता को मिली बड़ी सफलता

श्योपुर , एजेंसी। भारत के कूनो नेशनल पार्क में जन्मी मादा चीता केजीपी 12 ने चार नए शावकों को जन्म दिया है, जो प्रोजेक्ट चीता के लिए बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह घटना इस महत्वाकांक्षी पहल के चार साल पूरे होने के ठीक एक दिन बाद सामने आई है, और भारत में चीता संरक्षण के प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान करती है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रोजेक्ट चीता के लिए एक ऐतिहासिक और खुशी का पल बताया। उन्होंने कहा, चार साल, चार नई जिंदगियां; उम्मीद, हिम्मत और भारत में चीता संरक्षण की बढ़ती सफलता का एक सुंदर प्रतीक हैं। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों को बधाई भी दी।

इन नए शावकों के जन्म के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 52 हो गई है, जिसमें से अब 32 चीते देश में ही पैदा हुए हैं। चीता पुनर्वास कार्यक्रम की हालिया चार वर्षीय समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में 49 चीते कूनो नेशनल पार्क में और तीन गांधी सागर अभयारण्य में मौजूद हैं। यह संख्या नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और हाल ही में बोत्सवाना से लाए गए चीतों तथा उनके भारतीय-जन्मे शावकों को मिलाकर है। रिपोर्ट के अनुसार, 17 सितंबर, 2022 को लाए गए आठ नामीबियाई चीतों में से तीन और उनके 22 बच्चे जीवित हैं, जबकि 18 फरवरी, 2023 को लाए 12 दक्षिण अफ्रीकी चीतों में से आठ और उनके 10 बच्चे जीवित हैं। इसके अतिरिक्त, 28 फरवरी, 2026 को बोत्सवाना से नौ चीते लाए गए थे। कूनो नेशनल पार्क ने कार्यक्रम की प्रगति पर जोर देकर कहा, चार साल बाद, प्रजनन करने वाली मादाओं का स्थापित होना और दूसरी पीढ़ी के शावकों का जीवित रहना भारत के चीता पुनर्वास कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मजबूती का चरण है।

गठबंधन में दरार? ममता और डीएमके से अलग तीसरा मोर्चा बनाएंगे?

कांग्रेस को हटाने के मूड में ममता बनर्जी?

नई दिल्ली,, एजेंसी। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले भारत की राजनीति में बड़ी हलचल होने के आसार दिख रहे हैं। इसके संकेत हाल ही में हुई कुछ बैठकों से मिल रहे हैं, जहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सांसद कनिमोई ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की है। खबरें हैं कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बगैर कांग्रेस के एक क्षेत्रीय दलों का गठबंधन तैयार करने की योजना बनाई जा रही है, हालांकि इसे लेकर औपचारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। कनिमोई और ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में मुलाकात की। कालीघाट स्थित पूर्व मुख्यमंत्री के आवास पर हुई इस बैठक में किन मुद्दों पर बात की गई, इसे लेकर स्थिति साफ नहीं हो पाई है। इससे पहले, डीएमके नेता ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले से भी मुलाकात की थी। खबर आ रहा है कि वह जल्द ही आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल से भी मिल सकती हैं।

इन मुलाकातों को एक तीसरे मोर्चे की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। डीएमके के एक नेता ने कहा है कि, हम बगैर कांग्रेस के एक तीसरे मोर्चे की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इधर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद ने बातचीत में बताया कि, ममता बनर्जी के डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। वह गैर-एनडीए पार्टियों के साथ भी अच्छे रिश्ते बनाए रखती हैं और इंडिया ब्लॉक के उन सदस्यों के करीब हैं जो कांग्रेस समर्थक नहीं हैं। आज की बातचीत सिर्फ उनके और कनिमोई के बीच हुई। इसके अलावा कुछ भी कहना सिर्फ अटकलें लगाना होगा। यह सवाल उठ रहा है कि क्या डीएमके के साथ ही ममता बनर्जी भी कांग्रेस से नाराज हैं। तमिलनाडु की राजनीति में लंबे समय तक कांग्रेस और डीएमके एक साथ रहे और विधानसभा व लोकसभा चुनाव साथ लड़े, लेकिन 2026 चुनाव के बाद स्थिति बदल गई। कांग्रेस राज्य के सबसे बड़े दल तमिलागा वेत्री कड़गम से जा मिली और पुराने साथी डीएमके को छोड़ दिया। नतीजा यह हुआ कि डीएमके ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और इंडिया गठबंधन से भी दूरी बना ली। वहीं, ममता बनर्जी की नाराजगी की एक वजह सीट शेयरिंग हो सकती है। खबरें थीं कि पश्चिम बंगाल की दो सीटों पर

होने वाले आगामी उपचुनाव को लेकर ममता ने कांग्रेस से मदद मांगी थी, जिसे कांग्रेस ने ठुकरा दिया। हालांकि, टीएमसी नेता इससे इनकार कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस खुलकर इसे स्वीकार कर रही है। खबरें थीं कि पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से रेजीनगर सीट पर समर्थन मांगा था और नंदीग्राम सीट छोड़ने की पेशकश की थी।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये प्रति दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी बिहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटका दिया। फिर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्महत्या का मामला समझकर 17 सितंबर को शव का पोस्टमार्टम करवाया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक को गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

मुस्लिम युवक ने पवित्र सरोवर में किया था कुल्ला, वीडियो हुई थी वायरल

गाजियाबाद। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंकुर विहार थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला सुब्हान है। पुलिस के अनुसार आरोपी सुब्हान कॉलोनी में ही संचालित अपने भाई के मेडिकल स्टोर पर काम करता है। 15 जनवरी को वह अमृतसर घूमने गया था। इस दौरान उसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। वीडियो में युवक गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करता दिखाई दे रहा है। इसके बाद सिक्ख समुदाय के लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। साथ ही जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया है।

अब मोबाइल पर 66 साल पुराने नाटकों का मंचन...आकाश एप तैयार

नई दिल्ली। यदि आप नाटकों के शौकीन हैं और खासकर पुराने नाटक जिन्हें आप देख नहीं सकते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) नाटकों को रेडियो पर सुनाने की तैयारी कर रहा है। दुनिया में किसी भी जगह बैठकर हिंदी और क्षेत्रीय भाषा के दर्शक या श्रोता अपने मोबाइल पर बैठकर एनसीडी के 66 साल के नाटकों को सुन पाएंगे। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, 66 साल पुराने नाटकों का ऑडियो संकलन का काम जारी है। इसके लिए एनएसडी ने आकाश नाम से एप तैयार किया है। इसके माध्यम से रंगप्रेमी पुराने नाटकों की ध्वनी सुन सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए गूगल स्टोर पर जाकर आकाश एप को डाउनलोड करना पड़ेगा। इसी एप पर सभी नाटकों की ध्वनि को किया जाएगा। इसके बाद, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति नाटक को सुन सकेगा। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, भारत रंग महोत्सव के 25वें संस्करण का आयोजन 27 जनवरी से 20 फरवरी तक होगा। दिल्ली के अलावा देश के 40 शहरों में नाटक मंचित होंगे। इसमें हर महाद्वीप से एक देश को शामिल किया गया है। इस बार के भारत रंग महोत्सव में 136 भारतीय और 12 विदेशी नाटक, जिनमें 228 भाषाओं और बोलियों में 277 प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। इसमें महिला निर्देशकों द्वारा 33 प्रस्तुतियों के अलावा, 19 विश्वविद्यालय और 14 स्थानीय प्रस्तुतियां भी शामिल हैं। एनएसडी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर मेघालय में तुरा, असम के नगांव में नाटक मंचित होंगे। महोत्सव में मैथिली, भोजपुरी, तुलु, उर्दू, संस्कृत, ताई खामती और न्यिशी भाषाओं को शामिल किया गया है। इसमें करीब, सभी प्रमुख भारतीय और कई आदिवासी और लुप्तप्राय भाषाओं को भी शामिल किया है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए,

NAME CHANGE
I, MOHAMED AFZAL S/O MOHAMED ILTIJA R/O H.NO 65 GALI NO 3 PREM NAGAR 1 KHUBRAM PARK KIRARI SULEMAN NAGAR NORTH WEST DELHI 110086, CHANGED MY NAME TO AFJAL AHAMAD.

NAME CHANGE
I, Dheeraj Srivastava, S/O Prakash Narayan Srivastava, R/O 1444 Rani Bagh Pitampura Delhi 34, New Delhi have changed my name to Dhiraj Srivastava for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NAVEEN GANDHI R/o. H NO-1325, S P ROAD, SEC-16, FARIDABAD, HARYANA-121002 have changed the name of my minor daughter from HEMAKSHI GANDHI to HIMAKSHI GANDHI.

NAME CHANGE
I, NO-14834683H Rank-SEP/MT Name-JAYPRAKASH JAISWAL residing at VILL- BHUNDHA, PO-RATAHARA, TEHSIL-RAIPUR KARCHULIAN, HUZUR, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486003 have changed my wife's name from ANKITA JAISWAL to ANKITA JAYSAWAL for all future purposes vide Affidavit dated 18/09/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, PRIYANKA D/o JAI KISHAN R/o RZ-73, NALA PAR BASTI, EAST SAGARPUR, SOUTH WEST DELHI-110046, declare that my mother's name has been mentioned as NIRMAL in my Educational Documents, instead of her correct name as NIRMALA DEVI. That actual name of my mother is NIRMALA DEVI.

NAME CHANGE
I, Subhawati Devi Pal alias Parbhawati Devi Pal W/o Ramman Rampal R/o Jhuggi No.791, Sector-9, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name to Prabhawati Devi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of Mrs. Navita Devi to inform to the public at large that Mrs. Navita Devi is purchasing the Residential Plot, area measuring 33 Sq. Yds. i.e. 27.59 Sq. Meters., Part of Khasra No. 181 Min. Situated at Silver City Colony Village-Loni, Pargana & Tehsil-Loni. Distt-Ghaziabad U.P. from Mrs. Rekha Kumari who became owner vide Sale Deed Dated 29.08.2018 (Doc No.19238) executed by Mrs. Sunita Devi and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Rajinder Place. That, Original Sale Deed Dated 11.12.2013 executed by Mr. Udayveer in favour of Mrs. Sunita Devi, vide Doc No.46874, Book No.1, Vol No.26402, Page No.397-412 dated 11.12.2013, SR-IV Ghaziabad has lost/misplaced. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I, ANJALI D/O NARESH SHARMA R/O 3173 PUNJABI BASTI SUBZI MANDI MALKA GANJ DELHI-110007 have changed my name to ANJALI SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MAUSAMI JOGI wife of No.5458079F, Rank-NK Name-BIKRAM JOGI residing at- VILL-YOK BUSTY, PO-KALIMPONG-1, DISTT-KALIMPONG, WEST BENGAL-734301, have changed my name from MAUSAMI JOGI to MAUSAMI TAMANG for all future purposes vide Affidavit dated 18/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I ATUL KUMAR SHARMA S/O KRISHAN KUMAR SHARMA R/O H NO-511, GALI NO-13, GANDHI COLONY, MUZAFFARNAGAR UTTAR PRADESH-251001. have changed my name to ATUL SHARMA for all purposes.

NAME CHANGE
I, Madhu Mandiratta W/O Suresh Chander, 2446, Hudson Line, Kingsway Camp, North West Delhi Pin:110009, Have Changed My Name To Madhu Mendiratta For All The Future Purposes.

Lost and Found
I, KADIR KHAN S/o VIKRAM ALI R/o Permanent resident of Thora, PO Thora, Distt. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh also at 1438 g1 block, phase 6, AYA NAGAR, SOUTH DELHI, 110047 have lost my educational documents 10th Class Roll No 0425843 Certificates and Marksheets AADHAR CARD No 371226352583. If anybody finds contact above address

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the general public that Mr. Anoop Goel has applied for a purchase loan from our client, ICICI Bank Ltd., having its branch at Faridabad, Haryana, for the purchase and mortgage of the property as Residential Flat/Unit bearing No. 702, admeasuring a super area of approximately 152.08 sq. mtrs. (1,637.00 sq. ft.), situated on the Seventh Floor of Aravli Tower, Block-14, in the residential scheme/complex known as "OMAXE HILLS," situated at Village Sarai Khawaja, Sector-41 & 43, Tehsil and District Faridabad, Haryana. It is stated that Mr. Harbans Lal was a joint owner of the aforesaid property and bequeathed his share therein to Mr. Shanti Lal by way of a registered Will dated 16.05.2019. Mr. Harbans Lal subsequently passed away. The aforesaid Will dated 16.05.2019 is stated to be his last and unchallenged Will. Mr. Shanti Lal now intends to sell the aforesaid property to Mr. Anoop Goel. Any person having any right, title, interest, claim, objection, or demand of whatsoever nature in respect of the aforesaid property or the proposed sale thereof is hereby requested to intimate the same, along with documentary proof, to the undersigned within 7 (seven) days from the date of publication of this notice. In the event no objections are received within the aforesaid period, the proposed transaction shall proceed, and no objections received thereafter may be considered by the undersigned or our client.
DR. RAJESH K GUPTA
Advocate F-42/43,
Dilshad Colony,
Delhi- 110095
9911703900
rgadv21@gmail.com

NAME CHANGE
I, DINESH KUMAR NAMDEV S/O Late DEVI PRASAD NAMDEV R/o STAFF QUARTERS, B-10, INSTITUTE OF HOTEL MANAGEMENT CATERING AND NUTRITION, LIBRARY AVENUE, PUSA CAMPUS, I.A.R.I, PUSA, NEW DELHI - 110012, have changed the name of my minor daughter namely PAKHI NAMDEV, aged 13 years and she shall hereafter be known as PAAKHI NAMDEV. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I YASHOVARDHN S/0 SANJAY SRIVASTAVA R/0 FF-13 MANGAL BAZAR LAXMI NAGAR DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO YASHOVARDHN SRIVASTAVA

NAME CHANGE
I MANJU AHUJA W/0 VIRENDER BHUTANI R/0 B-86 SURAJ MAL VIHAR DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO MANJU BHUTANI

PUBLIC NOTICE
My client Smt. Rekha Rani W/o Sh. Vinod Kumar Sagar, R/o 12-B, Taimoor Nagar, New Friends Colony, South Delhi, New Delhi-110025, has disowned his son namely "Himanshu Sagar" from all her Properties (Moveable & Immoveable) from today onwards and severed relation from him. Anybody deals with him, then it will be at his/her own risks, costs and consequences and my client will not be liable for that.
SUNIL KUMAR Advocate
CHAMBER NO.263
LAWYERS CHAMBER COMPLEX,
SAKET COURTS,
NEW DELHI-110017

सार्वजनिक सूचना
श्री चंदन कुमार और श्रीमती प्रीति कनौजिया, श्रीमती मीनू देवी से पहली मंज़िल की रुास यूनिट (बिना छत के अधिकारों के) खरीदना चाहते हैं। यह बनी-बनाई प्रॉपर्टी नंबर 12 और 14 है, जिसका ज़मीन का एरिया 120 वर्ग गज है। यह प्रॉपर्टी खसरा नंबर 172 मिन, 173 और 180 मिन के अंतर्गत आती है और गाँव ताजपुल (अब मोलाड़बंद एक्सटेंशन, बदरपुर, नई दिल्ली-110044 के नाम से जानी जाने वाली आबादी) के रेवेन्यू एस्टेट में स्थित है। श्रीमती मीनू देवी इस प्रॉपर्टी की मालिक थीं; उन्हें यह प्रॉपर्टी श्री मनोज कुमार द्वारा 03.08.2026 को किए गए गिफ्ट डीड (दस्तावेज़ नंबर 2026/10/I/6803, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 20537, पेज नंबर 21 से 36, दिनांक 11.08.2026, SRO-दक्षिण पूर्व महरौली) के ज़रिए मिली थी। बताया गया है कि यह प्रॉपर्टी सभी तरह के बोझ, लियन, चार्ज, मॉर्गेज, दावों और किसी तीसरे पक्ष के अधिकारों से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि इस प्रॉपर्टी के लिए बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सुभाष नगर से फाइनेंस (लोन) लेने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल
kumarw@wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, SHONAK S/o Raj Kishore Arya R/o 68/3, Sayyed Wara, Old Faridabad, Faridabad, Haryana-121002, have Changed my minor son's name from KIYANSH ARODA to KIYANSH ARORA permanently.

NAME CHANGE
I, MINI.C.R W/o Syam Nath J R/o Flat No. 9D, Pocket- A, DDA SFS Flat, Mayur Vihar Phase-3, Delhi-110096, have changed my name from MINI.C.R to MINI SYAM permanently.

NAME CHANGE
I, JANAR DHANAN PILLAI SYAMNATH S/o Janardhanan Pillai R/o Flat No. 9D, Pocket- A, DDA SFS Flat, Mayur Vihar Phase-3, Delhi-110096, have changed my name from JANAR DHANAN PILLAI SYAMNATH to SYAM NATH J permanently.

सार्वजनिक सूचना
मैं, सुनील दत्त पुत्र स्वर्गीय महेंद्र सिंह, निवासी मकान संख्या A-32/B-190, बुध विहार, ताजपुर पहाड़ी, डाकघर एवं थाना बदरपुर, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110044, एतद् द्वारा आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरी माता स्वर्गीय रामवती उर्फ रामबती ने दिनांक 16.02.2021 को मेरे पक्ष में एक वसीयतनामा (Will) निष्पादित किया था, जो संपत्ति संख्या A-32/B-190 (पुराना संख्या A-32 एवं A-32/7), क्षेत्रफल 40 वर्ग गज, स्थित ताजपुर पहाड़ी, डाकघर एवं थाना बदरपुर, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110044 के संबंध में है। मेरी माता रामवती @ रामबती का निधन दिनांक 07 अक्टूबर 2024 को हो गया। उक्त वसीयतनामे के आधार पर मैं उपरोक्त संपत्ति का एकमात्र स्वामी एवं अधिकारधारी हूँ। अब मैं उक्त वसीयतनामे के अंतर्गत मुझे प्राप्त अधिकार, स्वामित्व एवं हितों का दावा कर रहा हूँ। यदि किसी व्यक्ति को उक्त वसीयतनामे अथवा उसके अंतर्गत वर्णित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति, दावा, अधिकार, स्वामित्व अथवा हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर आवश्यक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी को सूचित करे। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति या दावा नहीं है तथा आगे की कार्यवाही नियमानुसार की जाएगी।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री जुगराज शर्मा के पुत्र जगदीश शर्मा, खसरा नंबर 2265, संतोष नगर, सती नगर के पास, मौज़ा नारायच, तहसील एत्मादपुर, जिला आगरा (उत्तर प्रदेश) 282006 स्थित मकान / संपत्ति के मालिक हैं। यह मालिकाना हक उन्हें 21.03.1990 की सेल डीड (बिक्री विलेख) से मिला है, जिसे रूह्य सर्वहित हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, आगरा ने अपने सचिव श्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा (पुत्र श्री भूदेव प्रसाद) के माध्यम से श्री जुगराज सिंह (पुत्र श्री शालिग्राम) के पक्ष में निष्पादित किया था (दस्तावेज़ संख्या 499 के रूप में विधिवत पंजीकृत)। इसके बाद, श्री जुगराज सिंह का 12.08.1992 को निधन हो गया। चूंकि श्री जुगराज सिंह का स्स्ष्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है और खसरा नंबर 2265 का खतौनी रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं है, इसलिए श्रीमती बाल कुमारी (स्वर्गीय श्री जुगराज शर्मा की पत्नी) और श्री जितेंद्र शर्मा, श्री मनोज कुमार व श्री गिरधारी लाल शर्मा (सभी स्वर्गीय श्री जुगराज शर्मा के पुत्र) ने मिलकर स्वर्गीय श्री जुगराज शर्मा के पुत्र जगदीश शर्मा के पक्ष में 28.03.2024 को एक गिफ्ट डीड (दान विलेख) निष्पादित की (दस्तावेज़ संख्या 4956 के रूप में विधिवत पंजीकृत)। इस प्रकार वे खसरा नंबर 2265, संतोष नगर, सती नगर के पास, मोज़ा नारायच, तहसील एत्मादपुर, जिला आगरा (उत्तर प्रदेश) 282006 स्थित मकान / संपत्ति के मालिक बन गए हैं, और इस संपत्ति के लिए छ्स्छ्ढ हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (वित्तपोषण) किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/हित/स्वामित्व है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.
Rahul Raj Pathak Advocate,
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.,
E-MAIL: legal.rahulraj@gmail.com,
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I, Parvesh Gautam S/o Daleep Singh R/o 105A, First Floor, Street No. 12, Near Prachin Shiv Mandir, Pratap Nagar, Mayur Vihar Ph-1, PO: Mayur Vihar Ph-1, Dist: East Delhi, Delhi - 110091 have changed the name of my minor daughter Kirika P D aged 4 years and she shall hereafter be known as Kirika Singh

NAME CHANGE
I, YASHWANT SINGH S/o MISHRI SINGH, R/o Flat No-1206,Tower y-4, G.Y.H- Apartment, SECTOR-7, Siddharth Vihar, Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012, have changed the name of my minor Daughter YASHSVI SINGH, aged about 16 years and she shall hereafter be known as YASHASVI SINGH.

NAME CHANGE
I, JEESON G S/o GIPSON R/o 54, CHURCH ROAD, JWALA NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032 have changed my name to JEESON GIPSON.

NAME CHANGE
I, TEJPAL S/O RAM CHARAN R/O 678 COULI CAMP VASANT VIHAR DELHI-110057 have changed my name to TEJPAL SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUSHMA MISHRA is Mother of No-15800886W Rank-LNK (OCC) Name-ANIT KUMAR MISHRA resident of VILL PURVATEER, POST CHANDPUR, TEH -TEONTHAR, DIST - REWA (M.P), PIN - 486220 have changed my Name from SUSHMA MISHRA to SUSHAMA DEVI vide affidavit No IN-UP69723891924855Y dated 08 Sep 2026 from Tehsildar Sadar, Lucknow, Uttar Pradesh, India.

NAME CHANGE
I, Sameera Iqbal W/O Ahmed Shafi Ansari R/O Noor Jahan Manzil, P-19/6 Batla House, Jamia Nagar Okhla-110025 Have Changed My Name to Sameera Begum for All Future Purpose

NAME CHANGE
I, Mohd Abdul Wahid S/Oabdul Masgid R/O H No-324, Gali No 9, Near Masjid, Ekta Vihar , Meethapur, Badarpur, 110044, Have Changed My Name to Abdul Vahid Khan for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, RAJENDER ARORA S/o TILAK RAJ R/o RZ-A1/86A THIRD FLOOR VIJAY ENCLAVE PALAM VILLAGE SOUTH WEST DELHI-110045 have changed my name to RAJENDER KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Jamal S/O Abdul Vahid Khan R/O H No-324, Gali No 9, Near Masjid, Ekta Vihar , Meethapur, Badarpur, 110044 Have Changed My Name to Mohd Jamal for All Future Purposes.

PUBLIC NOTICE
My client Mrs. Beena Pramanik W/o Sh. Madhav Pramanik R/o H. NO. 1031, Fourth Floor Gali No.9, Govindpuri, Kalkaji, New Delhi-110019, has severed all relations and disowned her son Utpal Pramanik from all her movable/immovable properties, due to misbehaviour. My client shall not be responsible for their any acts/deeds in future. If any one deals with them own their risk.
AKASH & ASSOCIATES
ADVOCATES
CH. 770, LAWYERS BLOCK,
SAKET COURTS,
NEW DELHI-110017.
M. NO. 9811944109

NAME CHANGE
I RAJESH S/O RAM SWAROOP R/O ,D-13/43 SECTOR -8, ROHINI DELHI -110085 have changed my name to RAJESH CHHAPARIA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, ABDUL WAHHAB KHAN S/o ABDUR RAZZAQ R/o House No.777, Nangli Road, Ward No.1, Nuh, Mewat, Haryana-122107 have changed my name to ABDUL WAHAB KHAN.

NAME CHANGE
I SUNIL S/O RATAN SINGH R/O 441 MANGAR DHOJ (17) FARIDABAD HARYANA 121004 HAVE CHANGE MY NAME TO SUNIL HARSANA

NAME CHANGE
I RATTAN SINGH S/O PARMI R/O H NO-17 VILLAGE MANGAR (15) FARIDABAD HARYANA 121004 HAVE CHANGE MY NAME TO RATAN SINGH

NAME CHANGE
I BABALU MAHATO S/O BRAHAM DEV MAHATO R/O E-2/16 GALI NO-3 RADHA SWAMI SATSANG 5 PUSTA SONIA VIHAR DELHI 110094 HAVE CHANGE MY NAME TO BABALOO MEHTO

NAME CHANGE
I, RAZIA PARWIN W/O ZAHID HUSSAIN resident of B-9/2 SECOND FLOOR, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to RAZIA BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE
I SANDEEP SINGH RATHOR S/O NAWAB SINGH RATHORE R/O H NO-1249/9, CIRCULAR ROAD INDRA PRASTH COLONY, SOUTH CIVIL LINE, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001. have changed my name to SANDEEP SINGH RATHORE for all purposes.

NAME CHANGE
I, ROHIT S/O RAMESH KUMAR 11/342 GALI NO 1 DAYANAND NAGAR BAHADURGARH JHAJJAR HARYANA 124507, CHANGED MY NAME TO ROHIT BHATIA.

NAME CHANGE
I, AYESHA PARWEEN W/O MD TASNIMUL HAQUE R/O H.NO 69 GALI NO 6 NEAR HUSAINI MASJID BABU NAGAR MUSTAFABAD EAST DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO AYESHA PARWEEN HAQUE

NAME CHANGE
I, Abdul Faizan R/o Plot No.5A/28, Second Floor, Bismillah Manzil, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi-110002 have changed the name of my minor son from Mohd Hasan to Hasan Faizan.

NAME CHANGE
I, Arushi Batra W/O Shivam Batra R/O fn-1002 T 2,experion Windchants, New Palam Vihar pH 2,SEC 112,bajghera,122017 Have Changed My Name to Arushi Rana for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, SAYAMA W/O MOHD FIROZ ANSARI at HOUSE NO A-14/108-B, DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SAIMA REHMANI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SEEBA W/O MOHD JAVED at HOUSE NO 313/55 4TH FLOOR INDER LOK ANAND NAGAR DELHI 110035 have changed my name to SHEEBA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my client Mr. Pyare Maiyan S/o Manzoor Ahmed R/o S-221/179, Vishnu Garden, New Delhi have severed his relations and debarred his son Mohd. Akmal from all his movable/immovable property because he is not under control of my client. My client's other family members and relatives also severed their relations with them. If anybody deals with them which is at his/her own risk & responsibility.
(SUMIT GABA)
ADVOCATE
Ch. No. T-7,
Tis Hazari Court, Delhi

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राज कुमार पुत्र श्री रतन, निवासी 178-A-1, वार्ड नं. 2, महरौली, नई दिल्ली-110030 ने अपने पुत्र श्री करण बैद तथा पुत्रवधू श्रीमती सोनिया को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों, परिसंपत्तियों एवं जायदाद से बेदखल एवं उत्तराधिकार से वंचित (Disinherit) कर दिया है। मेरे मुवक्किल ने उक्त दोनों व्यक्तियों से अपने सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं तथा उनके किसी भी कृत्य, कार्य, लेन-देन, दायित्व, आश्वासन अथवा प्रतिनिधित्व के लिए मेरे मुवक्किल किसी भी प्रकार से जिम्मेदार अथवा उत्तरदायी नहीं होंगे। मेरे मुवक्किल का उक्त दोनों व्यक्तियों के कार्यों एवं आचरण पर कोई नियंत्रण नहीं है। अत: कोई भी व्यक्ति यदि उक्त श्री करण बैद अथवा श्रीमती सोनिया के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन, व्यवहार अथवा संपत्ति संबंधी सौदा करता है, तो वह अपने स्वयं के जोखिम, जिम्मेदारी, खर्च एवं परिणामों पर करेगा तथा मेरे मुवक्किल इसके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे। यह सार्वजनिक सूचना सर्वसाधारण के ज्ञान एवं सूचना हेतु जारी की जाती है।
अरबिंदा नायक अधिवक्ता
Ch. No. 245-A,
Lawyer's Chamber Block.
District Court Complex, Saket,
New Delhi-17

उत्तर रेलवे

(ई-नीलामी सूचना)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/सामान्य, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों/स्थानों पर वाटर वेंडिंग मशीनों (WVMs) और मल्टी पर्पज स्टालों (MPSs) के अनुबंधों के आवंटन के लिए आईआरईपीएस (**https://ireps.gov.in/**) के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित करता है:

नीलामी कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी के लिए दिनांक और समय	क्लस्टर संख्या	रेलवे स्टेशन पर WVMs की संख्या
CTG-WVM-09-2026	05.10.2026 को 11:00 बजे	I	कुल 06 WVMs (गढ़ी हरसरू रेलवे स्टेशन पर 01 WVM, पातली रेलवे स्टेशन पर 01 WVM, पटौदी रोड रेलवे स्टेशन पर 01 WVM, पालम रेलवे स्टेशन पर 01 WVM तथा दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs)
		J	कुल 06 WVMs (मोदीनगर रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs, विवेक विहार रेलवे स्टेशन पर 01 WVM तथा दिल्ली शहादरा रेलवे स्टेशन पर 03 WVMs)
		H	कुल 07 WVMs (जींद रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs, नरवाना रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs, टोहाना स्टेशन पर 02 WVMs तथा मानसा रेलवे स्टेशन पर 01 WVMs)
		A	कुल 06 WVMs (बरौत रेलवे स्टेशन पर 01 WVMs, बागपत रेलवे स्टेशन पर 01 WVMs, नोली स्टेशन पर 01 WVMs, शामली रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs तथा रामपुर मनिहारान स्टेशन पर 01 WVM)
		D	कुल 07 WVMs (पानीपत रेलवे स्टेशन पर 03 WVMs, समालखा रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs तथा भोड़वाल माजरी रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs)
		F	कुल 06 WVMs (कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर 03 WVMs, करनाल रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs तथा शाहबाद मारकंडा रेलवे स्टेशन पर 01 WVMs)
		E	कुल 06 WVMs (बादली रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs, गन्नौर रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs तथा सोनीपत रेलवे स्टेशन पर 02 WVMs)

नीलामी कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी के लिए दिनांक और समय	रेलवे स्टेशन	लॉट संख्या
MPS-SEP-01-26	05.10.2026 को 11:00 बजे	DEE	MPS-DLI-DEE-MPS-163-25-2 MPS-DLI-DEE-MPS-131-25-2
		NZM	MPS-DLI-NZM-MPS-115-25-2 MPS-DLI-NZM-MPS-119-25-1 MPS-DLI-NZM-MPS-158-25-2
		KUN	MPS-DLI-KUN-MPS-135-25-2
		MDNR	MPS-DLI-MDNR-MPS-147-25-2
		MTC	MPS-DLI-MTC-MPS-140-25-1 MPS-DLI-MTC-MPS-141-25-1

वेबसाइट विवरण जहां ई-नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है | **https://ireps.gov.in/ (E-Auction-Leasing)**

आईआरईपीएस के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आयोजित ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए:

- ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण – ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता।
- एक मुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान; भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता; IREPS खाते के साथ SBI बैंक खाते का एकीकरण; निधियों का ग्रहणाधिकार अंकन; टर्नओवर विवरण का अद्यतनीकरण।
- ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए अब वर्चुअल अकाउंट नंबर (VAN) नाम से एक नया तंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।
- बोलीदाता, किसी भी समय लियन मार्किंग मैकेनिज्म (यदि सक्रिय है) और VAN तंत्र के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र हैं। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले के पास भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई-नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।
- जिन ठेकेदारों के पास IREPS के किसी भी मॉड्यूल के लिए IREPS खाता नहीं है, वे IREPS होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई-निविदा / ई-नीलामी पट्टे) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑनलाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं।

किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क करने के लिए रेलवे प्राधिकरण | मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य शाखा, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055, ई-मेल: catering.delhidivision@gmail.com, टेलीफोन: 011-23743084.

No. 23 AC/Ctg./e-Auction/WVM & MPS/2026 Date: 18.09.2026 3240/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मंडकौला राजकीय पॉलिटेक्निक में 21 सितंबर को होगा आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन : उपायुक्त

एजेंसी

पलवल। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि हरियाणा राज्य आपदा मोचन बल (एचएसआरडीएफ) द्वारा जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन को लेकर सोमवार 21 सितंबर को प्रातः 11 बजे राजकीय पॉलिटेक्निक, मंडकौला में जिला स्तरीय मॉक ड्रिल एवं प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के दौरान आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का प्रदर्शन किया जाएगा। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि हरियाणा राज्य आपदा मोचन बल द्वारा इस दौरान विभिन्न आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली बचाव तकनीकों तथा त्वरित प्रतिक्रिया की जानकारी दी जाएगी। आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा के समय प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के लिए संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को जागरूक करना है।

हरियाणा में निजी कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण एवं विनियमन के लिए नए नियम लागू

करनाल। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी रेखा त्यागी ने बताया कि हरियाणा सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा हरियाणा निजी कोचिंग संस्थान (पंजीकरण एवं विनियमन) नियम, 2026 अधिसूचित किए गए हैं। ये नियम हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम, 2024 के तहत बनाए गए हैं तथा राजपत्र में प्रकाशन की तिथि 24 अगस्त, 2026 से प्रभावी हैं। उन्होंने बताया कि नियमों के अनुसार राज्य में संचालित प्रत्येक निजी कोचिंग संस्थान तथा नया कोचिंग संस्थान स्थापित करने के इच्छुक संस्थान को संबंधित जिला प्राधिकरण के निर्धारित पोर्टल पर 10,000 रुपये पंजीकरण शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पूर्ण आवेदन पाए जाने पर पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा, जिसकी वैधता तीन वर्ष होगी। पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए 5,000 रुपए शुल्क निर्धारित है तथा नवीनीकरण प्रमाण-पत्र की वैधता एक वर्ष होगी। नियमों के अंतर्गत कोचिंग संस्थानों को पाठ्यक्रम, अवधि, फीस, फीस वापसी नीति, बैच में विद्यार्थियों की अधिकतम संख्या, शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता एवं बायोडाटा तथा काउंसलर एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों का विवरण उपलब्ध कराना होगा।

समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता से करें समाधान : उपायुक्त महेंद्र पाल

हिसार। जिला सभागार में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त महेंद्र पाल ने आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाधान शिविर में नागरिकों द्वारा रखी जाने वाली शिकायतों और समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। समाधान शिविर में ऋषि नगर निवासी रविदत द्वारा पुरानी रजिस्ट्रियों के लंबित इंतकाल दर्ज करवाने की मांग पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने तहसीलदार को मामले की जांच कर आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गांव किरमारा निवासी चावली द्वारा रजिस्ट्री कैंसिल करवाने की मांग पर उपायुक्त ने डीआरओ को मामले की जांच कर त्वरित कार्यवाही करने की हिदायत दी। एक प्रार्थी द्वारा उसकी समस्या का संबंधित विभाग द्वारा समाधान न करने तथा बार-बार आश्वासन देने की शिकायत पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने संबंधित विभाग को प्रार्थी के समक्ष आ रही समस्या का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

आत्मनिर्भरता ही सफलता का सशक्त मार्ग है : एकता भ्यान

नलवा। राजकीय महाविद्यालय नलवा में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रेरणादायक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य-संवर्धन गतिविधियों का गरिमामय आयोजन किया गया।कार्यक्रम के प्रथम चरण में जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कमलेश दुहन ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध पैरालंपियन डॉ. एकता भ्यान का उपस्थित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों से औपचारिक परिचय करवाया। इसके उपरांत, सेवा संकल्प अभियान के सुचारु एवं मंगल संपादन हेतु प्राचार्या डॉ. कमलेश दुहन एवं मुख्य अतिथि डॉ. एकता भ्यान ने संयुक्त रूप से आशीर्वाद का दिया प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों ने भी दीयों को प्रज्वलित कर अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके पश्चात मुख्य वक्ता डॉ. एकता भ्यान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर परिश्रम और आत्मबल के सहारे जीवन की कठिन से कठिन चुनौती को परास्त किया जा सकता है।

संत बाबा ईशर सिंह जी ने नाम-सिमरन, गुरबाणी और सेवा के माध्यम से मानवता को दिखाई सही राह : नायब सिंह सैनी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी को 21 लाख रुपये देने की घोषणा की।

एजेंसी

पिहोवा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत-महापुरुषों का जीवन समाज को सही दिशा देने वाला होता है। संत बाबा ईशर सिंह जी ने अपना पूरा जीवन नाम-सिमरन, गुरबाणी, कीर्तन, सेवा और मानव कल्याण के लिए समर्पित किया। उनकी साधना और सेवा की परंपरा आज भी लाखों श्रद्धालुओं को प्रेरणा दे रही है। मुख्यमंत्री आज कुरुक्षेत्र के पिहोवा में जुरासी स्थित संत बाबा ईशर सिंह दरबार में संत बाबा ईशर सिंह जी राड़ा साहिब वालों के 51वें बरसी समागम में पहुंचे और उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी को 21 लाख रुपये देने की घोषणा

की। उन्होंने कहा कि किसी महापुरुष की बरसी केवल उनके जीवन को स्मरण करने का अवसर नहीं होती, बल्कि उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का भी अवसर होती है। संत भले ही शरीर रूप में हमारे बीच न हों, लेकिन उनकी वाणी, विचार और सेवा की परंपरा समाज को हमेशा मार्गदर्शन देती रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन विशेष महत्व रखता है। आज देशभर में भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई जा रही है। भगवान विश्वकर्मा सृजन, निर्माण, कौशल और श्रम के प्रतीक हैं। इसके साथ ही, आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस भी है। इस अवसर पर देश और प्रदेश में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

संत बाबा ईशर सिंह जी के जीवन का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उनका जन्म 5 अगस्त 1905 को पंजाब के पटियाला जिले के गांव आलोवाल में माता रतन कौर जी और सरदार राम सिंह नंबरदार जी के घर हुआ था। बचपन में उनका नाम गुलाब सिंह था। युवावस्था में उन्हें संत अत्तर सिंह जी रेरू साहिब वालों का सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनकी प्रेरणा से उन्होंने अमृत छका और गुलाब सिंह से ईशर सिंह बने। इसके बाद उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सिमरन, सेवा और गुरमत के प्रचार-प्रसार में समर्पित कर दिया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत बाबा ईशर सिंह जी की शिक्षाओं में सेवा और मानव कल्याण का विशेष महत्व रहा है। सेवा और समाज के प्रति समर्पण की भावना को आगे बढ़ाना ही ऐसे महान संतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संत बाबा मनी सिंह जी की अगुवाई में 51वां बरसी समागम पूर्ण श्रद्धा और धार्मिक भावना के साथ आयोजित किया गया है। समागम के दौरान श्री अखंड पाठ साहिब एवं सहज पाठ साहिब के भोग, धार्मिक दीवान, संत समागम, कवि दरबार, अरदास और अमृत संचार जैसे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। ये आयोजन संगत को गुरु-घर से जोड़ने और संतों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

हरियाणा में डिजिटल कनेक्टिविटी को मिली रफ्तार

भारतनेट से जुड़ीं 5,154 ग्राम पंचायतें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी और दूरसंचार ढांचे के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रदेश की 6,222 ग्राम पंचायतों में से 5,154 यानी 82.84 प्रतिशत ग्राम पंचायतें भारतनेट के दायरे में आ चुकी हैं तथा 45,130 फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) कनेक्शन कार्यरत हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज यहां राज्य ब्रॉडबैंड समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए भारतनेट, राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) नियम, 2024, 5जी नेटवर्क के विस्तार तथा दूरसंचार परियोजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न पहलों की समीक्षा की।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्यों को पूंजी निवेश हेतु विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के भाग-छह के तहत राज्य के लिए 150

करोड़ रुपये का प्रोत्साहन निर्धारित किया गया है। यह प्रोत्साहन दूरसंचार क्षेत्र में छह सुधार लक्ष्यों की प्राप्ति से जुड़ा है। राज्य ने इनमें से एक महत्वपूर्ण लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिया है। 31 मार्च, 2026 तक लंबित सभी आरओडब्ल्यू आवेदनों का निपटारा कर दिया गया है, जिससे अधिकतम 22.5 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन का प्रावधान है। 150 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज में आरओडब्ल्यू नियमों के क्रियान्वयन संबंधी आदेशों के लिए 45 करोड़ रुपये, राज्य आरओडब्ल्यू पोर्टल के लिए 22.5 करोड़ रुपये, पुराने लंबित आवेदनों के निपटारे के लिए अधिकतम 22.5 करोड़ रुपये, औसत निपटारा अवधि को 45 दिन या उससे कम करने के लिए 7.5 करोड़ रुपये, भारतनेट अनुपालन के लिए 37.5 करोड़ रुपये तथा बिजली क्षेत्र से संबंधित आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए 15 करोड़ रुपये निर्धारित हैं। रस्तोगी ने संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करते हुए शेष सुधार लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने दूरसंचार परियोजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने तथा उपलब्ध प्रोत्साहन का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए निरंतर निगरानी पर जोर दिया। बैठक में संशोधित भारतनेट कार्यक्रम की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश की 6,222 ग्राम पंचायतों में से 5,154 को भारतनेट के तहत कवर किया जा चुका है, जबकि 1,068 ग्राम पंचायतें शेष हैं। इसी प्रकार, निर्धारित 62,220 एफटीटीएच कनेक्शनों में से 45,130 यानी 72.53 प्रतिशत कनेक्शन कार्यरत हैं।

पीएनबी आरसेटी में 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम किया आयोजित

एजेंसी

कैथल। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के मार्गदर्शन में संचालित पीएनबी आरसेटी में 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एलडीएम सुमन कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। आरसेटी के निदेशक जगदीश कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। एलडीएम सुमन कुमार ने प्रधानमंत्री के राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का उल्लेख करते हुए उपस्थित लोगों से 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्वलित कर अपनी शुभकामनाएं एवं सम्मान व्यक्त करने का आह्वान किया। आरसेटी के निदेशक जगदीश कुमार ने बताया कि पीएनबी आरसेटी कैथल ग्रामीण युवाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण, बैंकिंग मार्गदर्शन तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न व्यवसायों से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, ताकि वे प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें।

इस अवसर पर जूनियर ब्यूटी पार्लर का नया प्रशिक्षण बैच भी प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को कौशल विकास के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद बैंक ऋण तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को RSETI की निःशुल्क प्रशिक्षण सुविधा, प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण-पत्र, बैंक ऋण की प्रक्रिया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 168 लाभार्थियों को मिले 812 सहायक उपकरण

मुख्य अतिथि अमित कुमार ने समाजसेवा के साथ नशामुक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाने का किया आह्वान

एजेंसी

नूंह। सेवा संकल्प अभियान के तहत जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को राहत एवं सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 168 लाभार्थियों को कुल 812 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इन उपकरणों की कुल लागत करीब 16 लाख रुपये है। मुख्य अतिथि एसडीएम अमित कुमार ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत समाजहित में किए जा रहे कार्य 'नर सेवा नारायण

सेवा' की भावना को साकार कर रहे हैं। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से नशा मुक्ति अभियान से जुड़ने तथा इसे सफल बनाने में अपना सहयोग देने की अपील की। विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण किए गए वितरित जिला रेडक्रॉस सोसायटी नूंह के सचिव महेश गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए बताया कि शिविर में लाभार्थियों को व्हीलचेयर, तिपहिया साइकिल, बैसाखी, कान की मशीन, कमर एवं घुटनों की बेल्ट सहित विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए गए।

खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने 'सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट को किया रवाना

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के तहत पलवल जिला में स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनसेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सेवा ऑन व्हील्स' कार्यक्रम के अंतर्गत तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि अभियान का उद्देश्य

समाज के प्रत्येक वर्ग तक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता समय की आवश्यकता है। नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, व्यायाम और स्वच्छ जीवनशैली अपनाकर अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए भी आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' जनसेवा की भावना को मजबूत करने के साथ नागरिकों को स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से जिले के अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। मोबाइल मेडिकल यूनिट जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को स्वास्थ्य जांच, प्राथमिक चिकित्सा तथा चिकित्सकीय परामर्श जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगी। इससे विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों के लोगों को लाभ मिलेगा, जहां स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अपेक्षाकृत सीमित है।

केंद्र व प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वावलंबी बनाना है: शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा

राजकीय आईटीआई में आयोजित रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा

एजेंसी

भिवानी। प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा है कि केंद्र व प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक युवा को सक्षम, स्वावलंबी व रोजगार युक्त बनाना है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का मेगा जॉब फेयर मेला इस दिशा में ठोस कदम है, जो हुनरमंद युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए स्वर्णिम अवसर लेकर आया है। शिक्षा मंत्री श्री ढांडा सेवा संकल्प अभियान के तहत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान व रोजगार विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेले में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले शिक्षा मंत्री ने आईटीआई प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण संदेश दिया। शिक्षा मंत्री ने मेले में विभिन्न 23 से अधिक कंपनियों द्वारा जॉब के लिए चुने गए 600 से अधिक युवाओं को जॉब ऑफर लेटर सौंपे। शिक्षा मंत्री ने मंच के माध्यम से 11 छात्राओं को

आशीर्वाद का दीया सौंपते हुए कार्यक्रम का आगाज किया। इस अवसर पर भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ, शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन शंकर लाल धूपड़, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक व सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी मुकेश गौड़ उपस्थित रहे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मेगा जॉब फेयर के माध्यम से विभिन्न प्रतिष्ठित व नामी कंपनियां युवाओं को एक ही छत के नीचे रोजगार के अवसर प्रदान कर रही हैं, जो कि बहुत बड़ी बात है। पारदर्शी तरीके से काउंसलिंग के माध्यम से हाथों-हाथ ज्वाइनिंग लेटर भी दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तकनीकी युग में औद्योगिक जगत को हुनर की आवश्यकता है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज का युग डिग्री का युग नहीं है बल्कि कौशल का युग है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की सरकार इस दिशा में काम कर रही है कि युवा नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला भी बने और बड़ी कंपनियों का नेतृत्व सफलतापूर्वक कर सके। उन्होंने कहा कि हुनरमंद युवाओं की क्षमता पर विश्वास है कि प्रदेश का युवा अपनी निष्ठा लगन से अपना हुनर दिखाएगा और जिन कंपनियों में हमारा हरियाणा का युवा जाएगा, उन कंपनियों को और ऊंचा ले जाने का काम करेगा।शिक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वास्थ्य की कामना की और कहा कि प्रधानमंत्री ने देश का नेतृत्व करते हुए भारत को वो सम्मान दिलाने का काम किया है, जिसके लिए भारत वर्षों से हकदार रहा है।

आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने का माध्यम : कार्तिकेय शर्मा

प्रधानमंत्री के सेवा, समर्पण और सुशासन के मॉडल से प्रेरणा लेकर कार्य करें : कार्तिकेय शर्मा

एजेंसी

नूंह । राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि 17 अक्टूबर तक चलने वाला सेवा अभियान समाज सेवा, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसेवा, सुशासन और विकास के क्षेत्र में जो कार्य किए हैं, वे देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। हम सभी को उनके सेवा भाव से प्रेरणा लेते हुए आगामी एक माह तक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनहित के कार्यों में जुटना चाहिए। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा पुलिस लाइन नूंह में आयोजित 'आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम' को संबोधित कर रहे थे। आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम के तहत पूरे जिले में एक लाख से अधिक दिए जलाए गए और पुलिस लाइन में लगभग

3500 दिए जलाए गए। उन्होंने कहा कि सेवा अभियान के दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर तथा विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज भारत न केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावी भूमिका निभा रहा है, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की दिशा में भी अग्रसर है। जी-20 और ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मंचों पर भारत की भूमिका देश की बढ़ती प्रतिष्ठा और सामर्थ्य को दर्शाती है।

कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी विशेषता उनकी संवेदनशीलता, आत्मीयता और हर विषय पर गहन समझ है। सीमित संसाधनों वाले सामान्य परिवार से निकलकर उन्होंने विश्व स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया है। विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे विषयों पर उनकी जानकारी और दूरदृष्टि देश को नई दिशा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार मेवात क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

सेवा संकल्प के भाव से गांव-गांव पहुंचाई जाएंगी स्वास्थ्य सेवाएं: रामकुमार कश्यप

एजेंसी

इन्द्री,। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने इन्द्री के बीडीपीओ कार्यालय परिसर से मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट जिला के विभिन्न गांवों में पहुंचकर लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी। इस अवसर पर विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि टीबी मुक्त हरियाणा और टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से मोबाइल मेडिकल यूनिट को रवाना किया गया है। यह मोबाइल वैन गांव-गांव जाकर लोगों के निःशुल्क टेस्ट करेगी और जांच के आधार पर आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध करवाने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि कई गरीब एवं जरूरतमंद मरीज ऐसे होते हैं जो स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे लोगों को उनके गांव और घर के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। सिविल सर्जन डॉ. पूनम चौधरी ने बताया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से गांवों में निशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट हैं और इनके लिए मार्ग के अनुसार ड्यूटी सूची (रूट वाइज रोस्टर) तैयार किया गया है। मोबाइल यूनिट में शुगर, हीमोग्लोबिन सहित एनीमिया की जांच, टीबी के लिए बलगम जांच तथा एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि उनके गांव में मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचने पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इन स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाएं।इस अवसर पर विधायक द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया।

एलिवेट कैंपस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

एलिवेट कैंपस लिमिटेड का 2,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 343-362 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार तीन दिन का सार्वजनिक निर्गम 25 सितंबर को बंद होगा। शेयर के 30 सितंबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक नहीं है। कंपनी उच्च शिक्षा संस्थानों में परिसर के भीतर छात्र आवास सुविधाओं का स्वामित्व, संचालन और प्रबंधन करती है। इसके पास के-12 शिक्षा से जुड़ी परिसंपत्तियां भी हैं।एलिवेट कैंपस अपने मंच के जरिये संस्थानों को छात्र आवास, भोजन, सुरक्षा और परिसर संचालन सहित एकीकृत गैर-शैक्षणिक सेवाएं उपलब्ध कराती है।निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल के-12 संस्थाओं और परिसरों के अधिग्रहण, कर्ज चुकाने और सामान्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

सरकारी बैंकों के विलय का वायरल दावा फर्जी, सरकार ने लोगों को किया सतर्क

पीआईबी फैक्ट चेक ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स के तीन बड़े बैंकों में विलय संबंधी दस्तावेज को बताया नकली

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया पर इन दिनों सरकारी बैंकों के विलय से जुड़ा एक दस्तावेज तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स (पीएसबी) को तीन बड़े बैंकों - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा में मिलाने का फैसला किया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस दावे को फर्जी बताया है और लोगों को ऐसी भ्रामक खबरों से सतर्क रहने को कहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने इस वायरल दस्तावेज की जांच के बाद इसे फर्जी करार दिया है। पीआईबी के अनुसार, यह दस्तावेज वित्त मंत्रालय ने जारी नहीं किया है। दरअसल, दो पेज के इस नकली गजट में दावा किया गया था कि इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को मिलाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रुप बनाया जाएगा। इसी तरह, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक को पंजाब नेशनल बैंक में, जबकि केनरा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और यूको बैंक को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय करने की बात कही गई थी। सरकार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली ऐसी खबरों पर तुरंत भरोसा न करें। किसी भी सरकारी फैसले की जानकारी के लिए आधिकारिक और भरोसेमंद स्रोतों को ही देखें। फिलहाल ग्राहकों को अपने बैंक खाते, जमा पैसे या बैंकिंग सेवाओं को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

सोना 84 रुपए और चांदी 1170 रुपए महंगी

सोना 1,53,065 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,39,375 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 84 रुपये चढ़कर 1,53,065 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, जबकि चांदी 1170 रुपये की तेजी के साथ 2,39,375 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया। अंतरराष्ट्रीय कॉमैक्स बाजार में सोना हल्की गिरावट के साथ 4397 डॉलर प्रति औंस पर रहा, जबकि चांदी 0.63 फीसदी उछलकर 66.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कच्चे तेल की कीमतों में लगभग एक फीसदी की गिरावट और डॉलर के हालिया उच्च स्तर से नीचे आने से सोने को समर्थन मिला है। डॉलर के कमजोर होने से विदेशी खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है, जिससे इसकी मांग बढ़ती है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के आगामी फैसलों पर भी बाजार की नजर है। प्रमुख भारतीय शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत चेन्नई, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 15,283 रुपये प्रति ग्राम रही, जबकि दिल्ली में यह 15,298 रुपये प्रति ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का भाव अधिकांश शहरों में 14,009 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया, वहीं दिल्ली में 14,024 रुपये प्रति ग्राम रहा। 18 कैरेट सोने की दरें चेन्नई में 11,779 रुपये और दिल्ली में 11,482 रुपये प्रति ग्राम थीं।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाया, 7 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद

वैश्विक झटकों के बीच अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती; तेल की ऊंची कीमतें और अल नीनो बन सकते हैं चुनौती

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है, जो पहले छह प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष जैसे वैश्विक झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। हालांकि, उसने तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के असर से महंगाई बढ़ने के संभावित जोखिमों के प्रति आगाह भी किया है। इस वृद्धि के पीछे मजबूत निजी खपत, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहा खर्च, और सेवा क्षेत्र का निरंतर बेहतर प्रदर्शन प्रमुख कारण हैं। मूडीज के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई, जो मजबूत आर्थिक गति का संकेत देती है। एजेंसी ने निजी क्षेत्र के निवेश में संभावित सुधार को भी सकारात्मक माना है। हालांकि, मूडीज ने कुछ जोखिमों के प्रति भी आगाह किया है। एजेंसी ने कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है, तो तेल की ऊंची कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में औसत मुद्रास्फीति को उसके 4.8 प्रतिशत के अनुमान से ऊपर ले जा सकती हैं। इसके अलावा, अल नीनो के प्रभाव से खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ने और निजी खपत व आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। एजेंसी ने देश पर कर्ज के उच्च बोझ और ब्याज लागत को भी कर्ज चुकाने की क्षमता के लिए धीमी चुनौती बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत के कच्चे तेल आयात स्रोतों का विविधीकरण और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं। मूडीज ने यह भी उम्मीद जताई है कि भारत अन्य जी20 देशों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगा। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में जापान की जेसीआर ने भी 35 साल बाद भारत की रेटिंग को ए- तक बढ़ाया था, जो देश की मजबूत आर्थिक स्थिति का एक और प्रमाण है। आरबीआई के अनुमान से अधिक, वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

कच्चे तेल में तीसरे दिन भी नरमी

ब्रेंट क्रूड आयल 104 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शुक्रवार गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, सऊदी अरब से तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान की आशंका कम होने से बाजार को राहत मिली है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड लगभग 1 फीसदी गिरकर 103.77 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 100.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट की मुख्य वजह सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द बहाल होने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह ड्रोन हमले के बाद इस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा था, जिससे आपूर्ति प्रभावित होने का डर था।

साथ ही, सऊदी अरब ओमान के सोहर बंदरगाह के जरिए एशियाई खरीदारों को वैकल्पिक रास्ते से तेल पहुंचा रहा है, जिससे बाजार में तेल की कमी का खतरा कुछ कम हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव बरकरार है, लेकिन बाजार का ध्यान अब वास्तविक तेल आपूर्ति पर है। पिछली तेजी के बाद मुनाफावसूली भी हुई है।

ब्रेंट क्रूड अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, और आपूर्ति जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अगर पाइपलाइन की मरम्मत में देरी हुई या क्षेत्र में कोई नया बड़ा हमला हुआ तो कीमतें फिर से तेजी पकड़ सकती हैं।

भारतीय उत्पादों का ग्लोबल फेस्टिवल, घरेलू बिक्री 5 साल के शिखर पर

त्योहारी रौनक ने खाद्य उत्पाद, वस्त्र और हस्तशिल्प की मांग बढ़ाई

नई दिल्ली ।

गणेशोत्सव से शुरू हुए त्योहारी सीजन ने घरेलू बाजारों में खरीदारी का उत्साह पांच साल के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया है। साथ ही, दुनिया भर में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग ने निर्यात को भी नया आयाम दिया है। देश में मिठाई, कपड़े और सजावटी सामान की बिक्री में तेजी है। वहीं, अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और भारतीय प्रवासी बहुल बाजारों में भारतीय स्वाद, संस्कृति और उत्पादों, जैसे खाद्य पदार्थ, पारंपरिक परिधान और हस्तशिल्प की मांग में भारी इजाफा हुआ है। अगस्त में भारत का माल निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 43.8 बिलियन डॉलर रहा, जिसमें त्योहारी ऑर्डर और अमेरिकी मांग ने अहम भूमिका निभाई। यूरोप में भारतीय खाद्य उत्पादों के ऑर्डर 20 फीसदी तक बढ़े हैं, जबकि अमेरिका में टेक्सटाइल और तैयार कपड़ों के ऑर्डरों में 30-40 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वे के अनुसार, 52 फीसदी परिधान निर्माताओं को बेहतर बिक्री की उम्मीद है। मावा की मिठाइयों की मांग 145 फीसदी बढ़ी है, जिसमें खाड़ी देश एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरे हैं। कुवैत, ओमान और बहरीन में मिठाइयों, ड्राई फ्रूट्स, नमकीन और मसालों की लगातार खरीद हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और चीन पर निर्भरता कम होने से भारतीय निर्यातकों को नए अवसर मिल रहे हैं। छोटे शहरों में भी कारोबार तेज होने से समग्र बाजार भावना सकारात्मक बनी हुई है।

शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद

सेंसेक्स 19 अंक गिरा, निफ्टी 75 अंक उछला

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेतों और आईटी शेयरों में गिरावट से बाजार उठ नहीं पाया। आज केवल व्यापक बाजार ने ही बाजार में गिरावट पर अंकुश लगाये रखा। बेंचमार्क इंडेक्स दिनभर एक सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आए।

दिन भर के कारोबर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स

19.63 अंक नीचे आकर 74,294.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75.80 अंक की बढ़त लेकर 23,346.40 के स्तर पर बंद हुआ। .

यह पहली बार है जब निफ्टी 23,300 के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बंद हुआ है। आज कारोबार में छोटे और मझोले शेयरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.24 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.74 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

आज दिग्गज शेयरों में खरीदारी भी रही। निफ्टी पर अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.

वहीं मेटल, रियलिटी, ऑयल एंड गैस, सीमेंट और केमिकल सेक्टर्स में आज सबसे ज्यादा तेजी रही। . कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में गिरावट से इन क्षेत्रों को सहारा मिला जबकि आईटी सेक्टर में

आज सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई और यह बाजार पर दबाव बनाने का काम करता रहा। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। वैश्विक संकेतों और तेल की कीमतों में कमी आने से प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला और वे हरे निशान पर खुल गए, जिससे निवेशकों में उत्साह देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.37 अंकों की बढ़त के साथ 74,479.96 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 52.35 अंक बढ़कर 23,322.95 पर खुला।

जापान ने भी बढ़ाई ब्याज दर, 31 साल का रिकॉर्ड टूटा

बैंक ऑफ जापान ने मुख्य दर बढ़ाकर 1.25 फीसदी की

नई दिल्ली ।

जापान के केंद्रीय बैंक, बैंक ऑफ जापान ने महंगाई पर लगाम लगाने और अपनी कमजोर मुद्रा येन को सहारा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को बैंक ने अपनी मुख्य ब्याज दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी करते हुए इसे 1.25 फीसदी कर दिया। यह पिछले 31 सालों में जापान में ब्याज दर का सबसे उच्चतम स्तर है, जो अंतिम बार 1995 में इस स्तर पर थी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब वैश्विक ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध और घरेलू चुनौतियों से जापान की अर्थव्यवस्था जूझ रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई और विशेषकर ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल व गैस की कीमतों में आए उछाल ने जापान पर भारी दबाव डाला है। जापान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान का सीधा असर उस पर पड़ता है। देश पहले से ही तीनहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है - लगातार कमजोर होता येन, बढ़ती कीमतें और घटता कार्यबल। ऊर्जा महंगी होने से जापान का आयात बिल बढ़ रहा है, जिसका सीधा बोझ आम लोगों पर पड़ने की आशंका है। लंबे समय तक जापान अपनी बेहद कम ब्याज दरों के लिए जाना जाता था, जहां दशकों तक कीमतों में गिरावट (डिफ्लेशन) एक बड़ी समस्या थी। बैंक ऑफ जापान ने 2024 तक (नकारात्मक -0.1 फीसदी) जैसी बेहद कम दरों पर भी काम किया है। हालांकि, अब हालात बदल रहे हैं; पिछले ढाई सालों में बैंक ने छह बार दरें बढ़ाई हैं, जो अब 1.25 फीसदी पर पहुंच गई हैं। यह दिखाता है कि देश अब बढ़ती कीमतों की नई चुनौती का सामना कर रहा है। हालिया सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में जापान की मुख्य महंगाई दर 1.7 फीसदी रही, जो जुलाई के 1.8 फीसदी से थोड़ी कम है, लेकिन बैंक ऑफ जापान के 2 फीसदी के लक्ष्य के करीब बनी हुई है। दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले जापान में महंगाई बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन जापान के लिए लगातार बढ़ती कीमतें पिछले कुछ दशकों के मुकाबले एक बड़ा बदलाव हैं। जापानी येन पिछले कई महीनों से दबाव में है और अगस्त में यह 40 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था। येन की गिरावट को रोकने के लिए जापान और अमेरिका को बाजार में संयुक्त हस्तक्षेप करना पड़ा था। आम तौर पर किसी देश में ब्याज दर बढ़ने से उसकी मुद्रा को मजबूती मिलती है क्योंकि विदेशी निवेशकों के लिए वहां निवेश करना अधिक आकर्षक हो जाता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.93 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में खरीदारी और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में तेज बढ़ोतरी के बाद कच्चे तेल की कीमतों के 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भारतीय मुद्रा पर दबाव कम हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल भी रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में थोड़ा मजबूत होकर 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे मजबूत होकर 95.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सिंगापुर-भारत व्यापार को नई दिशा देगा एसआईसीसीआई- मेनन

सिंगापुर ।

सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रदीप मेनन ने संगठन की नई रणनीतिक रूपरेखा का अनावरण किया है। इसके तहत एसआईसीसीआई भारत सरकार, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने की योजना बना रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करना और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देना है। मेनन ने बताया कि अगले तीन से छह महीनों में, एसआईसीसीआई भारत के नेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के लोगों के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा।

संगठन प्रमुख भारतीय राज्यों में लक्षित व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भेजेगा, जिसकी शुरुआत तमिलनाडु से होगी, ताकि सिंगापुर स्थित कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर खोले जा सकें। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारस्परिक लाभ वाले संबंध पर जोर दिया।

मेनन के अनुसार भारतीय कंपनियों को सिंगापुर से कारोबार की उत्पादकता बढ़ाने वाली विशेषज्ञता मिलती है, जबकि सिंगापुर की कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और प्रतिभा के बड़े समूह तक पहुंच मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सिंगापुर के लिए मानव संसाधन का एक प्रमुख स्रोत है, जो प्रतिभा की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण है। एसआईसीसीआई का लक्ष्य क्षेत्रीय पूंजी के लिए सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका को भी मजबूत करना है, विशेष रूप से आसियान निवेशकों के लिए जो भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में पारदर्शी निवेश करना चाहते हैं। मेनन ने पिछले महीने ही एसआईसीसीआई के सीईओ का पद संभाला है; वह 2003 से 2010 तक भी इस पद पर रह चुके हैं।

सत्य नडेला ने सराही भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी, एआई पर दिया जोर

सिएटल में आइडियाज4इंडिया फोरम में 40 से अधिक भारतीय मूल के टेक सीईओ और सीटीओ हुए शामिल

न्यूयॉर्क ।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने सिएटल में भारतीय-अमेरिकी प्रौद्योगिकी समुदाय और भारत के साथ इसके बढ़ते मजबूत संबंधों की सराहना की। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) ‘को एक ऐसी सामान्य उपयोग वाली प्रौद्योगिकी बताया, जिसके लाभ इसके व्यापक अपनाने पर निर्भर करेंगे। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित आइडियाज4इंडिया- इंडियन अमेरिकन टेक सीईओ फोरम- अनलॉकिंग द टेक डिविडेंड कार्यक्रम में नडेला ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भारतीय मूल के सीईओ को संबोधित किया।

उन्होंने पिछले 35 वर्षों में सिएटल के प्रौद्योगिकी समुदाय की प्रगति और भारत के साथ उसके संबंधों के सुदृढ़ीकरण पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने भारतीय मूल के सीईओ तथा कार्यक्रम के अन्य प्रतिभागियों की भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी को और गहरा करने की मजबूत इच्छा का स्वागत किया। क्वात्रा ने दोहराया कि भारत का एआई मिशन समावेशिता, खुलेपन, संप्रभुता, सभी के लिए समान पहुंच, सुरक्षा और भरोसे के सिद्धांतों पर मजबूती से आधारित रहेगा। इस विशेष कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, बोइंग, ओपनएआई, एंथ्रोपिक और इंटेल जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के 40 से अधिक भारतीय मूल के सीईओ और सीटीओ शामिल हुए। इनमें से कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से कार्यरत हैं।

भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा मजबूत- टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

गुजरात और असम में 14 अरब डॉलर की परियोजनाएं ट्रैक पर

नई दिल्ली ।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रमुख अधिकारी ने घोषणा की है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा बेहद मजबूत दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने सेमीकॉन 2.0 के तहत मिली नीतिगत स्थिरता को उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बताया, जिससे कार्ययोजना में महत्वपूर्ण निरंतरता बनी हुई है। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में अपनी मजबूत जगह बनाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है और इस प्रयास में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अधिकारी ने सेमीकॉन इंडिया के मौके पर कहा कि हमारे कारोबार में निरंतरता महत्वपूर्ण है और सेमीकंडक्टर एक कार्ययोजना आधारित यात्रा है। सेमीकंडक्टर 1.0 योजना के बाद सरकार द्वारा सेमीकंडक्टर 2.0 लाना उत्साहजनक है, जो इस क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि जैसे-जैसे कंपनी नकदी प्रवाह उत्पन्न करेगी, वह लगातार निवेश करती रहेगी और इस यात्रा को आगे बढ़ाएगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में भारत का पहला वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण संयंत्र (फैब) स्थापित कर रहा है, जिसमें 91,000 करोड़ रुपये (लगभग 11 अरब डॉलर) का निवेश किया जा रहा है। यह संयंत्र 28 नैनोमीटर से 110 नैनोमीटर तक की प्रौद्योगिकी नोड पर चिप बनाएगा, जिनका उपयोग वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटिंग और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी असम के जागीरोड में देश की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण सुविधा के लिए तीन अरब डॉलर का निवेश कर रही है। दोनों परियोजनाओं में कुल 14 अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने पुष्टि की कि धोलेरा का विनिर्माण संयंत्र और जागीरोड की पैकेजिंग सुविधा दोनों सरकार के साथ तय समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। सेमीकॉन इंडिया के दौरान टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा हस्ताक्षरित 16 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का उद्देश्य उपकरण, बुनियादी ढांचा, गैस एवं रसायन तथा प्रतिभा विकास सहित एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है।

टाटा संस पर आरबीआई फैसले का शापूर मिस्त्री ने किया स्वागत

- मिस्त्री ने कहा- यह कदम कंपनी में जवाबदेही बढ़ाएगा, शेयरधारकों और ट्रस्ट के बीच बनेगा पुल

नई दिल्ली ।

शापूरजी पल्लोनजी समूह के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने टाटा संस को अपर-लेयर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (बीएफसी) के नियमों के तहत लाने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत किया है। मिस्त्री ने इस कदम को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण बताया, जिससे इसके सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। उनके परिवार के स्वामित्व वाले शापूरजी पल्लोनजी समूह की टाटा संस में लगभग 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आरबीआई ने 11 सितंबर को टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया था और उसे नियामक ढांचे का पालन करने का निर्देश दिया था। इस फैसले से वर्षों से निजी स्वामित्व वाली कंपनी का दर्जा बनाए रखने के प्रयासों के बाद, अब टाटा संस के सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का रास्ता खुल गया है। मिस्त्री ने जोर देकर कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले को किसी एक हिस्सेदार की दूसरे पर जीत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टाटा संस की सूचीबद्धता शेयरधारकों और टाटा ट्रस्ट्स के बीच तथा निजी स्वामित्व एवं सार्वजनिक जवाबदेही के बीच एक सेतु बन सकती है। मिस्त्री ने आगे कहा कि सूचीबद्धता से होल्डिंग कंपनी के मूल्य के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, व्यावसायिक कामकाज मजबूत होगा और टाटा ट्रस्ट्स की परोपकारी गतिविधियों के लिए मूल्य का अधिक टिकाऊ प्रवाह सुनिश्चित होगा।

यूपीआई शुल्कः सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

ललित गर्ग

फिर भी इस बदलाव को केवल ह्यशुल्क लगा या नहीं लगाह्न के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरूआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।

इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए।

दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरूआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा निःशुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है।

यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए-'उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सुविधा का लेन-देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सद्गुणों के लिए करते हो परंतु समय के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सद्गुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दशार्ता है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केंद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है। मूर्खों को हटाने का प्रयास मत करो। यदि तुम केंद्रित नहीं हो, तो तुममे उनको बर्दाश्त करने का धैर्य नहीं होगा। जब तुम पूर्ण रूप से आत्मस्थित हो, तब पाते हो कि मूर्ख से भी ज्ञान मिल सकता है। वे तुम्हारे ही प्रतिबिम्ब हैं। मूर्ख तुम्हें हताश भी कर सकते हैं, या ज्ञान भी दे सकते हैं, चुनाव तुम्हारा है।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

सुरेश हिंदुस्तानी

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक क्लिक पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भरे शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।

सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक ह्यलाइकह्न, एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है।

कछुआ की गति से भी धीमी है देश की अदालतों की चाल

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया की अदालतों में लंबित मुकदमों की कुल तादाद से अधिक तादाद हमारे इकलौते देश भारत में लंबित मुकदमों की है। हालत यह है कि लाखों लोगों को अपने जीवन में अदालत में लंबित मुकदमे का फैसला नहीं मिल पाता है हालांकि देश में कानून का संविधान का शासन है लेकिन यह कैसी कानून व्यवस्था है जिसमें न्याय पाने की लालसा में जिन्दगी बीत जाती है लेकिन न्याय नहीं मिलता है।और ऐसी लेटलतीफी भरी कानून व्यवस्था में कैसे किसी का विश्वास बना रह सकता है? देश में बढ़ती अराजकता भ्रष्टाचार और अपराध के लिए यही न्याय व्यवस्था जिम्मेदार है क्योंकि अपराधी को पता है कि अदालत की सुनवाई में दशकों बीत जाते हैं और तब तक गवाह को डरा धमका कर या प्रलोभन देकर पक्षद्रोही कर लिया जाएगा और अपराधी बाईज्जत बरी होने में सफल हो जाता है। यही वजह है कि देश में दोषसिद्धी (कनविकशन) की दर बहुत कम सिर्फ 54 फीसद है. कहा जाता है कि देर से मिलने वाला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर है. लेकिन देश की अदालती प्रक्रिया इस तरह जटिल और दुरूह है कि लोग अदालतों के चक्कर लगाते जीवन के बहुमूल्य समय को बर्बाद कर देते हैं और जब अदालत से न्याय मिलता है तब बहुत देर हो चुकी होती है। भारत की अदालतों में इस समय लगभग 5.86 करोड़ से अधिक मामले लंबित (पेंडिंग) हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश भर में लगभग 5.86 करोड़ मामले अट-के हुए हैं। जिला व निचली अदालतों में सबसे अधिक करीब 5.2 करोड़ मामले निचली अदालतों में लंबित हैं। उच्च न्यायालयों में लगभग 64.97 लाख मामले लंबित हैं। सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट में लगभग 95,000 मामले लंबित हैं। मुकदमों के लंबित होने के मुख्य कारण न्यायाधीशों की कमी होना भी है। देश में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 जज हैं, जबकि विधि आयोग ने 50 जजों की सिफारिश की थी।

सरकार खुद बड़ी वादी है कुल लंबित मामलों में से लगभग 50% मामलों में सरकार खुद एक पक्ष या वादी है। भूमि और संपत्ति विवादः लगभग 20% मामले जमीन और संपत्ति के विवादों से जुड़े हैं।प्रक्रियागत देरी भी एक बड़ी समस्या है। बार-बार तारीखें लेना, कागजी कार्रवाई में देरी और पुराने तौर-तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है।

आज देश में पीड़ितों को न्याय के इंतजार में वर्षों लग रहे हैं और अदालतों में जारी तारीख पर तारीख के गलत रवैये के चलते मुकद्दमों के लटकते चले जाने के कारण न्याय की प्रतीक्षा में ही लोगों की पूरी जिंदगी बीत रही है ऐसी ही चंद घटनाओं से आपको रूबरू कराते हैं

4 फरवरी को गुजरात हाई कोर्ट ने नवम्बर, 1996 से लटकते आ रहे 30 वर्ष पुराने एक मामले में पुलिस कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति को एक ट्रक ड्राइवर से 20 रुपयों की रिश्वत लेने के आरोप में बाइज्जत बरी कर दिया। वर्ष 2004 में निचली अदालत ने उसे 4 वर्ष की सजा सुनाई थी जिसके कारण बाबूभाई प्रजापति की नौकरी और पैंशन सब चली गई।

बाबूभाई प्रजापति ने उक्त फैसले के विरुद्ध हाई कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई थी। बरी होने के बाद बाबूभाई प्रजापति ने अपने वकील से कहा था, मेरे जीवन से यह कलंक मिट गया, अब यदि भगवान मुझे उठा भी लें तो कोई दुख नहीं। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि फैसला आने के अगले ही दिन 5 फरवरी, 2026 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

5 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट ने गवाहों के बयानों में भारी कमियों के दृष्टिगत संदेह का लाभ देते हुए 2 इंजीनियरों वी. के. दत्ता और दिनेश गर्ग को 35 वर्ष पूर्व 20 सितम्बर, 1991 को उन पर लगे 1,800 रुपए रिश्वत मांगने के आरोपों से यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग को साबित करने में नाकाम रहा है। निचली अदालत ने वर्ष 2002 में इन्हें 2 वर्ष कैद की सजा सुनाई थी।

1 जुलाई को लखनऊ की सी.बी.आई. अदालत ने लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की 8 अगस्त, 2002 को हत्या के लगभग 23 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह और बृजेश यादव को उम्रकैद की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान अन्य आरोपी मन्नालाल, वेद प्रकाश व छोटेलाल मर चुके हैं। 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1996 के 30 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए गुजरात सरकार के 2 कर्मचारियों (1 क्लर्क और 1 चपरासी) को बरी कर दिया क्योंकि उन पर अभियोग पक्ष अपना आरोप सिद्ध न कर सका। इन दोनों पर एक छात्र को वजीफे के लिए आय प्रमाण पत्र जारी करने के बदले में 20 रुपए की रिश्वत लेने का आरोप था और निचली अदालत ने उन्हें एक वर्ष की सजा सुनाई थी।

25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने डबल मर्डर से जुड़े लगभग 45 वर्ष पुराने मामले में देश की न्यायिक प्रणाली की विफलता पर बेहद सख्त और चिंताजनक टिप्पणी की। निचली अदालत को इस मामले का ट्रायल (सुनवाई)पूरा करने में ही 22 वर्ष लग गए। इसके बाद, जब मामले की अपील की गई, तो झारखंड हाई कोर्ट ने भी अपना फैसला सुनाने में 22 वर्ष का लंबा समय लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस भयंकर देरी को न्यायिक व्यवस्था की विफलता करार देते हुए 70 वर्षीय आरोपी की सजा को सस्पेंड (स्थगित) करते हुए उसे रिहा कर दिया। अदालत ने गौर किया कि 6 आरोपियों में से 2 की मौत आरोप तय होने से पहले ही हो गई थी जबकि दोषी ठहराए गए 4 में से 3 आरोपियों की मौत हाई कोर्ट में ममला लम्बित रहने के दौरान हो गई थी।

1 सितम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन बैंक के एक पूर्व ब्रांच मैनेजर को वर्ष 1991 से उसके विरुद्ध चल रहे 35 वर्ष पुराने भ्रष्टाचार के मामले में बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके लगाए हुए आरोप पूर्णतः मनगढ़ंत पाए गए।

अदालतों पर मुकद्दमों का भारी बोझ होने के चलते न्याय मिलने में विलंब को देखते हुए ही लोगों ने कई मामलों में स्वयं कानून हाथ में लेना शुरू कर दिया है और इसीलिए समय-समय पर लोगों द्वारा अपराध के शक में लोगों को पकड़ कर बिना सच्चाई जाने ही पीट-पीट कर मार डालने के समाचार तक आने लगे हैं।इस तरह की नौबत न आए इसके लिए जहां देश की छोटी-बड़ी सभी अदालतों में जजों की कमी यथाशीघ्र दूर करने की आवश्यकता है, वहीं अदालतों में न्याय प्रक्रिया को चुस्त तथा और तेज करने की भी जरूरत है। यदि अदालतों में पर्याप्त संख्या में जज ही नहीं होंगे तो फिर भला लोगों को समय पर न्याय किस प्रकार मिल सकता है।

बिना किसी संदेह के, भारतीय अदालतों में मामलों की भारी तादाद में लंबित मामले न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। आंकड़ों के अनुसार, देश की अदालतों में लंबित मामलों की कुल संख्या 5.4 करोड़ (54 मिलियन) से अधिक हो चुकी है, जिसमें पिछले एक दशक में लगभग 80% की भारी वृद्धि देखी गई है।इन लंबित मामलों का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 85% से अधिक) निचली या अधीनस्थ अदालतों में है, वहीं, सर्वोच्च न्यायालय में भी लगभग 85,000 मामले लंबित हैं। ।स्वीकृत पदों का खाली होनाअदालतों में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों में से एक बड़ी संख्या खाली पड़ी रहती है। निचली अदालतों में हजारों पद और उच्च न्यायालयों में सैकड़ों पद लंबे समय से रिक्त हैं क्योंकि भर्ती और नियुक्ति की प्रक्रिया काफी धीमी और जटिल है। बुनियादी ढांचे या निचली अदालतों में कोर्ट हॉल, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर (जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं) और सहायक कर्मचारियों (जैसे आशुलिपिक और क्लर्क) की भारी कमी है, जिससे दैनिक सुनवाई की गति धीमी हो जाती है। अंतर-विभागीय विवादों और अनावश्यक अपीलों के कारण अदालतों पर बोझ लगातार बढ़ता जाता है। प्रक्रियात्मक कमियां और स्थगन अदालती प्रक्रियाओं में बार-बार मिलने वाली तारीखें , बार-बार की जाने वाली अपीलें, और मुकदमों के प्रबंधन की कुशल प्रणाली न होना मामले को सालों-साल खींचता है। वैकल्पिक विवाद समाधान का कम उपयोगमध्यस्थता सुलह और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों का देश में अभी भी उतना प्रभावी और व्यापक उपयोग नहीं हो पा रहा है जितना होना चाहिए ताकि छोटे मामलों को कोर्ट से बाहर ही सुलझाया जा सके। सुधार के प्रयासःइस संकट से निपटने के लिए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुराने मामलों को तेजी से निपटाने के लिए विशेष बेंचों का गठन करने जैसे कदम उठाए गए हैं। साथ ही, सरकार द्वारा भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

12 डिग्रियां लेकर दुनिया के सबसे पढ़े लिखे इंसान बनने की राह पर न्यूजीलैंड के बीटन

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के 31 वर्षीय जेमी बीटन दुनिया के सबसे अधिक शिक्षित लोगों में शामिल होने की राह पर हैं। हार्वर्ड, येल, ऑक्सफोर्ड, स्टैनफोर्ड और प्रिंसटन जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से वह अब तक 12 उच्च डिग्रियां हासिल कर चुके हैं और उनकी पढ़ाई अभी जारी है। इससे पहले सबसे अधिक डिग्रियां हासिल करने वालों में बेंजामिन बी. बोल्गर के नाम 16 और माइकल निकोलसन के नाम 30 से अधिक डिग्रियां बताई जाती हैं। बीटन ने हाईस्कूल के अंतिम वर्ष में जरूरी पाठ्यक्रमों से दोगुने से अधिक विषय पढ़े और हार्वर्ड, येल व प्रिंसटन समेत 25 विश्वविद्यालयों में दाखिला मिला। 2016 में उन्होंने हार्वर्ड से मैग्ना कम लाउड सम्मान के साथ पढ़ाई पूरी की। फिलहाल वह ब्राउन यूनिवर्सिटी से डाटा साइंस में मास्टर की पढ़ाई भी कर रहे हैं। बीटन ने पढ़ाई के साथ क्रिमसन एजुकेशन की स्थापना की, जो छात्रों को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी में मदद करती है। कंपनी में उनके अनुसार करीब 1,200 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं और अब तक करीब 10 हजार छात्र इसकी सेवाएं ले चुके हैं। बीटन का कहना है कि शुरुआती पांच डिग्रियां कौशल हासिल करने के उद्देश्य से थीं, लेकिन इसके बाद वह बढ़ते गए।

सिंगापुर में अब 15 मिनट किताब पढ़ो...पैसे पाओ

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर अपने नागरिकों की लगातार स्क्रीन से चिपके रहने की बुरी आदत (डूमस्क्रॉलिंग) छुड़ाने के लिए दिन में कम से कम 15 मिनट किताब पढ़ने के एवज में पैसे दे रहा है। इस समृद्ध देश ने इसी महीने शुरू की गई इस रणनीति को गेमिफिकेशन नाम दिया है। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से लोगों की एकाग्रता, सोच-समझकर फैसला लेने की क्षमता और कल्पनाशीलता बेहतर होगी। योजना के तहत, पढ़ने वालों को कुछ अंक मिल रहे हैं जिन्हें सेंट के बदले भुनाया जा सकता है। लोगों को 80 सेंट यानी एक डॉलर पाने के लिए एक सरकारी वेबसाइट पर रोजाना 50 रीडिंग सेशन लॉग करने होंगे। 15 मिनट के हर रीडिंग सेशन के लिए 20 वर्चुअल क्वाइन मिलेंगे और एक डॉलर के पेमेंट के लिए 1,000 क्वाइन की जरूरत होगी। नेशनल लाइब्रेरी बोर्ड की प्रमुख मेलिसा टैम ने कहा कि पढ़ने की आदतें छोटे और आसानी से पूरे किए जा सकने वाले कदमों से बनती हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां कंटेंट, जानकारी और प्रेरणा की भरमार है। हम जानते हैं कि आदतें छोटे-छोटे, लगातार किए जाने वाले काम से बनती हैं।

खाड़ी में जहाज पर हमला

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिकी जहाज पर हमला होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका के एक किराए के जहाज पर हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह हमला ईरानी ड्रोन और मिसाइल के जरिए किया गया। इस घटना में जहाज के चालक दल के कुछ सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं। हमले के समय जहाज पर कई अमेरिकी नागरिक भी मौजूद थे। घायल कर्मचारियों का इलाज खाड़ी देश के अस्पताल में चल रहा है। इस हमले को लेकर अभी तक अमेरिका या ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सूडान में बड़ा हादसा: सोने की खदान ढहने से अब तक 82 लोगों की मौत, मलबे में दबे कई लोगों की तलाश जारी

नुहुद , एजेंसी। सूडान के एक दूरदराज इलाके में सोने की एक अवैध खदान ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है। स्थानीय अधिकारियों और कार्यकर्ताओं के मुताबिक, बुधवार को बचावकर्मी सीमित उपकरणों के बीच मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे रहे। कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। बचे लोगों के मुताबिक, हादसा पश्चिम कोर्डोफान प्रांत के नुहुद शहर में स्थित अल-जारा सोने की खदान में हुआ। यह इलाका अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के नियंत्रण में है। आरएसएफ तीन साल से अधिक समय से सूडानी सेना के खिलाफ लड़ रहा है।आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने बताया कि बुधवार दोपहर तक बचावकर्मियों ने 82 शव बाहर निकाले थे। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'लेकिन दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। यह हादसा वेस्ट कोर्डोफान प्रांत के नुहुद शहर स्थित अल-जारा सोने की खदान में हुआ। बचे लोगों के मुताबिक, खदान मंगलवार देर रात अचानक ढह गई।

'खुद कानून तोड़ने वाली ताकतें सुरक्षा परिषद में' : यूएन में सुधार पर बोले गुटेरेस- बिना सजा नियम तोड़ रहे देश

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि जो वैश्विक शक्तियां खुद अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करती हैं। वे ही सुरक्षा परिषद में बैठी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 15 देशों वाले इस वैश्विक संगठन में सुधार सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

महासचिव गुटेरेस ने क्या कहा : महासचिव गुटेरेस ने सत्ता के पुनर्वितरण की जरूरत पर भी जोर दिया। गुटेरेस ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, 'साफ बात यह है कि हमारे बीच भू-राजनीतिक मतभेद हैं। इन मतभेदों के बीच ऐसी ताकतें हैं जो खुद अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करती हैं और सुरक्षा परिषद में शामिल हैं। जैसा कि हम जानते हैं, इसी वजह से सुरक्षा परिषद ठप पड़ी है। यही कारण है कि सुरक्षा परिषद में सुधार को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसी सुरक्षा परिषद को स्वीकार नहीं किया जा सकता जिसका स्वरूप आज की दुनिया के बजाय कई दशक पुरानी दुनिया को दर्शाता हो।'

पैरालिसिस से किया तुलना : यूएन प्रमुख ने यूएम जनरल असेंबली के 81वें सेशन के हाई-लेवल वीक की शुरुआत से पहले वर्ल्ड हेडक्वार्टर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'और यह एक तरह का 'पैरालिसिस' (ठहराव या बेअसर होने की स्थिति) है।' गुटेरेस ने कहा कि यूएन सुरक्षा परिषद के ठप पड़ने से ऐसी स्थिति बन गई है कि दुनिया भर के हर देश को लगता है कि उन्हें अपनी मर्जी का कुछ भी करने का हक है।' क्योंकि सबसे बड़ी

ताकतों का उदाहरण अच्छा नहीं है। वे जानते हैं कि वे बिना किसी सजा के ऐसा कर सकते हैं क्योंकि सिक्योरिटी काउंसिल खुद बेअसर हो चुकी है। 'बिना किसी सजा के बच निकलने की इसी छूट ने ऐसा माहौल बना दिया है जिसमें हम देख रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा देश अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, और वे ऐसा बिना किसी डर या सजा के कर रहे हैं। एक बात साफ है। यह मामला असल में ताकत का है। बात यह है कि हमारी दुनिया में ताकत का बंटवारा और उसका इस्तेमाल जिस तरह से होता है, उसकी वजह से बहुपक्षीय संस्थाएं असरदार ढंग से काम नहीं कर पातीं।'

ब्रिक्स को लेकर क्या बोले : एक और सवाल के जवाब में कि क्या वह ब्रिक्स जैसे संगठनों को पावर शिफ्ट (सत्ता के बदलाव) को दिखाने के मामले में मौजूदा व्यवस्था के पूरक या विकल्प के तौर पर देखते हैं। गुटेरेस ने कहा कि आज की संस्थाएं कई दशक पहले के पावर रिलेशन (सत्ता के संबंधों) को दिखाती हैं, जिनमें से ज्यादातर दूसरे विश्व युद्ध के समय बनी थीं। लेकिन दुनिया बदल रही है, और हम नई ताकतों का उदय देख रहे हैं। और आज, अगर ग्लोबल इकॉनमी (वैश्विक अर्थव्यवस्था) को देखें, तो हर दिन ग्लोबल जीडीपी में विकसित देशों का हिस्सा थोड़ा कम हो रहा है। हर दिन ग्लोबल जीडीपी में उभरती अर्थव्यवस्थाओं का हिस्सा थोड़ा बढ़ रहा है। बता दें कि एक हफ्ते तक चलने वाली आम बहस, जिसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख, विदेश मंत्री, नेता और दूत यूएन मुख्यालय में इकट्ठा होंगे। यह 22 सितंबर को शुरू होगी। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल में मशहूर हरे पोडियम से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। गुटेरेस के लिए यह संयुक्त राष्ट्र महासभा का आखिरी हाई-लेवल हफ्ता होगा, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख के तौर पर उनका दूसरा पांच साल का कार्यकाल दिसंबर 2026 में खत्म हो रहा है।

राजनयिक के तौर पर बीते 10 वर्षों में क्या सीखा : जब उनसे पूछा गया कि दुनिया के सबसे बड़े राजनयिक के तौर पर बीते 10 वर्षों से उन्होंने क्या सबक सीखा है, तो गुटेरेस ने कहा, 'मैंने यह सबक सीखा है कि जब दुनिया तेजी से मल्टीपोलर (कई ध्रुवों वाली) होती जा रही है, तो मल्टीलेटरल (बहुपक्षीय) संस्थाओं में सुधार करना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि वे संस्थाएं शांति, विकास और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के मामले में असरदार बन सकें।

पाकिस्तान में ताक पर कोर्ट का आदेश! इमरान खान की बहनों को फिर झटका, अदियाला जेल प्रशासन ने मिलने से रोका

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहनों की मुलाकात एक बार फिर नहीं हो सकी। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद अदियाला जेल प्रशासन ने अलीमा खान, उज्मा खान और उनके वकीलों को मुलाकात की अनुमति नहीं दी। मामले को लेकर जेल प्रशासन पर न्यायालय के आदेशों की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं, जबकि परिवार ने इसे न्यायिक प्रक्रिया के उल्लंघन का मामला बताया है। वकील अवैस यूनस चौधरी ने बताया कि इमरान खान की बहनें और छह वकील उनसे मिलने के लिए जेल पहुंचे, लेकिन उन्हें एक बार फिर मिलने की इजाजत नहीं दी गई। चौधरी के हवाले से 'डॉन' ने लिखा, 'बहनें शाम 6:30 बजे के बाद भी वहां इंतजार करती रहीं, लेकिन उन्हें मुलाकात की मंजूरी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। आईएचसी ने आदेश दिया है कि इमरान खान के परिवार और वकीलों के साथ मंगलवार को और पार्टी नेताओं के साथ गुरुवार को मुलाकात कराई जाए, लेकिन कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया जा रहा है।' मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से अदालतें इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर रही हैं।

ईरान ने की शी जिनपिंग के शांति सिद्धांतों की तारीफ, रणनीतिक संतुलन पर दिया जोर

बीजिंग, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बताए शांति के चार सिद्धांतों को बहुत ही अहम बताया। अपनी चीन यात्रा के दौरान अराघची ने वहां के सहयोगियों के साथ हुई बातचीत को भी सफल बताया। अराघची ने 'एक्?स' पर पोस्ट किया, ''चीन में हमारे सहयोगियों के साथ सफल बातचीत हुई। ईरान उस रणनीतिक साझेदारी को अहमियत देता है जो हमने समय के साथ बनाई है। आज लिए गए फैसले इस क्षेत्र में भविष्य के रणनीतिक संतुलन को तय करेंगे और इनके दूरगामी असर होंगे। राष्ट्रपति शी की ओर से शांति के लिए बताए गए चार सिद्धांत बहुत अहम हैं।'' इससे पहले चीन के विदेश मंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की सेंट्रल कमेटी के पॉलिटिकल ब्यूरो सदस्य वांग यी ने बुधवार को अराघची से मुलाकात की। चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने बताया कि चीन की राजधानी में अराघची से मुलाकात के दौरान वांग ने कहा, 'ईरान के साथ बातचीत और सहयोग को मजबूत करने और ईरान के जायज अधिकारों और हितों की रक्षा करने को चीन तैयार है।' चीन के विदेश मंत्री ने ईरानी समकक्ष के साथ बैठक में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने का भी आग्रह किया। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि बीजिंग में बुधवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने अपने ईरानी समकक्ष से कहा कि चीन चाहता है कि ईरान और

अमेरिका को आपसी चिंता के मुद्दों पर ठोस बातचीत करने के लिए तैयार हों। वांग ने कहा, 'हम सभी पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे होर्मुज स्ट्रेट को जल्द से जल्द फिर से खोलने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।' उन्होंने कहा कि चीन नहीं चाहता कि क्षेत्रीय तनाव बढ़े और यमन तथा लाल सागर तक फैल जाए।

अराघची ने एक्स पर दी जानकारी : अराघची ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'चीन में हमारे सहयोगियों के साथ सफल बातचीत हुई। ईरान उस रणनीतिक साझेदारी को अहमियत देता है जो हमने समय के साथ बनाई है। आज लिए गए फैसले इस क्षेत्र में भविष्य के रणनीतिक संतुलन को तय करेंगे और इनके दूरगामी असर होंगे। राष्ट्रपति शी की ओर से शांति के लिए बताए गए चार सिद्धांत बहुत अहम हैं।चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने बताया कि चीन की राजधानी में अराघची से मुलाकात के दौरान वांग ने कहा, 'ईरान के साथ बातचीत और सहयोग को मजबूत करने और ईरान के जायज अधिकारों और हितों की रक्षा करने को चीन तैयार है।

गाजा में इजरायली बमबारी में क्षतिग्रस्त बहुमंजिला इमारत गिरी, 11 बच्चों समेत 21 लोगों की मौत

गाजा , एजेंसी। पश्चिमी गाजा शहर में एक रिहायशी इमारत गिरने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। मृतकों में 11 बच्चे और 6 महिलाएं शामिल हैं। इस हादसे में 25 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता महमूद बासल ने बताया कि 'अल-सादा' नाम की छह मंजिला इमारत बुधवार तड़के ढह गई। यह इमारत पहले इजरायली बमबारी में क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। यह इमारत निकट पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के मुख्यालय के पास स्थित थी। इस इमारत में लगभग 100 विस्थापित लोग रह रहे थे। सि्न्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बासल ने कहा कि बचाव टीमों ने 16 घंटे तक चले अभियान के दौरान 45 लोगों को सुरक्षित निकाला और 21 शव बरामद किए। उन्होंने बताया कि 35 अन्य लोग खुद ही निकलने में सफल रहे। इमारत के मलबे के बाहर दर्जनों शोकाकुल परिजन इकट्ठा हुए। कई लोग अपने हाथों से ही मलबा हटाकर अपने प्रियजनों को खोजने की कोशिश करते दिखाई दिए। 54 वर्षीय लुआय अल-अजला ने इस हादसे में अपने परिवार के लगभग 10 लोगों को खो दिया। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने आरोप लगाया कि बचाव कार्यों के लिए जरूरी भारी मशीनों और उपकरणों को लाने पर इजरायल की पाबंदियों के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहे हैं। गाजा में हमास की ओर से संचालित मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पूरे गाजा पट्टी में 8,500 से अधिक लापता लोग अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। बयान के अनुसार, भारी मशीनरी और बचाव उपकरणों की कमी के कारण उन्हें निकालना मुश्किल हो रहा है। कार्यालय ने हजारों क्षतिग्रस्त इमारतों को टाइम बम जैसा खतरा बताया। महमूद बासल ने चेतावनी दी कि सर्दियों के करीब आने के साथ 2,000 से अधिक रिहायशी इमारतों के गिरने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने 'बोर्ड ऑफ पीस' और युद्धविराम की गारंटी देने वाले देशों से अपील की कि बचाव उपकरणों को गाजा में आने की अनुमति दिलाई जाए।ऐसा न होने पर 'कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

तकनीक: रोबोट ही बना रहे रोबोट, हर 10 मिनट में एक हो रहा तैयार; चीन में दुनिया की पहली फैक्ट्री होने का दावा

बीजिंग, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण नौकरियां कम होने के मुद्दे पर जारी विमर्श के बीच चीन से प्रौद्योगिक विकास की नई तस्वीर आई है। यहां रोबोट ही दूसरे रोबोट के निर्माण में मदद कर रहे हैं। यूबीटेक रोबोटिक्स ने यहां एक नई ह्यूमनॉइड रोबोट फैक्ट्री खोली है। इसकी उत्पादन क्षमता 10 हजार प्रति वर्ष है। दावा है कि इतनी बड़ी उत्पादन क्षमता वाली यह दुनिया की पहली फैक्ट्री है।

गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र के लियूझोउ में स्थित यह फैक्ट्री विनिर्माण प्रक्रिया के कुछ हिस्सों को संभालने के लिए रोबोट का इस्तेमाल करती है। यह हर 10 मिनट में एक इंडस्ट्रियल ह्यूमनॉइड रोबोट बना सकती है। 14,000 वर्ग मीटर में फैली यह फैक्ट्री 13.8 मीटर ऊंची है और मुख्य रूप से यूबीटेक की वाकर एस

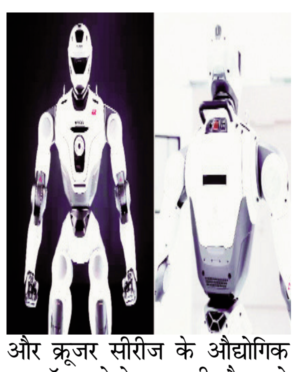

और क्रूजर सीरीज के औद्योगिक ह्यूमनॉइड रोबोट बनाती है। इसे यूबीटेक और सीमेंस डिजिटल इंडस्ट्रीज सॉफ्टवेयर ने मिलकर बनाया है।

हर रोबोट का अलग नंबर, अलग काम : फैक्ट्री को एक डिजिटल प्रणाली संचालित करती है जिसे यूबीटेक अपना स्मार्ट ब्रेन कहती है। कंपनी के अनुसार, यह प्रणाली फैक्ट्री के संचालन में मदद करती है... क्या बनाया जाना है, इसका निर्णय लेने से लेकर पुर्जों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने और तैयार रोबोटों की गुणवत्ता जांचने तक। प्रत्येक रोबोट को अपना अलग सीरियल नंबर भी दिया जाता है।

क्या काम करते हैं रोबोट : यूबीटेक के अनुसार, उसके क्रूजर वाई 1 व क्रूजर एस2 रोबोट सामग्री उतारने, उन्हें व्यवस्थित ढंग से रखने, लोड करने और उत्पादन क्षेत्र में एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने जैसे काम करते हैं।

इंसानी निगरानी न के बराबर : कंपनी का कहना है कि एक ही उत्पादन लाइन पर रोबोट के अलग-अलग मॉडल बनाए जा सकते हैं। पूरी तरह अलग-अलग असेंबली सिस्टम की जरूरत नहीं पड़ती। स्मार्ट और अन्य प्रकार की मशीनें आपस में मिलकर काम करती हैं और इस प्रक्रिया में इंसानों की निगरानी बहुत कम या लगभग न के बराबर होती है।

चार घंटे का परीक्षण : फैक्ट्री से किसी ह्यूमनॉइड रोबोट के बाहर निकलने से पहले उसकी विस्तृत जांच की जाती है। इसमें करीब चार घंटे का समय लगता है। इसके बाद उसकी 360 डिग्री विजुअल इंस्पेक्शन की जाती है। इसमें हर कोण से रोबोट की बाहरी स्थिति और बनावट की जांच की जाती है।

तेजी से बढ़ रहा उत्पादन : चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार, देश में जुलाई में 98,677 औद्योगिक रोबोट बनाए गए जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 30.2 प्रतिशत अधिक है। इस साल के पहले सात महीनों में औद्योगिक रोबोटों का उत्पादन 6,35,056 इकाइयों तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 28.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक का बड़ा फैसला: राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव को दरकिनार कर फेड ने बढ़ाई ब्याज दरें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जिद्दी बनी महंगाई पर लगाम कसने के लिए केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। व्हाइट हाउस के लगातार दबाव को दरकिनार करते हुए फेडरल रिजर्व ने बुधवार को बेंचमार्क ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। वर्ष 2023 के बाद से यह पहला मौका है जब अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में इजाफा किया है। इस फैसले से न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कम ब्याज दरों की मांग को झटका लगा है, बल्कि इसका असर वैश्विक बाजारों पर भी देखने को मिल सकता है।

महंगाई पर लगाम लगाने के लिए उठाया सख्त कदम : फेडरल रिजर्व ने मुख्य ब्याज दर (बेंचमार्क रेट) में 25 बेसिस प्वाइंट (0.25 फीसदी) की बढ़ोतरी की है। इस फैसले के बाद अमरीका में मुख्य ब्याज दर बढ़कर लगभग 3.9 फीसदी हो गई है। बैंक के इस कदम का सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा, जिससे समय के साथ होम लोन, ऑटो लोन और क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दरें महंगी हो जाएंगी। त्रैमासिक अनुमानों को जारी करते हुए फेड की दर-निर्धारण समिति (एफओएमसी) ने संकेत दिया है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए इस साल के अंत तक ब्याज दरों को एक बार फिर बढ़ाकर 4.1 फीसदी तक किया जा सकता है।

केंद्रीय बैंक ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया, 'आज की नीतिगत कार्रवाई मुद्रास्फीति (महंगाई) को केंद्रीय बैंक के दो प्रतिशत के लक्ष्य पर समयबद्ध तरीके से वापस लाने में मदद करेगी।'

चुनाव से ठीक पहले आम जनता पर दोहरा बोझ : फेड का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी जनता पहले से ही खाद्य पदार्थों, पेट्रोल-डीजल और आवास की बढ़ती कीमतों से जूझ रही है। अमेरिका में महज सात हफ्ते बाद मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं, और ऐसे में बढ़ती महंगाई चुनावी अभियानों का सबसे मुख्य मुद्दा बन चुका है। ब्याज दरों के बढ़ने से आम उपभोक्ताओं के लिए कर्ज लेना और महंगा हो जाएगा।

चेयरपर्सन केविन वॉश का क्या रुख : यह फैसला फेडरल रिजर्व के नए चेयरपर्सन केविन वॉश के रुख में आए एक बड़े मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नियुक्त किए गए केविन वॉश ने इसी साल मई में फेड अध्यक्ष का पद संभाला था। पिछले साल जब ट्रंप इस पद के लिए उनके नाम पर विचार कर रहे थे, तब वॉश ने कई बार संकेत दिए थे कि फेड ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। उन्होंने कम ब्याज दरों की राष्ट्रपति ट्रंप की मांग का समर्थन भी किया था। हालांकि, पद संभालने और लगातार ऊंची बनी महंगाई के आंकड़ों के बीच वॉश ने राजनीतिक दबाव के बजाय केंद्रीय बैंक की नीतिगत स्वायत्तता और महंगाई नियंत्रण को प्राथमिकता दी है।

यूरोपीय संघ: 13 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर लगे रोक, सख्त नियमों का रखा प्रस्ताव

ब्रुसेल्स , एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। 27 सदस्यीय देशों के संघ ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन बुधवार को स्ट्रासबर्ग में स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन पर अपने सालाना भाषण के दौरान 13 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और चैटबॉट इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा। इससे बड़ी उम्र के किशोरों के लिए भी कड़े नियम प्रस्तावित किए हैं।

लेयेन ने कहा कि कई लोग बड़ी टेक कंपनियों की ताकत को बहुत अधिक मानते हुए उसे कम करना नामुमकिन मानते हैं, लेकिन हम इससे सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि कि बच्चों को लत लगाने वाले फीचर्स, अत्यधिक उग्र सामग्री, लड़कियों की फोटो का इस्तेमाल, एआई से बनाई गई यौन तस्वीरों के खतरे से बचाया जाना चाहिए। उन्होंने इस तरह के प्रतिबंधों का चरणबद्ध खाका पेश किया।

नियमों पर आज साफ हो सकती है स्थिति : उन्होंने कहा कि 13 से 15 साल के बच्चों को समय-सीमा के साथ अभिभावकों की देखरेख वाले मिनी अकाउंट्स दिए जाएंगे, जबकि 15 से 18 साल के किशोरों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को सुरक्षित डिजाइन उपलब्ध कराना होगा। इस प्रस्ताव को लेकर अधिक जानकारी गुरुवार को आने की उम्मीद है।

एआई पर कनाडा-ब्रिटेन का

लेगा सहयोग : यूरोपीय संसद के सबसे बड़े समूह के प्रमुख मैनफ्रेड वेबर ने उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया एल्गोरिदम बंद करने का विकल्प देने का भी प्रस्ताव रखा। लेयेन ने एआई पर कनाडा और ब्रिटेन के साथ सहयोग से मिलकर काम करने की बात कही, जिसमें मॉडल मूल्यांकन, सत्यापन, शुरुआती चेतावनी और एआई सुरक्षा शामिल हैं। ईयू ने यह कदम स्पेन, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका की बच्चों के हित में सोशल मीडिया कंपनियों की नकले कसने की पहलों के बाद उठाया है। प्रस्ताव के मुताबिक ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन समेत सभी 27 देशों में 13 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों को केवल माता-पिता की निगरानी और नियंत्रण वाले मिनी अकाउंट इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी।

ट्रंप प्रशासन का फैसला: गोरों के खिलाफ भेदभाव के आरोपों पर होगा एक्शन, दक्षिण अफ्रीकी अफसरों पर लगाया बैन

केप टाउन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को एक नई घोषणा की। प्रशासन का कहना है कि वे उन अधिकारियों के यात्रा पर प्रतिबंध लगाएगा, जिनके बारे में यह दावा है कि वे दक्षिण अफ्रीका में गोरों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ भेदभाव के लिए जिम्मेदार हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने क्या कहा : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार को कहा कि वह उन विदेशी नागरिकों के अमेरिकी वीजा रद्द कर देंगे या वीजा आवेदनों को अस्वीकार कर देंगे, जो दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक जातीय और नस्लीय समूहों के खिलाफ बिना मुआवजे के भूमि अधिग्रहण, नस्ल-आधारित भेदभाव और हिंसा भड़काने की अनुमति देने वाले कानूनों और नीतियों को लागू करने या उनका पालन करने के लिए जिम्मेदार या इसमें शामिल पाए जाते हैं। रुबियो ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका इस तरह के व्यवहार को बेरोकटोक नहीं चलने देगा। ये कार्रवाइयां सीधे तौर पर शांति, आर्थिक स्थिरता और कानून के शासन को कमजोर करती हैं। ये अमेरिका की विदेश नीति के मूल सिद्धांतों के विपरीत हैं।'

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने क्या कहा : दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने श्वेत लोगों के खिलाफ भेदभाव के अमेरिकी आरोपों को

दृढ़ता से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले साल सत्ता में लौटने के बाद से प्रशासन की ओर से किए गए दावे निराधार और गलत सूचना का परिणाम हैं।

क्या अधिकारियों की पहचान हुई है : रुबियो ने उन अधिकारियों की पहचान नहीं की जिन्हें यात्रा प्रतिबंधों के तहत निशाना बनाया जाएगा। हालांकि दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक श्वेतों के एक लॉबी समूह ने पहले अमेरिका से अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस पार्टी के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था, जो दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा की पार्टी है और दक्षिण अफ्रीका की संसद में सबसे बड़ी पार्टी है।

दक्षिण अफ्रीका ने क्या दावा किया : यह ट्रंप प्रशासन का दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध लगाने का ताजा कदम है। दक्षिण अफ्रीका का दावा है कि वहां की अश्वेत-नेतृत्व वाली सरकार गोरों, और खासकर अफ्रीकनर समुदाय के साथ भेदभाव कर रही है। अफ्रीकानर मुख्य रूप से डच और फ्रांसीसी औपनिवेशिक प्रवासियों के वंशज हैं, जो पहली बार 17वीं शताब्दी में दक्षिण अफ्रीका आए थे। वे दक्षिण अफ्रीका की पिछली नस्लीय भेदभाव प्रणाली के केंद्र में थे। दक्षिण अफ्रीका की 62 मिलियन आबादी में लगभग 45 लाख श्वेत लोग हैं, जिनमें ब्रिटिश या अन्य मूल के श्वेत लोग भी शामिल हैं। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में गोरों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोधी रुख के सबूत के तौर पर कुछ विवादित कानूनों और नीतियों का हवाला दिया है। इनमें दक्षिण अफ्रीका का वह विवादित कानून शामिल है, जो कुछ खास हालात में बिना किसी मुआवजे के इस्तेमाल न हो रही निजी जमीन को जब्त करने की इजाजत देता है। इसके साथ ही, अश्वेतों और अन्य लोगों के लिए अवसर बढ़ाने वाली 'अफरमेटिव एक्शन' (सकारात्मक कार्रवाई) नीतियां और गोरे किसानों के खिलाफ हिंसा की कुछ घटनाएं भी इसमें शामिल हैं।

ट्रंप प्रशासन ने दक्षिण अफ्रीका के उस कदम की भी कड़ी आलोचना की है, जिसमें उसने संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में एक बेहद संवेदनशील मामले के तहत अमेरिकी सहयोगी इस्राइल पर गाजा में फिलिस्तीनियों के नरसंहार का आरोप लगाया है।

आजमा कर देखें सेहत के लिए असरदार दवा है म्यूजिक थेरेपी

कल्पना कीजिए... सुबह-सुबह का समय... पक्षियों की चहचहाहट और हवा की मधुर सरसराहट के बीच आप भी बगीचे में ध्यान लगा रहे हैं, अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... निश्चित ही यह एक सुखद अहसास है। यकीनन यह संगीत की ताकत है। वैसे भी कहा गया है कि संगीत मधुरता के साथ भावनाएं व्यक्त करने का ऐसा माध्यम है, जो सीधा आत्मा को छूता है। संगीत को हमेशा से मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा गया है। संगीत इंसान को खुश, दुखी या तनावपूर्ण बना सकता है। इसीलिए कोई आश्चर्य नहीं कि प्राचीन समय से संगीत को एक मरहम के रूप में प्रयुक्त किया गया है। यहां तक कि मेडिसिन के जनक कहे जाने वाले हिप्पोक्रेट्स भी विभिन्न बीमारियों में म्यूजिक थेरेपी का इस्तेमाल करते थे। समय के साथ विज्ञान और तकनीक का विकास हुआ और आज इंसान के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि म्यूजिक एक असरदार दवा के रूप में काम कर सकता है। जानिए म्यूजिक थेरेपी के बारे में –

मैजिक ऑफ म्यूजिक

म्यूजिक वास्तव में विभिन्न वाइब्रेशन्स की सीरीज है, जो साउंड क्रिएट करते हैं। चूंकि शरीर इन वाइब्रेशन्स को ग्रहण करता है, इसलिए इससे कई शारीरिक बदलाव भी होते हैं। म्यूजिक के प्रकार पर निर्भर करते हुए ये बदलाव अच्छे या बुरे हो सकते हैं। जहां शांत संगीत तनाव घटाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है, वहीं ज्यादा शोर वाला संगीत लोगों को गुस्सैल बनाता है और आत्महत्या वाले विचार पैदा करता है। हालांकि संगीत के शरीर पर होने वाले असर का अब तक अध्ययन जारी है।

बच्चों में अलर्ट रहने की आदत बढ़ी

संगीत के असर को समझने के लिए बेथ इजराइल मेडिकल सेंटर के लुईस आर्मस्ट्रॉन्ग सेंटर ऑफ म्यूजिक एंड मेडिसिन में एक रिसर्च की गई। इसमें 32 हफ्तों वाले 272 प्री-मैच्योर नवजात शिशुओं को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि इन नवजात शिशुओं को जब किसी भी रूप में संगीत (गाना या इंस्ट्रूमेंटल) सुनाया गया तो उनकी हार्ट रेट धीमी पड़ गई। इसमें भी गाने के बोल वाला संगीत ज्यादा असरदार रहा। इससे बच्चों के शांत, लेकिन अलर्ट रहने की आदत भी बढ़ी। इसी स्टडी के लेखक जोनन लोवी के मुताबिक, म्यूजिक थेरेपी से माता-पिता का तनाव भी कम हुआ है।

मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है संगीत

मनोवैज्ञानिक डेनियल जे. लेविटिन कहते हैं, कि आजकल शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए गाने, ध्वनि और लय का बेहतर उपयोग किया जाने लगा है। यह न केवल नवजात शिशुओं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है। डेनियल के अनुसार कि हमें इस बात के पुख्ता प्रमाण मिल चुके हैं कि ऑपरेशन थिएटर से लेकर फैमिली क्लीनिक तक में म्यूजिक हेल्थ-केयर की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अपनी एक किताब में विस्तार से बताया है कि किसी तरह संगीत सेहत को प्रभावित करता है।

क्या है म्यूजिक थेरेपी?

जब कोई मान्यता प्राप्त म्यूजिक थेरेपिस्ट अपने विभिन्न प्रकार के म्यूजिक की मदद से इंसान को उसकी परेशानी या बीमारी से उबरने में सहायता करता है तो इसे म्यूजिक थेरेपी कहते हैं। म्यूजिक थेरेपिस्ट इस बात का गहरा जानकार होता है कि किस तरह संगीत लोगों में भावनात्मक प्रतिक्रियाएं पैदा कर उन्हें आराम और सुकून पहुंचा सकता है। म्यूजिक थेरेपिस्ट, इंसान की बीमारी के हिसाब से उस म्यूजिकल स्टाइल का पता लगाता है, जो मरीज को ध्यान की अवस्था में पहुंचा सके और उसके लिए फिजिकल रिहेब सेशन के रूप में काम कर सके। म्यूजिक थेरेपिस्ट पता लगा लेते हैं कि मरीज को किस तरह का म्यूजिक पसंद है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की मैग्जीन हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में एक म्यूजिक थेरेपिस्ट हॉली चार्ट्रेंड का जिक्र है। ये हार्वर्ड से संबद्ध मैसेचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में म्यूजिक थेरेपिस्ट हैं। उन्होंने सबसे पहले एक सिंगर को तैयार किया। वह एक महिला थी, जिसके मन में म्यूजिक की मदद से दूसरों की मदद करने का विचार आया और उसने म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने का ठान लिया। वह कहती हैं कि मेरे काम का सबसे अच्छा पक्ष यह देखना है कि जो शख्स अच्छा महसूस नहीं कर रहा है, संगीत उसकी जिंदगी में कितना बड़ा असर डाल सकता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ होस्पाइस एंड पालिएटिव मेडिसिन मैग्जीन में लिखा है कि म्यूजिक थेरेपी से तनाव घटता है, मरीज रिलेक्स महसूस करता है, उसे दर्द से मुक्ति मिलती है, इमोशनल सपोर्ट मिलता है और अच्छा महसूस होता है। इस अध्ययन में 57 मरीजों और 53 परिजन को म्यूजिक थेरेपी दी गई थी। मरीजों ने बताया कि उन्हें तनाव और दर्द से मुक्ति मिली है। इस तरह म्यूजिक जिदंगी की गुणवत्ता तो बढ़ाता ही है, बीमारी और अन्य विकार से उबरने में भी सहायक है।

संगीत सुनने से एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए का बनना हो जाता है तेज

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि संगीत सुनने से शरीर में एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए (आईजीए) का बनना तेज हो जाता है। साथ ही मारक क्षमता रखने वाली सेल्स (कोशिका) बढ़ जाती है। इन सेल्स का काम विभिन्न वायरस के हमलों से रक्षा करना और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। इसके साथ ही म्यूजिक तनाव तो कम करता ही है। यही कारण है कि म्यूजिक का संबंध रिलेक्सेशन से है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2591

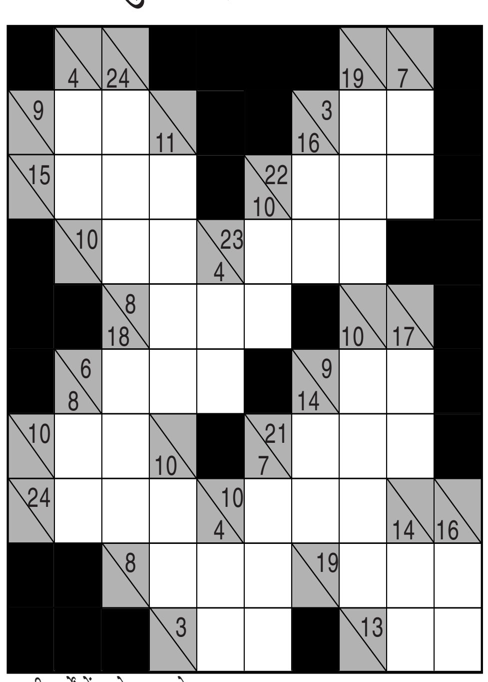

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

10/6 → 1 2 3 4 ; ↓ 1 2 3

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2590 का हल

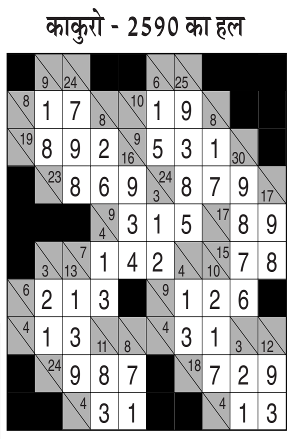

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2591

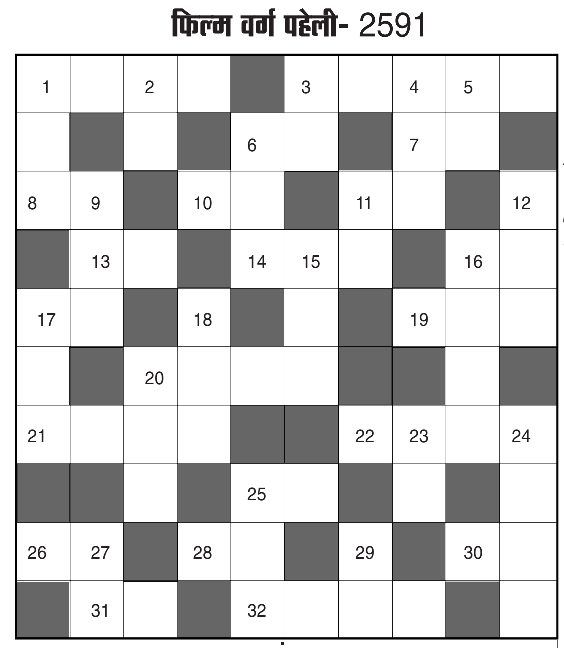

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2590

सूडोकु -2591

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2590 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली -2591

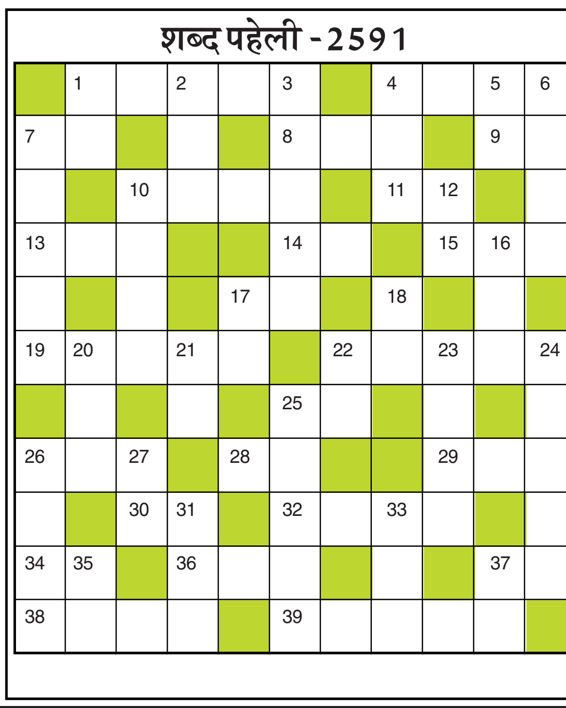

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरैया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2590 का हल

जंतर-मंतर पर धरने की अनुमति न मिलना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश : एआईएमपीएलबी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने जंतर-मंतर पर आज प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की अंतिम समय में दिल्ली पुलिस से अनुमति न मिलने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। बोर्ड ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकार हैं और प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से इन पर अंकुश नहीं लगाया जाना चाहिए। मौलाना असगर अली इमाम महदी सलाफी, महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दिदी, सचिव मौलाना मोहम्मद उमरैन महफ़ूज़ रहमानी, प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास ने बताया कि बोर्ड प्रवक्ता और ''संविधान बचाओ, देश बचाओ'' अभियान के संयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास पिछले दस दिनों के दौरान तीन बार पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन गए और थाना प्रभारी (एसएचओ) तथा पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को आश्वासन दिया कि धरने में शामिल होने वाले लोगों की संख्या निर्धारित सीमा के भीतर रहेगी।

सांसद महुआ मोइत्रा ने मुस्लिम अधिकारियों को अमित शाह के कार्यक्रमों से अलग रखने का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के तहत अल्पसंख्यक मामलों के विशेष प्रतिवेदक प्रोफेसर निकोलस लेवरात को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरों से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रमों में वरिष्ठ मुस्लिम भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को कथित तौर पर अलग रखे जाने का मुद्दा उठाया है। यह जानकारी सामने आई। महुआ मोइत्रा ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि जुलाई और अगस्त में अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरों के दौरान तीन अलग-अलग मौकों पर मुस्लिम अधिकारियों को सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों से बाहर रखा गया या उन्हें उपस्थित नहीं होने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सिलीगुड़ी के पुलिस आयुक्त वकार रज़ा, पश्चिम बंगाल पुलिस के एसटीएफ प्रमुख जावेद शमीम और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी खलील अहमद का उल्लेख किया है।

2.20 करोड़ के इनामी नक्सली असीम मंडल की पश्चिम बंगाल में गिरफ्तारी के बाद कोल्हान में बढ़ी सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता

पश्चिमी सिंहभूम। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के केंद्रीय कमेटी सदस्य (सीसीएम) असीम मंडल उर्फ आकाश के पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार होने के बाद झारखंड के कोल्हान क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता बढ़ गई है। पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस असीम मंडल को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान कोल्हान क्षेत्र में माओवादी संगठन के नेटवर्क, पुराने नक्सली मामलों, हथियार और विस्फोटक के ठिकानों तथा संगठन से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित रेनू ने बताया कि असीम मंडल को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।वहीं, पूर्वी सिंहभूम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. एहतेशाम वकारिब ने भी मामले को लेकर आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। खुफिया विभाग असीम मंडल से जुड़े मामलों और कोल्हान क्षेत्र में उसकी कथित गतिविधियों से संबंधित जानकारी जुटा रहा है।

15 साल से फरार शीर्ष माओवादी नेता असीम मंडल उर्फ आकाश को एसटीएफ ने पकड़ा, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने की पुलिस की सराहना

कोलकाता। सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के पाटाशपुर के लालाट इलाके से शीर्ष माओवादी नेता असीम मंडल उर्फ आकाश को गिरफ्तार किया है।मंडल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य और पश्चिम बंगाल राज्य समिति-1 का सचिव बताया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, वह पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से अलग-अलग राज्यों के जंगलों में छिपकर पुलिस को चकमा दे रहा था। गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता पुलिस एसटीएफ के अधिकारियों और जवानों की सराहना की।

मुंबई दौरे पर उप-राष्ट्रपति ने किए लालबागचा राजा के दर्शन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर भी पहुंचे

एजेंसी

मुंबई । गणेश उत्सव शुरू होते ही पूरा महाराष्ट्र 'बप्पा' के जयघोष से गूंज उठता है। चारों ओर का माहौल भक्तिमय हो जाता है और इस भव्य उत्सव का सबसे बड़ा केंद्र 'लालबागचा राजा' हैं। बप्पा के दर्शन के लिए आम जनता से लेकर देश की बड़ी-बड़ी हस्तियां यहां पहुंचती हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को देश के उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने लालबागचा राजा के दरबार में हाजिरी लगाई और बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास भी गए। भारत के उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वे लालबागचा राजा के दर्शन करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'आज मुंबई में लालबागचा राजा के दिव्य दर्शन कर गणपति जी की पूजा-अर्चना की। लालबागचा राजा मुंबई की जीवंत सांस्कृतिक विरासत, गहरी भक्ति और मजबूत सामुदायिक भावना का लोकप्रिय प्रतीक है। विघ्नहर्ता से सभी के कल्याण, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। गणपति बप्पा मोरया!' सी. पी. राधाकृष्णन ने

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनके घर पर स्थापित बप्पा का आशीर्वाद भी लिया। भारत के उप-राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वे बप्पा की आरती करते नजर आ रहे हैं।

पोस्ट कर सी. पी. राधाकृष्णन ने लिखा, 'आज मुंबई दौरे के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर भगवान गणेश जी के दर्शन कर विघ्नहर्ता की पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। '

वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी भारत के उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का तहे दिल से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आवास में आने की जानकारी दी। साथ ही, उनके लिए अपने मन के भाव को शब्दों के जरिए भी उतारा।

उन्होंने लिखा, 'आज मुंबई में वर्षा बंगले पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन जी का गणपति बप्पा के दिव्य दर्शन और आशीर्वाद के लिए स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। '

मुंबई के परेल इलाके में स्थित लालबाग का राजा देश का सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय सार्वजनिक गणेश मंडल है। साल 1935 से कंबली परिवार (कंबली आर्ट्स) ही लगातार लालबागचा राजा की इस भव्य प्रतिमा को बनाता आ रहा है।

'कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं'

अमृतसर में एएसआई की हत्या पर बोले कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी

एजेंसी

चंडीगढ़ । कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शुक्रवार को अमृतसर में एएसआई हरजीत सिंह की हत्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस घटना से पता चलता है कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं है। कांग्रेस सांसद ने केंद्र व राज्य सरकार से कड़े कदम उठाने की भी मांग की। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, 'यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक पुलिसकर्मी को गोली मारी गई और उनकी जान चली गई। इससे अधिक दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है? यह साफ दिखाता है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं है।' उन्होंने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और यहां बाहरी ताकतों, खासकर हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान का हस्तक्षेप रहता है। ड्रोन के जरिए ड्रग्स और हथियार भी आते हैं। इसलिए, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की यह जिम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत मजबूत और दुरुस्त रहे।

अमृतसर के भगतनवाला में ड्यूटी के दौरान एएसआई हरजीत सिंह की मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई, जब हमलावर अधिकारी के पास पहुंचे और बहुत करीब से उन पर कई गोलियां चलाईं। हमले के बाद हरजीत सिंह को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वह तरनतारन जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने गोलीबारी की परिस्थितियों और हमलावरों की पहचान के बारे में जांच शुरू कर दी है। वहीं, पंजाब में ड्रग्स की स्थिति पर मनीष तिवारी ने कहा कि राज्य को अभी भी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कहता है कि आज पंजाब में ड्रग्स की समस्या नहीं है, तो वह पंजाब के लोगों को गुमराह कर रहा है। मनीष तिवारी ने कहा, 'जब 1995 में पंजाब में आतंकवाद का दौर खत्म हुआ, तो पाकिस्तान ने नार्को-टेररिज्म का दौर शुरू कर दिया। लोगों को यह पूरी तरह समझने में लगभग डेढ़ दशक लग गया कि क्या हो रहा था। 2009-2010 तक, लोगों को यह एहसास होने लगा कि यह पंजाब और देश को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश थी।

मुरैना में रिक्शे से टकराकर सड़क पर गिरे बाइक सवार, ट्रक ने कुचला

देवर-भाभी और 2 बच्चों की मौत

एजेंसी

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में नेशनल हाईवे-44 पर नूराबाद थाना क्षेत्र में जेके टायर फैक्ट्री के पास दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार देवर-भाभी और दो बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाइक पहले सड़क किनारे खड़े कचरा ढोने वाले रिक्शे से टकराई। टक्कर के बाद चारों सड़क पर जा गिरे और इसी दौरान पीछे से आए ट्रक की चपेट में आ गए। नूराबाद थाना प्रभारी एसआई सौरभ पुरी के अनुसार, बाइक सवार ग्वालियर की ओर से आ रहे थे। जेके टायर फैक्ट्री के पास सड़क पर कचरा

ढोने वाला रिक्शा खड़ा था। बाइक उससे टकराने के बाद अनियंत्रित हो गई और उस पर सवार चारों लोग सड़क पर गिर गए।

इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सूरज कुशवाह (18) पुत्र दीवान कुशवाहा, निवासी बासी, नीरज कुशवाह (20) पत्नी अजय कुशवाहा, निवासी भोना का पूरा, लोहगढ़, श्रीकांत कुशवाह (10) पुत्र श्रीचंद्र कुशवाह (नीरज का भाई) और राजकुमारी (8) पुत्री बलबीर कुशवाह (नीरज की भतीजी) की मौत हो गई। सूचना मिलने पर नूराबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, हादसे की परिस्थितियों और ट्रक की भूमिका की जांच की जा रही है। घटनास्थल से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

राजस्थान में मानसून की विदाई से पहले झमाझम बारिश

उदयपुर में पुल पर बही नदी, टोंक में फसलें जलमग्न, कोटा जंक्शन पर शॉर्ट सर्किट से हड़कंप

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान से 19 सितंबर से मानसून की विदाई की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है, लेकिन जाते-जाते मानसून का अंतिम चरण प्रदेश को बुरी तरह भिगो रहा है। गुरुवार रात से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार को भी जारी रहा। उदयपुर, सलूंबर, चित्तौड़गढ़, टोंक और कोटा सहित कई जिलों में भारी बारिश से जहाँ नदियां और नाले उफान पर हैं, वहीं पारे में 7 डिग्री सेल्सियस तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज (शुक्रवार को) भी राज्य के 28 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। प्रमुख जिलों में बारिश का तांडव और नुकसान : उदयपुर और सलूंबर (नदी उफान पर): उदयपुर और सलूंबर में गुरुवार रात से रुक-रुककर हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। सलूंबर के

झल्लारा में सरनी नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि पानी पुल के ऊपर से बहने लगा। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने रास्ते पर ट्रैफिक रोक दिया है। चित्तौड़गढ़ (रातभर मूसलाधार, झरने बहे) : जिले के रावतभाटा क्षेत्र में गुरुवार देर रात करीब 1:30 बजे शुरू हुई बारिश शुक्रवार सुबह तक जारी रही। भारी बारिश के चलते ब्राह्मणी नदी का जलस्तर बढ़ा और डब्को झरना तेज बहाव के साथ बहने लगा। राणा प्रताप सागर बांध के कैचमेंट एरिया में 9.20 मिमी बारिश दर्ज की गई है। टोंक (कटी फसलों को भारी नुकसान) : टोंक जिले में रातभर हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटकर रखी हुई पके फसलों के पानी में डूब जाने से वे पूरी तरह खराब हो गई हैं। कोटा जंक्शन (बिजली पैनल में आग) : कोटा जंक्शन पर भारी बारिश के बीच अचानक एक बिजली के पैनल में शॉर्ट सर्किट हो गया। पैनल में भीषण आग लगते ही स्टेशन पर यात्रियों में हड़कंप मच गया और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पिछले 24 घंटों के दौरान सवाई माधोपुर, करौली, नागौर, अजमेर और जयपुर में 4 इंच (100 मिमी) तक भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक, झुंझुनूं और बीकानेर जिलों में 2 इंच तक पानी बरसा है। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश के चलते प्रदेश भर में मौसम सुहावना हो गया है। पिलानी, श्रीगंगानगर, चूरू, बीकानेर, नागौर, फतेहपुर, झुंझुनूं और अजमेर में अधिकतम तापमान में 2 से लेकर 7 डिग्री सेल्सियस तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

भूपेन्द्र यादव की फिनलैंड की मंत्री से मुलाकात, जलवायु सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने फिनलैंड की जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री सारी मुल्ताला से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक के बाद भूपेन्द्र यादव ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत और फिनलैंड ने सर्कुलर इकोनॉमी, जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। नई दिल्ली में फिनलैंड की जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री सारी मुल्ताला के साथ द्विपक्षीय बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के प्रमुख निष्कर्षों पर चर्चा की गई। साथ ही सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में भारत-फिनलैंड साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने आगामी यूएनएफसीसीसी -कॉप 31 और सीबीडी कॉप 16 से जुड़े मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा, प्लास्टिक प्रदूषण पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएटिंग कमेटी के तहत आपसी हित से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक में दोनों देशों ने जलवायु कार्रवाई, संसाधनों के चक्रीय उपयोग, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के लिए आपसी सहयोग को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

एनएसयूआई परिसर में अपना जनाधार खो चुकी हैः डॉ. वीरेंद्र सोलंकी

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने विपक्षी दल पर आरोप लगाते हुए कहा कि नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) परिसर में अपना जनाधार खो चुकी है और अब बाहरी नेताओं के सहारे चुनावी गतिविधियां चला रही है। डॉ सोलंकी ने दिल्ली स्थित अभाविप कार्यालय में विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा कक्षाओं में जाकर प्रचार करना छात्र राजनीति की मर्यादा के विपरीत है।उन्होंने कांग्रेस की अन्य इकाइयों समेत आम आदमी पार्टी से जुड़े तत्वों की सक्रियता पर भी आपत्ति जताई। सोलंकी ने कहा कि परिषद के कार्यकर्ता पूरे वर्ष विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहते हैं, जिसका लाभ उन्हें चुनावी समर्थन के रूप में मिल रहा है। उन्होंने लिंगदोह समिति की सिफारिशों और न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय की कड़ी

टिप्पणियों का स्वागत किया। उन्होंने अभाविप कार्यकर्ताओं के साथ हुई कथित हिंसक घटना की निंदा करते हुए हमलावरों की पहचान कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की। चुनाव से ठीक एक दिन पहले अभाविप ने सभी चार प्रमुख पदों पर जीत का दावा करते हुए 4-0 से क्लीन स्वीप का भरोसा जताया है। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों पर छात्र राजनीति में 'बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप' करने का आरोप लगाया और चुनाव में हिंसा को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय और दिल्ली पुलिस प्रशासन से होने वाले मतदान को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने का आग्रह करते हुए अभाविप ने भरोसा जताया कि परिणाम पूरी तरह उनके पक्ष में रहेगा।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने किया कोलकाता साई केंद्र का दौरा

सुविधाओं का लिया जायजा

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कोलकाता के साल्ट लेक स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद खेल ढांचे, एथलीट विकास सुविधाओं और अन्य सहायता प्रणालियों की समीक्षा की। दौरे के दौरान उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने हॉकी मैदान का दौरा किया, जहां उन्होंने खिलाड़ियों और कोच के साथ बातचीत कर उनके प्रशिक्षण, सुविधाओं और जरूरतों पर फीडबैक लिया। उन्होंने जिमनास्टिक और टेबल टेनिस के इंडोर स्टेडियम का भी जायजा लिया और वहां मौजूद एथलीटों से मुलाकात की। समयऔर कैलेंडर

मंत्री ने खेल विज्ञान विभाग का

दौरा कर कर्मचारियों से बातचीत की और खिलाड़ियों के विकास, रिकवरी और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में वैज्ञानिक मदद की भूमिका पर चर्चा की। इस मौके पर साई कोलकाता के क्षेत्रीय निदेशक शिवानंद मिश्रा, ओलंपियन सोमा बिस्वास और पौलमी घटक, माई भारत के क्षेत्रीय निदेशक देव कुमार चटर्जी और भारतीय महिला रग्बी टीम की सदस्य मौजूद थीं। मंत्री ने अच्छी कोचिंग के साथ-साथ खेल विज्ञान, बेहतर पोषण और रिहैबिलिटेशन जैसी सुविधाओं को आपस में जोड़ने पर खास जोर दिया। अपने दौरे में रक्षा खडसे ने 300 बिस्तरों वाले नए खेलो इंडिया छात्रावास का भी निरीक्षण किया और खिलाड़ियों के लिए तैयार की जा रही आवासीय सुविधाओं का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने तीरंदाजी और एथलेटिक्स मैदान में जाकर कोच और खिलाड़ियों से उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। सुविधाओं के निरीक्षण के बाद उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र के कामकाज को लेकर साई अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की।

उन्होंने जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने और युवा एथलीटों को उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में हर संभव मदद का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की खेल संस्कृति बहुत समृद्ध है और इसे बेहतर बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक प्रशिक्षण तथा अच्छी कोचिंग के जरिए और मजबूत किया जा सकता है।

मप्र में ग्रामीण आबादी को मिलेगा अपनी संपत्ति का अधिकार : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वामित्व योजना शुरू होने से ग्रामीण आबादी को उनका अधिकार मिलेगा। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के 23 हजार से अधिक गांवों में एक माह तक अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का अभियान चलाया जा रहा है। पैतृक और अपनी संपत्ति हर परिवार का सपना होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद नितिन नवीन की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना में निजी सम्पत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री दस्तावेज प्रदान करने के अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पहली बार मध्य प्रदेश की धरती पर आगमन हुआ है। हम सभी उनका अभिनंदन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को भारत की शक्ति से परिचित करवाया है। हाल ही में नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान दुनिया ने इसे महसूस किया है। प्रधानमंत्री मोदी देशवासियों के कल्याण के लिए कई योजनाओं के माध्यम से लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिवस है और भगवान विश्वकर्मा की भी जयंती है। भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि की रचना के साथ-साथ सभी प्रकार के छोटे काम करने वालों को स्वावलंबन की राह दिखलाई। राज्य सरकार छोटे कामगारों के साथ खड़ी है। हमारी सरकार ने लाड़ली बहनों के कल्याण के लिए 55 हजार करोड़ से अधिक राशि अब तक उनके खातों में अंतरित की है। माताओं-बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश समृद्ध हो रहा है। बहनों को रोजगार आधारित उद्योग में काम करने पर हर माह 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि का लाभ अलग से मिलेगा। हमारी सरकार उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही हैं, जहां भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम के चरण पड़े हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को निःशुल्क पंजीयन विलेख (रजिस्ट्री) प्रदान किए।

एशियाडः भारतीय खिलाड़ियों के लिए बुक कराने पड़े अतिरिक्त कमरे

शटलर–वेटलिफ्टर भी एयरपोर्ट पर करते रहे इंतजार

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के शुरू होने से पहले ही जापान में भारतीय खिलाड़ियों की परेशानियां दूर होने का नाम नहीं ले रही हैं। आयोजकों की खामी के चलते रोइंग, शूटिंग के बाद बैडमिंटन और वेटलिफ्टिंग टीम को नागोया में कई घंटे एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा।

नागोया में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से बुक कराए गए कमरों की संख्या पहले से ही कम कर दी गई है। 20 और 21 सितंबर को सभी भारतीय खिलाड़ी नागोया पहुंच रहे हैं। खिलाड़ियों के लिए कमरों की देखते हुए भारतीय दल के शेफ डी मिशन सहदेव यादव ने एजेंट के जरिये बृहस्पतिवार को होटल में 15 अतिरिक्त कमरे बुक कराए हैं। आयोजकों ने भारतीय खिलाड़ियों के तकरीबन 40 कमरे कम बुक किए हैं।

खिलाड़ियों के लिए बुक नहीं थे कमरे

सहदेव यादव का कहना है कि अभी खिलाड़ियों के ठहरने को लेकर कोई दिक्कत नहीं आ रही है, लेकिन 20 और 21 सितंबर को जब पूरा भारतीय दल यहां पहुंचेगा तो सभी के रुकने के लिए कमरे नहीं हैं। कोई परेशानी न हो इसलिए नागोया से एक घंटे की दूरी पर 15 अतिरिक्त कमरे बुक कराए गए हैं। जिन खिलाड़ियों को यहां ठहरने की व्यवस्था नहीं होगी। उन्हें इस होटल में ठहराया जाएगा।

मीरा भी एयरपोर्ट पर फंसी रहीं

भारतीय खिलाड़ियों को ट्रांसपोर्ट के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा रहा है। भारतीय शूटिंग टीम को ट्रांसपोर्ट नहीं मिलने से उनकी ट्रेनिंग बाधित हुई है। बैडमिंटन टीम बुधवार की रात तकरीबन छह घंटे तक एयरपोर्ट पर फंसी रही। यही नहीं कोच विजय शर्मा के साथ बृहस्पतिवार को नागोया पहुंची मीराबाई चानू को भी एयरपोर्ट पर कई घंटे बैठे रहना पड़ा। बुधवार को रोइंग टीम को क्रूज शिप में ठहरने के लिए नौ से 10 घंटे इंतजार करना पड़ा था। रोइंग टीम ने अपने पास से खाना खाया। हालांकि आईओए ने रोइंग दल से कहा है कि उनके खाने के पैसे का भुगतान कर दिया जाएगा।

चार खिलाड़ियों को बदला जाएगा

आईओए ने चार चोटिल खिलाड़ियों के बदलाव के लिए आयोजकों से प्रार्थना की है। चोटिल लॉन्ग जंपर शाहनवाज खान की जगह डेविड सोलोमन, क्रिकेटर वरुण चक्रवर्ती की जगह विप्रज निगम, तलवारबाज प्राची मोहन की जगह अनुप्रिया और रग्बी खिलाड़ी प्रभाती हंसदा की जगह मामा नायक को बदलने के लिए कहा गया है। इन बदलाव के लिए आयोजकों की हरी झंडी का इंतजार है।

शेफाली-श्री चरणी का धमाका!

भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में

निशिन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। जापान के निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने जापान को आठ विकेट से हरा दिया। 58 रन के लक्ष्य को भारत ने पांच ओवर में हासिल कर लिया। शेफाली वर्मा ने विनिंग सिक्स लगाया। वह 15 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं, ऋचा घोष छह गेंद में दो चौके की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब सेमीफाइनल में 20 सितंबर को भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में उसी दिन पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने होंगी।

जापान की पारी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। जापान की टीम 19.5 ओवर में 57 रन पर सिमट गई थी। टीम को पहला झटका सातवें ओवर में लगा था। हालांकि, इसके बाद जैसे ही पहला विकेट गिरा, जापान की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। हारुना इवासाकी 10 रन, अयाका कातो स्टैफर्ड 47 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुईं। ये दोनों ओपनर्स ने ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। इसके बाद कप्तान माई यानागिदा खाता खोले बिना पवेलियन लौटीं।

वहीं, एरिका ओडा पांच रन, शिमाको कातो तीन रन, अकारी निशिमुरा कानो दो रन, हीनासी गोतो एक रन बना सकीं। अहिल्या चंदेल और एरिका तोगुची क्विन खाता खोले बिना आउट हुईं। भारत के लिए श्री चरणी ने चार विकेट झटके, वहीं शेफाली वर्मा को दो विकेट मिले। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने मलेशिया को हराया था

वहीं, श्रीलंका ने मलेशिया को 86 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। कप्तान चमारी अटापट्टू की 37 गेंदों पर तीन छक्कों और सात चौकों की मदद से खेली गई 63 रनों की पारी के दम पर श्रीलंका ने 20 ओवर में चार विकेट पर 160 रन बनाए थे। चमारी के अलावा काविशा दिल्हारी ने 27 गेंदों पर छह चौकों की मदद से नाबाद 44, हर्षिता समरविक्रमा ने 18 गेंदों पर 25 और हसिनी परेरा ने 23 रन की पारी खेली। मलयेशिया की तरफ से नूरीन इमानिना ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए।161 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी मलयेशिया की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 74 रन ही बना सकी और 86 रन से मैच हार गई। मलेशिया के लिए विनीफ्रेड दुरैसिंगम ने 28 और माहिरा इज्जती इस्माइल ने 24 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सकीं। श्रीलंका के लिए मिथाली अयोध्या, काविशा दिल्हारी और कप्तान चमारी ने दो-दो विकेट लिए।

पाकिस्तान की टीम को जूझना पड़ा

वहीं, पाकिस्तान ने क्वार्टर फाइनल में थाइलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पाकिस्तान को थाइलैंड पर जीत बहुत मुश्किल से मिली थी। पाकिस्तान ने थाइलैंड के दिए 92 रन के लक्ष्य को हासिल करने में अपने सात विकेट गंवा दिए थे। निर्धारित 11 ओवर के मैच में पाकिस्तान को दो गेंद पहले जीत मिली थी।

बांग्लादेश भी अंतिम-चार में

इसके अलावा बांग्लादेश ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उसका और चीन का सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। बेहतर सीडिंग की वजह से बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंच गया। सेमीफाइनल में उसका सामना 20 सितंबर को भारत और जापान के बीच जीत दर्ज करने वाली टीम से होगा।

शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगा: मनीषा

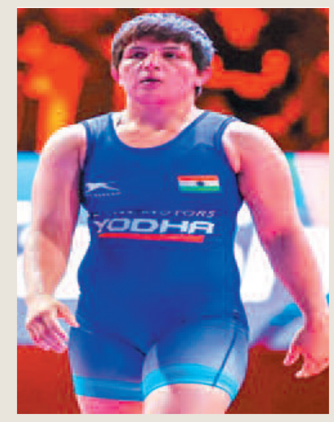

नई दिल्ली । भारतीय रेसलर मनीषा एशियन गेम्स 2026 में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके सामने एक नई चुनौती है क्योंकि उन्होंने 62 किलोग्राम कैटेगरी से 57 किलोग्राम कैटेगरी में बदलाव किया है। इस बदलाव के दौरान उन्होंने अपनी ताकत और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है, साथ ही दोनों तरह के स्टांस (मुद्रा) से रेसलिंग करने की काबिलियत विकसित करके अपने खेल में बड़ा बदलाव किया है। मनीषा ने कहा, 'मैं पहले ज्यादातर दाईं ओर से खेलती थी, लेकिन अब मैंने बाईं ओर से भी खेलना शुरू कर दिया है। मैं दोनों स्टांस पर काम करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं दोनों तरफ से खेलने में सहज महसूस करना चाहती हूं। मैं अपनी ताकत और तकनीक पर काम कर रही हूं, लेकिन सबसे जरूरी बात अपनी सोच बदलना और नई कैटेगरी के हिसाब से खुद को ढालना भी है।'

'बॉल-टैम्परिंग' की घटना कभी-कभी दिमाग में आ जाती है, दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले स्टीव स्मिथ का बयान

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाने वाली है। सीरीज से पहले टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उन्हें 2018 दौरे के दौरान हुई बॉल-टैम्परिंग की घटना अभी भी कभी-कभी दिमाग में आ जाती हैं। हालांकि, स्मिथ इस बात को लेकर चिंतित नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका में उनका स्वागत किस तरह होगा। मार्च 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के दौरान हुए विवाद में स्मिथ मुख्य लोगों में से एक थे। सैंडपेपर का इस्तेमाल करके गेंद की हालत बदलने की योजना में शामिल होने की बात मानने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटाते हुए घर भेज दिया गया था और एक साल के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट से निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर भी एक साल का बैन लगाया गया था।

कैमरन बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबति किया गया था। उस दौरे के लगभग आठ साल बाद, स्मिथ 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी कर रहे हैं।स्मिथ ने कहा, 'निलंबन से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह भूलना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मीडिया में उन्हें जबरदस्त चर्चा मिली थी। '

एशियाई खेल: भारत के लिए सरप्राइज पैकेज साबित हो सकते हैं ये पांच खिलाड़ी

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 का आगाज 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। भारत ने इस बार कुल 503 एथलीट का दल भेजा है, जो कुल 35 खेलों में हिस्सा लेंगे। हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जो इस मेगा इवेंट में भारत के लिए सरप्राइज पैकेज साबित हो सकते हैं। ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में जो पदक ला सकते हैं...

साक्षी चौधरी: महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने बेहद कम समय में अपनी खास पहचान बनाई है। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में साक्षी का प्रदर्शन जबरदस्त रहा था और वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही थीं। साक्षी ने फाइनल में रूबी व्हाइट के 68 मैचों से चले आ रहे जीत के सिलसिले को भी तोड़ दिया था। भले ही वह पहली बार एशियाई खेलों में हिस्सा ले रही हों, लेकिन वह अपने प्रदर्शन से हर किसी को हैरान करने का दमखम रखती हैं, जिसकी झलक वो कॉमनवेल्थ गेम्स में ही दिखा चुकी हैं।

अनाहत सिंह: महज 18 साल की उम्र में एशियाई खेल 2026 में हिस्सा लेने जा रहीं अनाहत सिंह स्क्वैश के खेल में दमदार प्रदर्शन कर सकती हैं। अनाहत ने अभी हाल ही में विश्व

स्क्वाश में भी मिल सकती है सफलता

जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीती थी। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थीं। अनाहत अपनी हालिया फॉर्म को अगर बरकरार रखने में सफल रहीं, तो वह देश की झोली में मेडल डाल सकती हैं।

अनुष्का यादव: एशियन गेम्स 2026 की एथलेटिक्स टीम में जगह बनाने वालीं अनुष्का यादव टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ सकती हैं। अनुष्का हैमर थ्रो स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम कर चुकी हैं। अब वह एशियाई खेलों में दमदार प्रदर्शन करके विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने को बेकरार होंगी।

आयुष शेट्टी: बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने अपने खेल से हर किसी को हैरान कर दिया था। उन्होंने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को हराते हुए बड़ा उलटफेर किया था। 21 वर्षीय आयुष पहली बार एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने जा रहे हैं। 6 फीट और 4 इंच का यह खिलाड़ी अपनी दमदार स्मैश और खेल के बूते एशियन गेम्स में भारत को मेडल दिला सकते हैं।

सिंड्रेला दास: टेबल टेनिस में सिंड्रेला ने अपने खेल से हर किसी का ध्यान खींचा है। सिंड्रेला की उम्र महज 17 साल है, लेकिन अपनी फुर्ती और शानदार खेल से वह बड़ी सी बड़ी खिलाड़ियों पर हावी नजर आई हैं।

34 गेंदों में 108 रन अभिषेक ने मचाई तबाही

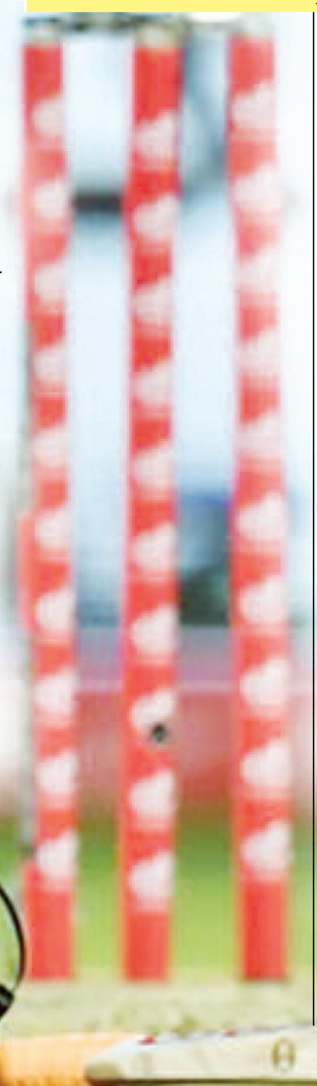

भारत-अफगानिस्तान... टूट गए टी20 के 12 रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने ऐसी पारी खेली, जिसने टी20 क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में कई नए पन्ने जोड़ दिए। उन्होंने महज 34 गेंदों में 108 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 317.64 रहा। अभिषेक ने अपनी पारी में नौ चौके और 11 छक्के लगाए। उनकी इस पारी का सबसे बड़ा आकर्षण 30 गेंदों में पूरा हुआ शतक रहा। यह भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगाया गया सबसे तेज शतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था, लेकिन अभिषेक का रिकॉर्ड सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ भी सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

30 गेंदों में शतक, भारत के लिए सबसे तेज

अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक है। इससे पहले भारत के लिए सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था। रोहित ने 22 दिसंबर 2017 को इंदौर में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था।अभिषेक ने इस रिकॉर्ड को पांच गेंद से बेहतर किया। इतना ही नहीं, किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी यह सबसे तेज शतक है। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 2026 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया था।

102 रन सिर्फ चौके-छक्कों से

अभिषेक ने अपनी 108 रन की पारी में 102 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से बनाए। यानी उनकी कुल पारी के 94.44 प्रतिशत रन बाउंड्रीज से आए। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाने वाले बल्लेबाज की पारी में बाउंड्रीज से आए रनों का यह सबसे बड़ा अनुपात है। इससे पहले यह रिकॉर्ड मुहम्मद फहद के नाम था। उन्होंने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ 120 रन बनाए थे, जिसमें 112 रन चौकों और छक्कों से आए थे। यह 93.33 प्रतिशत था। अभिषेक ने इस मामले में भी नया रिकॉर्ड बना दिया। उनकी 108 रन की पारी में सिर्फ छह रन ऐसे रहे, जो चौके या छक्के के अलावा आए।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय... तीसरा सबसे तेज शतक

अभिषेक का 30 गेंदों में आया शतक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे आगे सिर्फ एस्टोनिया के साहिल चौहान और तुर्किये के मुहम्मद फहद हैं। साहिल चौहान ने 2024 में साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में शतक लगाया था, जबकि मुहम्मद फहद ने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ 29 गेंदों में यह कारनामा किया था। अभिषेक शर्मा ने अपने शतक तक पहुंचने के लिए पारी के 8.3 ओवर का समय लिया। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह किसी बल्लेबाज के व्यक्तिगत शतक तक पहुंचने के लिए दूसरा सबसे कम ओवर है। इस मामले में भी उनसे आगे मुहम्मद फहद हैं। फहद ने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ सिर्फ 7.4 ओवर में अपना शतक पूरा कर लिया था। यानी अभिषेक ने यहां भी एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जहां उनसे आगे सिर्फ एक बल्लेबाज है। अभिषेक की पारी का असर सिर्फ उनके व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स तक सीमित नहीं रहा। भारत ने शुरुआती छह ओवरों में ही ऐसा स्कोर खड़ा कर दिया, जो उसके टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में नया रिकॉर्ड बन गया। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती छह ओवरों में बिना कोई विकेट गंवाए 100 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले भारत का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर 95 रन था, जो उसने 2025 में वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। उस दौरान भारत ने एक विकेट गंवाया था। दिलचस्प बात यह भी है कि उपलब्ध गेंद-दर-गेंद आंकड़ों के अनुसार भारत से पहले पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में आठ टीमें पावरप्ले में 100 या उससे ज्यादा रन बना चुकी थीं। अब भारत भी इस सूची में शामिल हो गया।अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ 108 रन की पारी के दौरान 11 छक्के लगाए।

प्रियदर्शन की फिल्म में वन्य संरक्षक जिम से प्रेरित किरदार करेंगे अक्षय

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दोनों की साथ में यह 9वीं फिल्म 1960 के दशक के भारत की पृष्ठभूमि पर बनी लाइट-हार्टेड कॉमिक थ्रिलर होगी। फिल्म में अक्षय का किरदार प्रसिद्ध शिकारी और वन्यजीव संरक्षक जिम कॉर्बेट से प्रेरित होगा। वह एक ट्रैकर और शिकारी की भूमिका में दिखेंगे, जो गांव को आदमखोर बाघों और तेंदुओं से बचाने के लिए हथियार उठाता है। बाद में जंगलों की कटाई और शिकारियों की क्रूरता देखकर उसका नजरिया बदलता है और वह जानवरों व प्रकृति का संरक्षक बन जाता है।

रियल लोकेशन पर होगी शूटिंग

अक्षय स्टारर इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी शूटिंग का तरीका होगा। प्रियदर्शन ने इस प्रोजेक्ट में भारी एआई या आर्टिफिशियल ग्रीन स्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया है। राजस्थान और गुजरात के घने जंगलों में स्टार्ट–टू–फिनिश शेड्यूल में इसकी शूटिंग की जाएगी। दर्शकों को स्क्रीन पर असली लोकेशन और जंगल का अनुभव मिलेगा। बता दें कि हालिया डार्क थ्रिलर 'हैवान' के बाद यह जोड़ी एक बार फिर रोमांच और कॉमेडी का नया कॉम्बिनेशन लाएगी।

अगले साल से शुरू होगी शूटिंग, कास्टिंग जारी है

अक्षय की इस फिल्म का प्री–प्रोडक्शन अक्टूबर में लोकेशन तलाशने के काम के साथ शुरू होगा, जबकि शूटिंग अगले साल जनवरी से शुरू की जाएगी। फिलहाल हीरोइन के लिए कास्टिंग की प्रोसेस जारी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी सिर्फ आदमखोर जानवरों के शिकार और एक्शन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जंगल, वन्यजीव और इंसान के बीच बदलते रिश्ते को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है।

'हैवान' के लिए भी अक्षय ही आगे आए थे...

वहीं अक्षय–प्रियदर्शन की 'हैवान' भी जल्द ही रिलीज होने वाली है। प्रियदर्शन ने कहते हैं...'इस फिल्म की स्क्रिप्ट कई एक्टर्स के पास से गुजरी, सभी ने इंकार कर दिया था, मगर अक्षय ने इस रोल के लिए खुद इसमें रुचि दिखाई। जबकि मैंने कभी अक्षय को लेने के बारे में नहीं सोचा था। वह खुद आगे आए और इसका हिस्सा बन गए।'

'समुक' में रुक्मिणी मैत्र की हुई एंट्री

अक्षय के खाते में एक और फिल्म 'समुक' है, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। अब रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में उनके अपोजिट बंगाली एक्ट्रेस रुक्मिणी मैत्र को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'सनक' और 'इनसाइड एज' का निर्देशन किया है। 'समुक' एक सर्वाइवल हॉरर–एलियन थ्रिलर है। इस फिल्म को इंटरनेशनल स्केल पर तैयार किया जा रहा है।

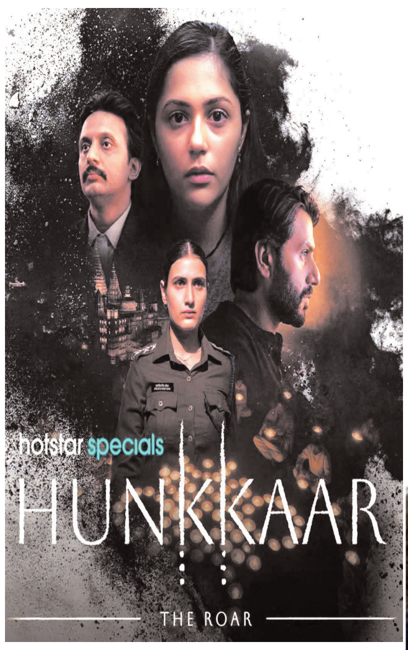

हुंकार : शोषण के खिलाफ अनीत पड्डा ने उठाई आवाज

फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों का दिल जीतने वाली अनीत पड्डा अब अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार–द रोर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसका ट्रेलर जारी हो गया है। क्राइम थ्रिलर सीरीज में अनीत पड्डा शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। वहीं, फातिमा सना शेख इस मामले की जांच करती हैं। क्राइम थ्रिलर सीरीज 'हुंकार' जियो हॉटस्टार पर आएगी। अनीत साहसी और निर्भीक मीनू की भूमिका में हैं। 17 साल की मीनू अपने खिलाफ होने वाले शोषण का विरोध करती है। मीनू बापजी पर शोषण का आरोप लगाती है, जो बेहद प्रभावशाली शख्सियत है। मामला पुलिस तक पहुंचता है। फातिमा सना शेख पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। केस की पड़ताल करते हुए कई चुनौतियां मीनू (अनीत) के सामने आती हैं। अपने भी संदेह करने लगते हैं।

फातिमा सना शेख ने की पड़ताल

मीनू के आरोपों की जांच की कड़ी में कई सनसनीखेज खुलासे होते हैं। मुश्किल वक्त में अपने साथ छोड़ते हैं। मगर, मीनू ऐसे विपरीत हालात में भी साहस का परिचय देती और निर्भीक होकर सच बताती है। फातिमा इस सच को साबित करने के लिए सबूत जुटाती हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया ने किया है। इसे बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। प्रियंका चोपड़ा इस सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फ्रेंच-इंडियन फिल्म 'स्टे' में नजर आएंगी पल्लवी शारदा

अभिनेत्री पल्लवी शारदा जल्द ही फ्रेंच–इंडियन रोमांस फिल्म 'स्टे' में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि सिनेमा दुनिया का एक ऐसा अजूबा है, जो कैमरा बंद होने के बाद भी एक्टर्स को क्रिएशन के भंवर में खींच लेता है। पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर पब्लिकेशन की तरफ से गई अनाउमेंट को शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस फिल्म में सायली नाम की एक तलाकशुदा महिला के किरदार में नजर आएंगी, जो भारत में रहती है और जिसे अपने पिता की सफल कंपनी को संभालने के लिए तैयार किया गया है। पेरिस की एक ट्रिप के दौरान उसे लियो से प्यार हो जाता है, जो एक डिलीवरी ड्राइवर है और एक्टर बनने का सपना देखता है। उनके रिश्ते की परीक्षा परिवार के दबाव, क्लास के फर्क और फ्रांस–भारत में उनकी जिंदगियों को अलग करने वाली आर्थिक और सांस्कृतिक हकीकतों से होती है।

अभिनेत्री फिल्ममेकर रोहेना गेरा के साथ अपने लेटेस्ट प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए लिखा, 'आप फिल्म बनाते और बेचते हैं। यही तरीका है, लेकिन किसी भी फिल्म के मूल में एक आइडिया, एहसास, वाइब्रेशन होता है। हम बस उसे जिंदा करने में मदद करते हैं। इस फिल्म से पहले जब भी मुझे रोहेना के साथ जूम पर बात करने का मौका मिला, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि हमने एक महिला के तौर पर अपने एहसासों और हमारे आसपास की कहानियों पर गहराई से बात की, जो अलग–अलग देशों और संस्कृतियों में काम कर रही हैं।' उन्होंने लिखा, 'लगातार दो संस्कृतियों के बीच झूलने की अजीबोगरीब स्थिति को समझने की कोशिश की। फिल्में एक अजीब दुनिया हैं। ये आपको क्रिएशन के भंवर में खींच लेती हैं, जिसका एहसास कैमरा बंद होने के बाद भी उतना ही रहता है। सेट के बीच के ठहराव में कभी–कभी खालीपन, बेचैनी महसूस होती है लेकिन साथ ही सब कुछ जुड़ता भी है। एक एक्टर के लिए हर फिल्म का अनुभव आपको अपने अंदर इतना गहरा ले जाता है कि उसे समझने के लिए बीच में ठहराव की जरूरत होती है। मैं अभी भी इस फिल्म को समझ रही हूं।'

'द रिवोल्यूशनरीज' ने एक्ट्रेस के तौर पर मेरी परीक्षा ली

एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने बताया कि 'द रिवोल्यूशनरीज' उन प्रोजेक्ट्स में से एक था, जिसमें एक एक्ट्रेस के तौर पर उनसे बहुत कुछ करने की उम्मीद की गई थी। प्रतिभा ने रविवार को 'प्रतिभा लाहिड़ी' का किरदार निभाने और उससे मिली सीख के बारे में एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी 'द रिवोल्यूशनरीज' के बारे में बिना भावुक हुए बात कर पाऊंगी। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसने एक एक्टर के तौर पर मुझसे बहुत कुछ मांगा और बदले में मुझे उससे कहीं ज्यादा दिया। मुझे ऐसे सीन करने को मिले, जो मैं हमेशा से करना चाहती थी, ऐसे सीन जिन्होंने मेरी परीक्षा ली, मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और मुझे खुद के उन पहलुओं को खोजने में मदद की, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि मैं उन्हें किसी किरदार में ला सकती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रतिभा लाहिड़ी के जरिए मुझे ऐसी महिलाओं को महसूस करने और उन्हें पर्दे पर उतारने का मौका मिला जो गहराई से प्यार करती हैं, बहुत सारी जिम्मेदारियां उठाती हैं, और फिर भी आगे बढ़ने और मजबूत बने रहने का रास्ता ढूंढ लेती हैं। महिलाएं जिस तरह से अपनी जिंदगी को संभालकर रखती हैं, उसमें एक शांत मजबूती होती है, और प्रतिभा के जरिए उस पहलू को समझने का मौका मिलने के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी।' प्रतिभा ने इस किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए डायरेक्टर निखिल आडवाणी का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने आगे कहा, 'निखिल आडवानी, प्रतिभा का किरदार मुझ पर सौंपने और मुझे इस खूबसूरत दुनिया का हिस्सा बनाने के लिए आपका शुक्रिया। जब मैं अपने पहले फिल्मफेयर अवॉर्ड और जिस तरह से सब ने मेरा हौसला बढ़ाया, उसके बारे में सोचती हूं तो मैं अब भी भावुक हो जाती हूं। निखिल सर, आपको मेरे लिए चीयर करते और उस पल को मेरे साथ सेलिब्रेट करते देखना एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा अपने साथ संजोकर रखूंगी।' इस शो के म्यूजिक के बारे में बात करते हुए प्रतिभा ने बताया कि 'और आएंगे' इस सीरीज के उनके सबसे पसंदीदा गानों में से एक है।

प्रतिभा ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अब भी सब कुछ महसूस कर रही हूं। अब भी थोड़ी भावुक हूं और सबसे ज्यादा इस प्रोजेक्ट, इस किरदार, इस टीम और 'द रिवोल्यूशनरीज' को मिले इतने प्यार के लिए मैं बहुत आभारी हूं।

हमें ऐसी कहानी चाहिए जो आज भी मायने रखने वाली साधारण और खूबसूरत बातों की याद दिलाएं

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस मानसी पारेख, जो अपनी आने वाली गुजराती फिल्म 'मित्रता: फ्रेंडशिप नी लव स्टोरी' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने उन कहानियों की अहमियत के बारे में बात की है, जो हमें उन साधारण और खूबसूरत चीजों की याद दिलाती हैं जो आज भी मायने रखती हैं। इस फिल्म में विराज घेलानी, दीप वैद्य और विशाल पारेख भी हैं। यह दोस्ती के विषय पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया गया, जिसमें 3 दोस्तों की जिंदगी और उनके बीच के रिश्तों को दिखाया गया है। फिल्म दोस्ती के कई पहलुओं और जिंदगी के बदलते दौर में मजबूत होने वाले रिश्तों को दिखाती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सोल सूत्र के प्रोड्यूसर मानसी पारेख और पार्थिव गोहिल ने कहा, ''मित्रता' के केंद्र में एक बहुत ही सरल और आम भावना है: दोस्ती। आज के निराशावादी दौर में हमें ऐसी कहानियों की जरूरत है जो हमें उन सरल, खूबसूरत चीजों की याद दिलाएं जो आज भी मायने रखती हैं, और दोस्ती उनमें से एक है। हम सभी की जिंदगी में ऐसे लोग होते हैं, जिन्होंने हमारे अलग–अलग रूप देखे हैं और हर हाल में हमारे साथ रहे हैं। ओनिल ने उस भावना को एक ऐसी दुनिया में उतारा है, जो मनोरंजक, गर्मजोशी से भरी और भावनाओं से भरपूर है। हम आखिरकार दर्शकों के साथ 'मित्रता' की दुनिया को साझा करने के लिए उत्साहित हैं।' यह फिल्म उनकी गुजराती ब्लॉकबस्टर 'झमकूड़ी' के बाद एक्ट्रेस और उनके (को–स्टार) के फिर से साथ आने का मौका है।

विराज घेलानी ने कहा, 'दोस्ती शायद उन कुछ रिश्तों में से एक है जहां आप बिना किसी दिखावे के खुद जैसे हो सकते हैं, और यही बात 'मित्रता' को इतना अपना–सा बनाती है। फिल्म में दोस्तों के ग्रुप से उम्मीद की जाने वाली मजाक–मस्ती और पागलपन तो है ही, लेकिन इसमें कुछ शांत पल भी हैं जो आपको याद दिलाते हैं कि ये रिश्ते इतने मायने क्यों रखते हैं। सेट पर हम सभी के बीच की एनर्जी बहुत नैचुरल थी, और मुझे लगता है कि यह ट्रेलर में भी झलकती है। मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक इन किरदारों से मिलें और उनके सफर का अनुभव करें।' फिल्म ने अमित त्रिवेदी द्वारा कंपोज किए गए 'मित्रता एंथम' के साथ पहले ही लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है, जो कहानी के केंद्र में दोस्ती की भावना को दर्शाता है। गाने की लाइन 'तारी मारी दोस्ती' सोशल मीडिया पर तुरंत हिट हो गई है और दर्शक अपने दोस्तों के ग्रुप के साथ इसके स्टेप्स को रीक्रिएट कर रहे हैं। सोल सूत्र द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म के डायरेक्टर ओनिल कार्निक हैं, इसे पार्थिव गोहिल और मानसी पारेख ने प्रोड्यूस किया है, और यह 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

छोटी बातें बड़े काम की..

दूध को उबलने से बचाने के लिए बर्तन के किनारों पर जरा सा घी लगा दें।

- विटामिन ई के कैप्सूल के अंदर से निकलने वाले पाउडर को जले हुए स्थान पर लगाने से जल्द आराम मिल जाता है।
- नेल पॉलिश को परफ्यूम की सहायता से साफ किया जा सकता है।
- -अगर जूतों के फीतों की टिप निकल जाए तो फीते के किनारों पर नेलपालिश लगाकर उसे सख्त किया जा सकता है।
- कांच के सामान को धोने से पहले वाशबेसिन में तौलिया बिछा दें इससे उनके टूटने या चटकने की संभावना कम रहती है।
- टी-बैग्स को गर्म पानी में भिगोकर उस पानी को करीब बीस मिनट के लिए अपनी आंखों के नीचे लगाने पर वहां की सूजन को दूर किया जा सकता है।
- इंजेक्शन लगने के बाद होने वाली तकलीफ, सनबर्न तथा रेजर से कट जाने पर कुछ टी-बैग्स को पानी में भिगोने के बाद चोट वाले स्थान पर लगाएं।
- कुम्हलाई हुई सब्जियों को नींबू की कुछ बूंद पड़े ठंडे पानी में एक घंटा तक भिगो दें। सब्जियां ताजा हो जाएंगी।
- चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए उबालते समय इसमें सूखे या ताजे संतरे के कुछ छिलके डाल दें।
- रबर बैंड को गर्मी के कारण चिपकने से बचाने के लिए उसके डिब्बे में थोड़ा सा टैल्कम पाउडर डाल दें।
- जले हुए दूध की महक दूर करने के लिए इसमें पान के दो पत्ते डालकर कुछ मिनट उबालें।

स्टोन पेंटिंग से सजाएं घर

इमारतों के निर्माण के साथ घर की सजावट में भी पत्थरों की अहम भूमिका है। आर्टीफेक्ट्स के अलावा पत्थरों के जरिये बनाई जाने वाली पेंटिंग्स की खूबसूरती का भी कोई जवाब नहीं। घर के लिविंग रूम, किड्स रूम और बेडरूम के अलावा पूजाघर की सज्जा में भी ऐसी पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया जा सकता है..

संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन या फिर कसौटी पत्थर के विविध रूपों का इस्तेमाल बिल्डिंग्स के निर्माण और उनकी सजावट के लिए वर्षो से होता रहा है। लाल पत्थर से बने बात चाहे दिल्ली के लाल किला की हो या फिर सफेद संगमरमर से दमकते ताजमहल की। सैंड स्टोन से बने कोणार्क के सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर की खूबसूरती भी कुछ कम नहीं। वैसे इन सभी इमारतों में एक चीज समान है और वो यह कि पत्थर से विभिन्न तरह के पत्थरों से बनी इन इमारतों की खूबसूरती अद्वितीय है। इमारतों के निर्माण, उनकी फ्लोरिंग आदि से लेकर पत्थरों से बने आर्टीफेक्ट्स के जरिये घर व ऑफिस की सुंदरता बढ़ाने के पत्थरों का इस्तेमाल वैसे तो सदियों से किया जा रहा है। लेकिन आज के दौर में पत्थर का इस्तेमाल एक नए रूप में भी हो रहा है। जिसे जाना जाता है स्टोन पेंटिंग के नाम से।

पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है। जो कि देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए कैनवास पर मनचाही आकृति बना लेने के बाद उस पर गोंद जैसा एक खास तरह का चिपकने वाला पदार्थ लगाया जाता है। इसे लगाने के बाद बड़ी सफाई के साथ कैनवास या शीट पर रंग-बिरंगे पत्थरों को चिपकाने के बाद सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है।

पूरी तरह सूख जाने के बाद इन पेंटिंग्स के रंगों में भी ऑयल पेंटिंग जैसा ही लुक आ जाता है। यह भी आप और आपके घर आने वाले मेहमानों का उतना ही ध्यान आकर्षित करने में समक्ष हैं जितना कि ऑयल या फिर ग्लास पेंटिंग की खूबसूरती किसी को आकृष्ट करती है।

अगर आप अपने घर को इस तरह की पेंटिंग से सजाना चाहते हैं तो विभिन्न बाजारों से इन्हें खरीद सकते हैं। आर्ट गैलरीज के अलावा साउथ एक्सटेंशन के डिपार्टमेंटल स्टोर्स, कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे इलाकों में स्थित आर्ट गैलरियों में इनकी विविधता भरी वेरायटी देखी जा सकती है। स्टोन पेंटिंग के रूपों में जहां राजसी परिवारों के

राजा और रानियों के चित्र देखे जा सकते हैं, वहीं इनके जरिये की गई लैंड-स्केपिंग भी आंखों को कुछ ऐसी ताजगी देती है कि मन करता है कि पेंटिंग से नजरें हटाई ही न जाएं। आप चाहें तो ईश्वर की आकृतियां वाली स्टोन पेंटिंग भी ले सकते हैं। खासकर घर या फिर ऑफिस के पूजाघरों के लिए इन्हें उपयुक्त कहा जा सकता है। इसके अलावा बच्चों के कमरों में इन्हें सजाने के लिए उनके पंसदीदा कार्टून कैरेक्टर्स के चेहरे के रूप में भी लिया जा सकता है।

जहां तक ऐसी पेंटिंग्स की कीमत का सवाल है तो इसमें इनका आकार महत्वपूर्ण भूमिका निभता है। साथ ही पेंटिंग बनाने में कैसे और कौन सी किस्म के पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, यह भी उसकी कीमत को प्रभावित करती है। वैसे डेढ़ फुट की लंबाई-चौड़ाई वाल

ी ऐसी पेंटिंग के लिए आपको कम से कम

कम डेढ़ हजार रुपये का बजट रखना होगा। जैसे-जैसे आकार और पेंटर की मेहनत बढ़ेगी इसकी कीमत में भी इजाफा होता जाएगा।

पेंटिंग के पत्थरों से बनने की वजह से अगर आप इनकी देख-रेख को लेकर चिंतित हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं, क्योंकि फोटोग्राफ्स की तरह आमतौर पर इन्हें फ्रेम करा दिया जाता है, जिससे कि पत्थरों पर धूल-मिट्टी न पड़े। हां, अगर फ्रेम के शीशों पर धूल जमे तो सूखे और फिर हल्के गीले कपड़े से इन्हें साफ किया ही जा सकता है।

आम तौर पर पेंटिंग के रूप में घरों में ज्यादातर ऑयल कलर्स की पेंटिंग्स ही देखने को मिलती हैं। लेकिन अपने घर में कुछ अलग और नया करने के लिए आप भी स्टोन पेंटिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसा हो किचन

परिवार छोटा हो या बड़ा, बैचलर हों या फिर बुजुर्ग, हर किसी के लिए कुछ अलग तरह के किचन की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग और बड़े परिवार के लिए कैसा हो किचन और कैसी सुविधाएं हों इसमें मौजूद..

घर में बैचलर हों तो छोटे किचन से काम चल जाता है, लेकिन परिवार बड़ा हो तो किचन में ज्यादा स्पेस का होना स्वाभाविक भी है। साथ ही खाना बनाने के अलावा दूसरे अप्लायंसेज की जरूरत भी कुछ ज्यादा ही होती है। इसी तरह से यदि घर में सिर्फ बुजुर्ग ही हों तो भी किचन में कुछ खास चीजों के अलावा किचन का डिजाइन अलग तरह का होना जरूरी है। कैसे परिवार के लिए कैसा हो किचन आइये जानते हैं-

बुजुर्गो के लिए

- पहले आप जितना चल-फिर पाते थे या काम कर पाती थीं हो सकता है अब आप उतना मूव नहीं कर पाएं इसलिए किचन ऐसे ढंग से व्यवस्थित करें जहां आपको बार-बार पीठ झुकानी और घुटने मोड़ने न पड़े। आपकी जरूरत का सारा सामान आपके चारों ओर हो। यहां दिए गए उपायों को अपनाकर आप अपने किचेन को सुविधाजनक बना सकते हैं।
- ऐसी फ्लोरिंग चुनें जिसे साफ करना आसान हो। इसके लिए सिरेमिक टाइल्स, टेक्सचर्ड टाइल्स, बैंबू या इसी प्रकार कोई भी फ्लोर मटीरियल चुनें। ताकि फिसल कर गिरने का डर भी न हो।
- बुजुर्गो के लिए मॉड्यूलर किचन बेस्ट विकल्प है। ताकि नीचे वाले कैबिनेट का इस्तेमाल करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। किचन के अंदर ही मेज और दो कुर्सी की व्यवस्था ताकि सब्जी वगैरह काटते समय या बीच में आराम के लिए बैठा जा सके।
- किचन का लेआउट इस प्रकार हो कि वह सुरक्षित भी हो। सामने की तरफ एक खिड़की भी हो ताकि वेंटीलेशन हो सके।
- सीढ़ियों का प्रयोग न करें। अगर आप रैंच होम में रह रहे हैं तो सीढ़ियों को पाट दें या बराबर कर दें ताकि दिनभर ऊपर नीचे न करना पड़े।
- किचेन खुला और जगह वाला चाहिए ताकि आपको चलना-फिरना आसान हो।
- डाइनिंग एरिया के निकट ही किचेन होना चाहिए। ताकि पुरानी हैवी कटलरी/डिशेज़ उठाकर डाइनिंग टेबल तक ले जाना आसान हो। आप चाहें तो सामान ले जाने के लिए ट्रॉली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं लेकिन इसके किचेन की फ्लोरिंग फ्लैट होनी चाहिए।
- सबसे महत्वपूर्ण है नेचुरल लाइट। इस उम्र में नजर कमज़ोर होने के कारण चीजों को देखना भी मुश्किल हो जाता है इसलिए तेज लाइट की व्यवस्था होनी जरूरी है।
- किचेन का रंग हलका चुनें ताकि वह खुला-खुला व साफ नजर आए।

5 जरूरी चीज़ें

- वाइब्रेटिंग लिक्विड लेवल इंटीकेटर
- माइक्रोवेब
- फूड एटीमर
- पोर होल्डर
- नॉन-स्लिप प्लेसमैंट

बड़े परिवार के लिए

ऐसे परिवार में आमतौर पर किचन के काम के लिए घरेलू सहायक होते हैं। इसलिए यहां बड़े और खुली जगह वाले किचन की जरूरत होती है। किचन का रोजमर्रा और 80 प्रतिशत काम घरेलू सहायक करते हैं इसलिए होममेकर के लिए उसी किचन में अपनी पसंद का कुछ बनाने के लिए सैपरेट काउंटर और बर्नर की जरूरत होती है।

- ऐसे परिवार के लिए लेजर किचन परफेक्ट होता है। यहां सामान डबल होता है। किचन अप्लायंस और उपकरणों का डबल सेट होता है। इसमें बार भी होता है।
- दो फ्रिज रखने के लिए कैबिनेट होना चाहिए।
- बर्तन धोने की जगह अलग होनी चाहिए और छोटी-मोटी जरूरत के लिए छोटा सिंक किनारे बनवाना चाहिए।
- छह बर्नर वाला एक चूल्हा और दो बर्नर वाला एक चूल्हा रखना चाहिए।
- फ्लैप ग्रेनाइट का रखें और काउंटर आर सी सी बेस होनी चाहिए ताकि अगर कभी कोई सामग्री कूटनी हो तो प्लैटफार्म में दरार न पड़े।
- टाइल्स फ्लोर रखें ताकि किचन बड़ा और साफ सुथरा दिखे। स्टोरेज की जगह जरूरी है।
- रंग ओक या बेज रखें ताकि खुला-खुला नजर आए।
- जगह बड़ी हो तो किचन के मध्य में डाइनिंग टेबल भी रख सकते हैं ताकि खाना बनाने के साथ परिवार के लोग होममेकर के साथ एंजॉय भी कर सकें। लाइव कुकिंग का मज़ा ही अलग होता है।

5 जरूरी चीज़ें

- स्लो कुकर/क्रॉकपॉट
- मीट टेंडराइज़र
- फूड प्रोसेसर
- स्टॉकपॉट

..ताकि तंग न करें सीढ़ियां

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें। सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई का सही अनुपात, घर के सदस्यों को आसानी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने और नीचे लाने में सहायक होगा..

जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं। क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो प्लॉट पर घर की कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है। कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे। इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें। वैसे अक्सर ऐसा भी होता है कि ज्यादातर लोग आर्किटेक्ट की मदद के बगैर ही कांट्रेक्टर के बताए नक्शे के मुताबिक प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन कराना आरंभ कर देते हैं। इसका असर तब दिखता है जब वे घर में रहना शुरू करते हैं। ऐसी ही कुछ परेशानियों में सीढ़ियां भी एक हैं। अक्सर प्लॉट के आकार के छोटा होने पर तंग सीढ़ियां बना दी जाती हैं और फिर उस घर में रहने वाले जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते उतरते हैं तो हमेशा तंग ही होते रहते हैं। ऐसे में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइये जानते हैं-

- सीढ़ियां बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए। अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है।
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए।
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है। इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं।
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियां ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 तक का रख सकते हैं। अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी।
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा।
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए। ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं। इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है। रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।